RNI NO.: MAHHIM/2013/52540

मुंबई, पुणे और नाशिक से एक साथ प्रकाशित

हमारा महानगर

https://www.hamaramahanagar.net

वर्ष 11 ■ अंक 234 ■ नाशिक, रविवार 31 अगस्त 2025 ■ पेज 10 ■ मूल्य : ₹ 5.00

संरक्षक : आरएन सिंह

चीन में मोदी का पावर शो...

एयरपोर्ट पर जोरदार स्वागत, मोदी-पुतिन-जिनपिंग पर दुनिया की नजर

महानगर नेटवर्क

बीजिंग

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एससीओ शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए चीन पहुंच चुके हैं। मोदी की इस यात्रा पर पूरी दुनिया की निगाहें टिकी हुई हैं। यह दौरा तब हो रहा है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 50% टैरिफ लगाया है। माना जा रहा है कि इस शिखर सम्मेलन में ट्रंप के टैरिफ पर खास चर्चा हो सकती है और सदस्य देश इसके खिलाफ साझा रणनीति का भी ऐलान कर सकते हैं। हालांकि, इसे भारत की मल्टी-अलाइनमेंट डिप्लोमेसी की परीक्षा के तौर पर देखा जा रहा है, क्योंकि मोदी सरकार चीन से भी संबंधों को खराब करना नहीं चाहती है। वहीं, भारत ने रूस से तेल खरीदने पर रोक लगाने से भी इनकार कर दिया है।

पीएम मोदी रविवार को चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ द्विपक्षीय बैठक भी करेंगे। मोदी और जिनपिंग की बैठक इसलिए अहम मानी जा रही है, क्योंकि भारत और चीन ट्रंप की टैरिफ नीति से वैश्विक व्यापार में उपजे तनाव के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर विचार कर रहे हैं।

SCO शिखर सम्मेलन का एजेंडा

SCO की स्थापना 2001 में हुई थी और इसके 10 सदस्य देश हैं, जिनमें भारत, चीन, रूस, पाकिस्तान, कजाखस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान, ईरान और बेलारूस शामिल हैं। इस साल का शिखर सम्मेलन तियानजिन में 31 अगस्त से 1 सितंबर तक आयोजित हो रहा है, जिसे अब तक का सबसे बड़ा SCO सम्मेलन माना जा रहा है। इसमें 20 से अधिक देशों के नेता और 10 अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रमुख हिस्सा लेंगे।

सम्मेलन का मुख्य एजेंडा क्षेत्रीय सुरक्षा, आतंकवाद विरोधी सहयोग, और आर्थिक साझेदारी को बढ़ावा देना है। भारत ने विशेष रूप से सीमा पार आतंकवाद पर कड़ा रुख अपनाने की बात कही है। विदेश मंत्रालय के सचिव तन्मय लाल ने कहा कि SCO का उद्देश्य आतंकवाद, उग्रवाद, और अलगाववाद से लड़ना है और भारत चाहता है कि सभी सदस्य देश इस मुद्दे पर एक साझा बयान जारी करें। इस सम्मेलन पर खासकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पैनी नजर है। जबकि इस बैठक की पहले पीएम मोदी और यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की के बीच फोन पर लंबी बातचीत हुई है।

इस शिखर सम्मेलन की विशेषता क्या है?

यह शिखर सम्मेलन कई कारणों से महत्वपूर्ण है। रूस-यूक्रेन युद्ध, इजरायल-गाजा संघर्ष, दक्षिण एशिया और एशिया-प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षा तनाव, और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए वैश्विक व्यापार युद्ध के बीच यह आयोजन हो रहा है। यह शिखर सम्मेलन एक बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की ओर बढ़ते विश्व को प्रदर्शित करेगा, जहां चीन और रूस 'अविभाज्य सुरक्षा' को बढ़ावा देंगे।

अमेरिका के लिए निहितार्थ क्या?

अमेरिका इस शिखर सम्मेलन को करीब से देखेगा, विशेष रूप से भारत और चीन के बीच बातचीत को। ट्रंप ने बीते समय में ग्लोबल साउथ के संगठनों, जैसे ब्रिक्स की आलोचना की है और उन्हें 'अमेरिका विरोधी' करार दिया है। भारत पर 50% टैरिफ के बाद, नई दिल्ली का बीजिंग और अन्य यूरेशियाई देशों के साथ निकटता बढ़ाना अमेरिका के लिए चिंता का विषय हो सकता है।

यह शिखर सम्मेलन क्वाड (भारत, जापान, ऑस्ट्रेलिया, और अमेरिका) शिखर सम्मेलन के लिए भी टोन सेट कर सकता है, जो इस साल भारत में आयोजित होगा। क्वाड का गठन चीन के बढ़ते प्रभाव को संतुलित करने के लिए किया गया था, लेकिन भारत और अमेरिका के बीच टैरिफ विवाद के बाद, मोदी की शी जिनपिंग के साथ मुलाकात पर अमेरिका की नजर होगी। ट्रंप इस साल क्वाड में शामिल नहीं होंगे।

कोई परमानेंट दोस्त या दुश्मन नहीं : सिंह

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अमेरिकी टैरिफ पर विवाद के बीच कहा कि कोई भी देश परमानेंट दोस्त या दुश्मन नहीं होता है। सिर्फ परमानेंट इंटरेस्ट होता है। उन्होंने कहा कि दुनिया में ट्रेड वॉर जैसे हालात हैं। विकसित देश तेजी से संरक्षणवादी हो रहे हैं। भारत किसी को अपना दुश्मन नहीं मानता, लेकिन हम राष्ट्रीय हित और लोगों के हितों से समझौता नहीं करेंगे। राजनाथ के इस बयान को ट्रम्प के टैरिफ के खिलाफ भारत, रूस और चीन के करीब आने की खबरों से जोड़कर देखा जा रहा है। पीएम मोदी जापान से चीन पहुंच गए हैं। वे यहां एससीओ समिट में दोनों देश के राष्ट्रपति से मिलेंगे। सिंह ने कहा, हमारे लिए अपने लोगों का, किसानों का, छोटे व्यापारियों का, देशवासियों का हित सबसे ऊपर है। चाहे कितना भी दबाव डाला जाए, लेकिन भारत किसी भी कीमत पर समझौता नहीं करेगा। दुनिया भारत की रक्षा क्षमताओं की गवाह है। जिस तरह से हमारी सेनाओं ने स्वदेशी उपकरणों के साथ पाकिस्तान पर सटीक हमले किए, उससे पता चलता है कि कोई भी मिशन बिना दूरदर्शिता और तैयारी के सफल नहीं हो सकता। 2014 में हमारा डिफेंस एक्सपोर्ट 700 करोड़ रुपए से कम था। आज यह बढ़कर लगभग 24 हजार करोड़ रुपए हो गया है, जो एक रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। यह दर्शाता है कि भारत अब केवल खरीदार नहीं रहा बल्कि निर्यातक बन रहा है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह परिवार समेत शनिवार को लालबागचा राजा का दर्शन करने पहुंचे। इस दौरान उनके साथ मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, मंत्री आशीष शेलार, मंगल प्रभात लोढ़ा और कई अन्य लोग मौजूद थे। अमित शाह मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के निवास वर्षा गए, जहां श्री गणेश जी का दर्शन-पूजन किया। मुख्यमंत्री फडणवीस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'हमारे नेता केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह और इनके परिवारजनों ने गणेशोत्सव के अवसर पर मुंबई स्थित मेरे सरकारी आवास वर्षा पर भेंट दी, इस दौरान उनका हार्दिक स्वागत किया।' केंद्रीय गृह मंत्री ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, 'गणेशोत्सव के दौरान मुंबई के लालबागचा राजा के दर्शन और पूजन की उत्सुकता साल भर मेरे जैसे हर भक्त के मन में बनी रहती है। उनके दर्शन मात्र से ही मन की वृत्तियां प्रफुल्लित हो उठती हैं। गणपति बप्पा सभी पर अपनी कृपा दृष्टि बनाए रखें।'

ट्रंप का टैरिफ अटैक गैरकानूनी

महानगर नेटवर्क

वॉशिंगटन डीसी

अमेरिका की एक अपील कोर्ट ने ट्रम्प के ज्यादातर टैरिफ को गैरकानूनी बताया है। कोर्ट का कहना है कि ट्रम्प ने इन टैरिफ को लागू करने के लिए जिस कानून का सहारा लिया, वह उन्हें यह अधिकार नहीं देता।

कोर्ट ने कहा कि ट्रम्प के पास हर आयात पर टैरिफ लगाने की असीमित शक्ति नहीं है। हालांकि, कोर्ट ने इस फैसले को अक्टूबर तक लागू करने से रोक दिया है,

ताकि ट्रम्प सुप्रीम कोर्ट में अपील कर सकें। ट्रम्प ने इस फैसले की कड़ी आलोचना करते हुए सोशल मीडिया पर लिखा कि अगर ये टैरिफ हटे, तो अमेरिका बर्बाद हो जाएगा।

टैरिफ लगाने की शक्ति संसद के पास: कोर्ट

ट्रम्प ने चीन, कनाडा, मेक्सिको जैसे देशों पर व्यापार घाटे और अन्य कारणों से टैरिफ लगाए थे। उन्होंने तर्क दिया था कि अमेरिका का व्यापार घाटा ही राष्ट्रीय आपातकाल है। ट्रम्प ने इन कानूनों को अंतर्राष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्ति अधिनियम (IEEPA) के तहत सही ठहराया था। उनका कहना था कि व्यापार असंतुलन अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा है और इसलिए उन्होंने व्यापार पर 'नेशनल इमरजेंसी' घोषित कर टैरिफ लगाए। अब कोर्ट ने इसे खारिज कर दिया और कहा कि शुल्क लगाना राष्ट्रपति के अधिकार में नहीं आता, यह शक्ति केवल संसद के पास है।

7-4 के बहुमत से दिए गए इस फैसले में अदालत ने साफ लिखा कि 1977 में जब कांग्रेस ने IEEPA कानून बनाया था, तब उसका मकसद राष्ट्रपति को बिना सीमा के शुल्क लगाने की ताकत देना नहीं था। कोर्ट ने कहा कि ट्रम्प 150 दिनों तक 15% टैरिफ लगा सकते हैं, लेकिन इसके लिए ठोस कारण चाहिए।

Short News एक नजर

सोशल मीडिया पर ट्रेंड कर रहा 'ट्रम्प इज डेड'

वॉशिंगटन डीसी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की सेहत से जुड़े पोस्ट ट्रेंड कर रहे हैं। इन पोस्ट में 'ट्रम्प इज डेड' (ट्रम्प की मौत हो गई) लिखा है। शनिवार को ट्रम्प की मौत से जुड़े 60 हजार से ज्यादा पोस्ट शेयर किए गए हैं। जुलाई में 79 साल के ट्रम्प के हाथ पर चोट के निशान और पैरों में सूजन की तस्वीरें सामने आने के बाद से ही उनकी सेहत चर्चा में है। व्हाइट हाउस ने उस समय इन अफवाहों को खारिज किया था। अब 27 अगस्त को उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के इंटरव्यू के बाद ट्रम्प की सेहत पर फिर बहस तेज हो गई है।

खाते में बैलेंस नहीं तब भी निकल जाएंगे पैसे

नई दिल्ली। नरेंद्र मोदी सरकार की चर्चित योजना- प्रधानमंत्री जनधन के 11 साल पूरे हो गए हैं। योजना के तहत खोले गए खातों की संख्या 11 वर्ष में बढ़कर 56.16 करोड़ हो गई है। वहीं, खातों में 2.68 लाख करोड़ रुपये जमा किए गए। योजना के तहत खाताधारकों को कई बड़ी सुविधाएं मिलती हैं। इनमें से एक सुविधा ओवरड्राफ्ट की है। प्रधानमंत्री जनधन योजना के तहत लाभार्थी 10000 रुपये तक की ओवरड्राफ्ट सुविधा का लाभ उठा सकते हैं। यह तब भी संभव हो सकेगा जब जनधन खाता धारक के खाते में पैसे नहीं रहेंगे।

इजरायली हमले में हूती विद्रोही पीएम अहमद-अल-रहावी मारे गए

सना। इजरायल के हवाई हमले में हूती विद्रोही प्रधानमंत्री अहमद-अल-रहावी मारे गए हैं। ईरान समर्थित हूतियों ने शनिवार को बताया कि यह हमला यमन की राजधानी सना में हुआ। बयान में कहा गया कि रहावी गुरुवार को कुछ मंत्रियों के साथ निशाना बनाए गए थे। इजरायली सेना की ओर से गुरुवार को कहा गया था, 'यमन के सना में हूती आतंकवादी शासन के मिलिट्री टारगेट पर सटीक हमला किया।'

जरांगे का आंदोलन जारी

महानगर संवाददाता

मुंबई

मराठा कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने शनिवार को उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश संदीप शिंदे के नेतृत्व वाले एक प्रतिनिधिमंडल से कहा कि सरकार को मराठवाड़ा

के सभी मराठों को कुनबी घोषित करना चाहिए और उन्हें आरक्षण देना चाहिए। प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार दोपहर दक्षिण मुंबई के आजाद मैदान में जरांगे से मुलाकात की। फिलहाल जरांगे के आंदोलन को एक दिन की समयसीमा बढ़ाई गई है। जरांगे ने कहा कि सेवानिवृत्त न्यायाधीश शिंदे की अध्यक्षता वाली समिति ने पिछले 13 महीनों से इस मुद्दे से संबंधित राजपत्रों का अध्ययन किया है।

शेष पेज 2 पर

मुद्दे को कानूनी ढांचे में सुलझाने के लिए काम कर रहे हैं : फडणवीस

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को कहा कि उनकी सरकार मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे की मांगों को कानूनी और संवैधानिक ढांचे के भीतर पूरा करने के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि पिछले साल मराठा समुदाय को (सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग श्रेणी के तहत) दिया गया 10 प्रतिशत आरक्षण अभी भी लागू है, फडणवीस ने कहा कि मराठा समुदाय को शिक्षा और रोजगार प्रदान करने के लिए सबसे ज्यादा फैसले 2014 और 2025 के बीच लिए गए। यह वह अवधि है, जब ज्यादातर समय भाजपा के नेतृत्व वाली सरकारें सत्ता में रही हैं।

'ह्यूमन GPS' आतंकी बागू खान एनकाउंटर में मारा गया

महानगर नेटवर्क

जम्मू

सुरक्षा बलों ने शनिवार को जम्मू-कश्मीर के गुरेज सेक्टर में हुई मुठभेड़ के दौरान लंबे समय से वांटेड आतंकी बागू खान उर्फ समंदर चाचा को मार गिराया। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (PoK) में 1995 से सक्रिय बागू खान को आतंकी गिरोहों में "ह्यूमन जीपीएस" कहा जाता था। रक्षा विभाग के सूत्रों के अनुसार, बागू खान पिछले तीन दशकों में 100 से अधिक घुसपैठ प्रयासों को अंजाम देने में शामिल रहा। वह मूल रूप से हिजबुल कमांडर था, लेकिन उसने लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद सहित सभी आतंकी संगठनों को गुरेज और आसपास के इलाकों से घुसपैठ कराने में मदद की।

बागू खान को नौशेरा से घुसपैठ की कोशिश के दौरान सुरक्षाबलों ने ढेर किया। इस मुठभेड़ में एक अन्य आतंकी भी मारा गया। सूत्रों ने बताया कि वर्षों तक सुरक्षा बलों की निगरानी से बचता रहा बागू खान आखिरकार ताजा अभियान में मारा गया।

संसद में जगन्नाथ पुरी रथयात्रा के तीन पहिए रखे जाएंगे

नई दिल्ली। संसद परिसर में पुरी रथ यात्रा के तीन पहिए लगाए जाएंगे। श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन ने शनिवार को इस बात की पुष्टि की। मंदिर समिति ने बताया कि लोकसभा स्पीकर ओम बिरला हाल ही में पुरी दौरे पर गए थे। मंदिर समिति की तरफ से उनको यह प्रस्ताव दिया गया, जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया है। यह तीनों पहिए भगवान जगन्नाथ, देवी सुभद्रा और बलभद्रा के रथों से निकाले जाएंगे। भगवान जगन्नाथ के रथ को नंदीघोष, देवी सुभद्रा के रथ को दर्पदलन और भगवान बलभद्र का रथ तालध्वज कहलाता है।

ऑपरेशन सिंदूर : भारत ने दागे महज 50 हथियार

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

वायुसेना उप प्रमुख नर्मदेश्वर तिवारी ने ऑपरेशन सिंदूर से जुड़ा नया खुलासा किया है। उन्होंने कहा है कि इस ऑपरेशन के दौरान भारत को सिर्फ 50 से भी कम हथियार दागने पड़े थे। महज इतने हथियारों से ही पाकिस्तान ने घुटने टेक दिए और सीजफायर की गुहार लगाने लगा। एयर मार्शल नर्मदेश्वर तिवारी ने कहा कि पाकिस्तान को सीजफायर की टेबल तक लाने के लिए भारतीय वायुसेना को 50 से भी कम हथियार दागने पड़े। उन्होंने कहा, "प्रस्तुत विकल्पों की सूची में से हमारे पास बड़ी संख्या में टारगेट सेट्स थे और 9 ठिकानों को टारगेट किया। हमारे लिए मुख्य बात यह थी कि 50 से भी कम हथियारों के साथ सीजफायर हुआ। इसलिए यही वह महत्वपूर्ण बात है, जिसे मैं आपको समझाना चाहता हूं।"

घुटनों के बल आ गया था पाकिस्तान

उन्होंने आगे कहा, "किसी भी युद्ध को शुरू करना काफी आसान होता है, लेकिन उसे खत्म करना आसान नहीं होता। यह बात ध्यान में रखने योग्य है, ताकि हमारी सेना सक्रिय रहे, तैनात रहे और वे किसी भी संभावित स्थिति के लिए तैयार रहें।' उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का क्रेडिट भारत की एकीकृत वायुकमान और नियंत्रण प्रणाली (IACCS) को दिया जो आक्रामक और रक्षात्मक दोनों ही अभियानों की रीढ़ रही। इसी सिस्टम ने भारत को कड़ा जवाब देने में सक्षम बनाया और इसके चलते पाकिस्तान ने सीजफायर की मांग की।

25वीं पुण्यतिथि

नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि, नैनं दहति पावकः।
न चैनं क्लेदयन्त्यापो न शोषयति मारुतः॥

जन्म
१ जनवरी
१९५२

स्वर्गवास
३१ अगस्त
२०००

स्वर्गीया रामसखी सिंह

संस्थापक
रामसखी रामनिवास गर्ल्स डिग्री कॉलेज, भरौली, गोरखपुर (उ.प्र.)
एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (इंग्लिश मीडियम)
पूर्व निदेशक
बांबे इंटीग्रेटेड सिक्युरिटी (इंडिया) लिमिटेड

इस नाशवान शरीर के पंचतत्व में विलीन हो जाने के बाद भी अमर रहते हैं,
वे सुकर्म जो इस शरीर ने लोकसेवा और जन कल्याण को अर्पित किए हैं।
हमारी भावभीनी श्रद्धांजलि स्वर्गीया रामसखी सिंह के उन्हीं सुकर्मों को अर्पित है।

स्व. आर एन सिंह (पति)

संतोष आर. एन. सिंह, अमरजीत सिंह, राजेश सिंह, श्रीमती नीतू संतोष सिंह, श्रीमती गीता संजय सिंह, श्रीमती चंदा रणधीर सिंह, कु. अंकिता, कु. रिया, विश्वेश (क्रिश) सिंह, अर्जुन सिंह, कर्ण सिंह, आरव सिंह, जी. एस. भदौरिया, संजू सिंह, अंतेश सिंह, विशाल सिंह, आदित्य सिंह, विराट सिंह, युवान सिंह एवं सिंह परिवार के संबंधी व शुभचिंतक.

बांबे इंटीग्रेटेड सिक्युरिटी (इंडिया) लिमिटेड परिवार, संतोष केयरवेल लिमिटेड, बी. आय. एस. यूटिलिटी सर्विस, फ्रंटलाइन गार्ड्स, आय. आय. एस. एम., रामसखी रामनिवास शिक्षण संकुल, बाबू आरएन सिंह डायलिसिस सेंटर भरौली गोरखपुर, रामसखी रामनिवास फिल्म प्रा. लि. एवं 'हमारा महानगर' परिवार के सभी अधिकारी एवं कर्मचारीगण

विरार -इमारत हादसा: डेवलपर जमीन मालिक समेत 5 गिरफ्तार

मामले की जांच क्राइम ब्रांच को सौंपी गई

महानगर संवाददाता

विरार

विरार में हाल ही में हुए रमाबाई अपार्टमेंट इमारत हादसे की जांच क्राइम ब्रांच तीन कों सौंप दी गई है, जिसमें अब तक 17 लोगों की मौत हो चुकी है और 9 घायल हुए हैं। इस मामले में पुलिस ने डेवलपर और ज़मीन मालिक समेत कुल पाँच लोगों को गिरफ्तार किया है। इस दुखद घटना के बाद,विरार पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए इमारत के डेवलपर, नीतल साने (48) को गिरफ्तार कर लिया था। शुक्रवार को मामले की गंभीरता को

देखते हुए इसकी जांच क्राइम ब्रांच तीन को सौंप दी गई।

क्राइम ब्रांच ने इस मामले में आगे बढ़ते हुए चार और लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें दो महिलाएँ भी शामिल हैं।

ज़मीन मालिक के परिवार पर गाज : पुलिस के मुताबिक, इस इमारत का निर्माण कार्य डेवलपर नीतल साने और ज़मीन के मूल मालिक, परशुराम दलवी के बीच हुए एक समझौते के तहत हुआ था। हालाँकि, परशुराम दलवी का निधन हो गया था, जिसके बाद उनकी दो बेटियों और दामाद ने निर्माण कार्य की जिम्मेदारी संभाली। गिरफ्तार किए गए चार नए आरोपियों में परशुराम दलवी की दो बेटियां, शुभांगी भोईर (38) और संध्या पाटिल (35), और उनके दामाद सुरेंद्र भोईर (46) और मंगेश पाटिल (35) शामिल हैं।

2008 से 2011 के बीच बनाई गई थी इमारत

यह इमारत साल 2008 से 2011 के बीच बनाई गई थी और इसे अवैध रूप से निर्मित बताया जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार, साल 2020 में महापालिका ने इमारत की मरम्मत के लिए नोटिस भी जारी किया था, लेकिन डेवलपर और ज़मीन मालिकों ने इस पर कोई ध्यान नहीं दिया।

क्राइम ब्रांच के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक शाहूराज रानावरे ने बताया कि गिरफ्तार किए गए इन चारों आरोपियों को अदालत में पेश किया गया और उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। वहीं, पहले से गिरफ्तार डेवलपर नीतल साने को फिर से अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे 6 दिन की अतिरिक्त पुलिस हिरासत में भेजा गया है। यह हादसा मंगलवार को विरार (पूर्व) के नारंगी विजयनगर में हुआ था, जब रमाबाई अपार्टमेंट की इमारत अचानक ढह गई, जिसके कारण कई परिवार बेघर हो गए और कई लोगों की जान चली गई। पुलिस और प्रशासन द्वारा मामले की गहनता से जाँच की जा रही है, ताकि इस त्रासदी के लिए जिम्मेदार सभी लोगों को सजा मिल सके।

वार्ड बाउंड्री पर नौ दिन में आईं 17 शिकायतें

2017 में आईं थीं कुल 613 शिकायतें

मुंबई। मनपा चुनाव को लेकर बनाई गई वार्ड बाउंड्री पर नौ दिनों में अब तक कुल 17 शिकायतें और सुझाव मिल चुके हैं। अब बचे हुए पांच दिन में कितनी शिकायतें आती है यह देखना होगा। वर्ष 2017 में वार्ड पर कुल 613 शिकायतें आईं थीं,जबकि वर्ष 2022 में 236 वार्ड बनाकर की गई वार्ड बाउंड्री पर कुल 892 शिकायतें आईं थीं। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद मनपा चुनाव को लेकर तैयारी शुरू हो गई है। मुंबई मनपा का चुनाव 227 वार्ड में होना निश्चित हो जाने के बाद वार्ड बाउंड्री निश्चित की गई। मनपा द्वारा तैयार की गई वार्ड बाउंड्री राज्य सरकार के नगर विकास को सौंपने के बाद नगर विकास विभाग ने राज्य चुनाव आयुक्त को परिसीमन सौंपी। राज्य चुनाव आयुक्त के निर्देश पर मनपा द्वारा तैयार की गई बाउंड्री

पर राजनीतिक पार्टियों और आम नागरिकों से शिकायत सुझाव लिया जा रहा है। राज्य चुनाव आयोग के निर्देश पर 22 अगस्त से 4 अक्टूबर तक शिकायत सुझाव लिए जायेंगे। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पिछले नौ दिनों के दौरान मनपा द्वारा तैयार की गई वार्ड बाउंड्री पर कुल 17 शिकायतें दर्ज कराई गई हैं,जिनमे एन वार्ड मुलुंड से दो है,जबकि अन्य मुंबई के 24 वार्डों से शिकायतें दर्ज कराई गई हैं। मनपा प्रशासन ने वार्ड बाउंड्री पर शिकायत और सुझाव देने के लिए मनपा मुख्यालय सहित मुंबई भर में फैले मनपा के 24 वार्ड में शिकायत और सुझाव देने की सुविधा नागरिकों को उपलब्ध कराई गई है। मनपा के 2017 में हुए चुनाव के दौरान तैयार की गई वार्ड बाउंड्री पर चुनाव कराया जा रहा है। जिसके चलते वार्ड के बाउंड्री में कोई खास बदलाव नहीं हुआ है। यही कारण है कि इस साल वार्ड बाउंड्री पर कोई बहोत शिकायत और सुझाव आने की उम्मीद कम ही है।

5 से 12 सितंबर होगी शिकायत पर सुनवाई

मनपा द्वारा 227 वार्डो की निश्चित की गई बाउंड्री पर लोगो द्वारा शिकायत और लेने का काम शुरू है। नागरिक और राजनेता 4 सितम्बर तक अपनी शिकायत और सुझाव दे सकेगे। लोगो के आए शिकायत पर 5 सितंबर से 12 सितंबर तक सुनवाई होगी। सुनवाई पूर्व मनपा आयुक्त इकबाल सिंह चहल सुनेंगे और उस पर निपटारा करेंगे।

कपड़ा कारोबार को लेकर दो गुटों में जमकर मारपीट

भिवंडी। शहर के न्यू कनेरी इलाके में कपड़ा कारोबार को लेकर हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। मामला इतना बढ़ गया कि दो गुटों में जमकर मारपीट हुई और दोनों ही पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ भिवंडी शहर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने दोनों गुटों पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, न्यू कनेरी में 'अनमोल सिंथेटिक' नाम से कपड़ा कारोबार करने वाले कन्हैया अग्रवाल पिछले कुछ महीनों से नालापार निवासी अब्दुल शेख की 'यू ए टेक्सटाइल' से कच्चा कपड़ा खरीद रहे थे। बताया गया कि एक खेप में कच्चे कपड़े का वजन कम होने पर पैसों के लेनदेन को लेकर दोनों के बीच विवाद चल रहा था। यह मामला 27 अगस्त को कन्हैया अग्रवाल के ऑफिस में मध्यस्थता के लिए बुलाई गई बैठक में फिर उग्र हो गया। विवाद बढ़ने पर अब्दुल शेख ने अपने परिचित अनिल केसरवानी को बुलाया। अनिल करीब 20-25 लोगों के साथ वहां पहुंचा। उस समय कन्हैया के भतीजे केशव और कुशाग्र भी कार्यालय में मौजूद थे। देखते ही देखते विवाद मारपीट में बदल गया। आरोप है कि अनिल और उसके पांच साथियों ने केशव को गालियां दीं और मुक्कों-लातों से पीटा। वहीं आदित्य और अजित नामक युवकों को भी लाठी-डंडों से घायल किया गया।

ठाणे में 37 अति खतरनाक इमारतें तुरंत खाली करने के आदेश

आयुक्त सौरभ राव ने दी सख्त हिदायत

ठाणे। ठाणे महानगरपालिका आयुक्त सौरभ राव ने विरार में हुई इमारत दुर्घटना की पृष्ठभूमि पर ठाणे क्षेत्र की अतिधोकादायक इमारतों की समीक्षा बैठक में स्पष्ट निर्देश दिए कि शहर की 37 इमारतें तत्काल खाली कराई जाएं और रहिवाशों को लगातार संवाद के माध्यम से समझाकर बाहर निकाला जाए। आयुक्त ने कहा कि ऐसी इमारतों में रहना जीवन पर भारी पड़ सकता है, इसलिए जोखिम उठाने के बजाय तुरंत कदम उठाना जरूरी है। ठाणे महापालिका क्षेत्र में कुल 93

अतिधोकादायक इमारतें दर्ज हैं, जिनमें से 56 पहले ही खाली कराई जा चुकी हैं। शेष 37 इमारतों में अब भी 191 परिवार रह रहे हैं। आयुक्त ने आश्वासन दिया कि इन इमारतों को खाली कराने के बाद उनका ताबा किसी और को नहीं दिया जाएगा, बल्कि वे रहिवाशों के ही नियंत्रण में रहेंगी, जिससे किसी को चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। आयुक्त के दालन में हुई इस महत्वपूर्ण बैठक में अतिरिक्त आयुक्त प्रशांत रोडे, नगररचना सहायक संचालक संग्राम कानडे, उपायुक्त मनीष जोशी, शंकर पाटोले, दिनेश तायडे, सचिन सांगळे सहित सभी प्रभाग समितियों के सहायक आयुक्त और कार्यकारी अभियंता उपस्थित थे। समीक्षा में यह भी तय किया गया कि सभी अतिधोकादायक इमारतों पर चेतावनी बोर्ड फिर से लगाए जाएं, नागरिकों को पत्रक के माध्यम से सतर्क किया जाए और व्हाट्सऐप ग्रुप बनाकर भी जानकारी पहुंचाई जाए। नौपाड़ा-कोपरी प्रभाग में सबसे अधिक 27 अतिधोकादायक इमारतें दर्ज हैं, उथलसर में 7, दिवा में 2 और मुंब्रा में 1 इमारत है। सी-वन वर्गवारी की इमारतों को पूरी तरह खाली करना अनिवार्य है, जबकि सी-टू ए और बी वर्गवारी की इमारतों की मरम्मत बड़े पैमाने पर की जानी चाहिए और उस अवधि में किसी को भी उनमें ठहरने की अनुमति नहीं होगी।

भिवंडी महानगरपालिका में 74 कर्मचारियों का तबादला

भिवंडी। भिवंडी-निजामपुर शहर महानगरपालिका प्रशासन ने शुक्रवार को एक बड़ा फैसला लेते हुए उन कर्मचारियों का तबादला कर दिया है, जो वर्षों से एक ही विभाग में पदस्थ होकर काम कर रहे थे। आयुक्त एवं प्रशासक अनमोल सागर (भा.प्र.से) ने 29 अगस्त को आदेश जारी कर 2017 से पहले से एक ही विभाग में जमे हुए 74 कर्मचारियों को अलग-अलग विभागों में भेजने का निर्णय लिया। आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि सभी कर्मचारियों को तुरंत अपने नए पदस्थ स्थान पर कार्यभार संभालना होगा। महानगर पालिका के लिपिक वर्ग में यह प्रवृत्ति लंबे समय से बनी हुई थी कि कई कर्मचारी सालों से एक ही टेबल या विभाग पर जमे हुए थे। विभाग प्रमुखों का नियमित अंतराल पर तबादला होता रहा, लेकिन उन्हीं विभागों में अधीनस्थ कर्मचारी वर्षों तक टिके रहे। इसका असर यह हुआ कि कामकाज में सांचेबद्धता और ठहराव आ गया। नई सोच और कार्यपद्धति को लागू करने में मुश्किलें सामने आने लगीं। इस स्थिति से नागरिकों, जनप्रतिनिधियों और समाजसेवियों ने भी नाराजगी जताई और शिकायतें सीधे आयुक्त तक पहुंचाईं।

भिवंडी में खाड़ी किनारे मिला महिला का धड़ से अलग सिर

पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया, पहचान व हत्यारों की तलाश में जुटी पुलिस

भिवंडी। शनिवार की सुबह भिवंडी शहर के ईदगाह इलाके में उस समय सनसनी फैल गई,जब खाड़ी के किनारे दलदल में एक अज्ञात महिला का धड़ से अलग हुआ सिर बरामद हुआ। मृतका की उम्र 25 से 28 वर्ष के बीच बताई जा रही है। इस दिल दहला देने वाली घटना की खबर फैलते ही इलाके में दहशत का माहौल बन गया और बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल पर जमा हो गए।

सूचना मिलते ही भोईवाड़ा पुलिस थाने के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अशोक

रत्नपारखी अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने सिर को कब्जे में लेकर पंचनामा किया और फिर उसे पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेज दिया। अधिकारियों ने बताया कि अभी तक मृतका की पहचान नहीं हो पाई है, और पुलिस के सामने यह सबसे बड़ी चुनौती है कि यह सिर आखिरकार किसका है और कहां से बहकर यहां आया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, जिस जगह सिर मिला है, वह दलदल और खाड़ी से सटा हुआ इलाका है। संभावना जताई जा रही है कि महिला की हत्या कहीं और की गई हो और सबूत मिटाने के इरादे से सिर पानी में फेंका गया हो। फिलहाल पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि क्या आसपास के किसी थाने में महिला की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज हुई है।

यातायात नियम तोड़ने वालों पर 12 करोड़ 87 लाख का जुर्माना बकाया

वसई। विरार में ट्रैफिक नियमों को तोड़ने वाले वाहन चालकों से करोड़ों रुपये का जुर्माना वसूलना ट्रैफिक पुलिस के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया है। पिछले 5 सालों में, करीब 2.16 लाख से ज़्यादा वाहन मालिकों पर 12.87 करोड़ रुपये का जुर्माना बकाया है, जिसका भुगतान करने से वे कतरा रहे हैं। नालासोपारा में ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वालों से ई-चालान के जरिए जुर्माना वसूला जाता है, लेकिन हजारों लोग अपने मोबाइल पर आए चालान को नजरअंदाज कर देते हैं। 2021 से जुलाई 2025 तक, वसई और विरार ट्रैफिक पुलिस ने कुल 12 करोड़ 87 लाख 23 हजार 608 रुपये का जुर्माना लगाया है, जिसमें से वसई ट्रैफिक विभाग का बकाया 7.51 करोड़ रुपये है और विरार ट्रैफिक विभाग का बकाया 5.35 करोड़ रुपये है। कुल मिलाकर 2 लाख 16 हजार 778 वाहन मालिकों ने इस बकाया राशि का भुगतान नहीं किया है। वहीं, इसी अवधि में पुलिस ने 3 लाख 42 हजार 255 वाहन चालकों से 15 करोड़ 17 लाख 39 हजार 700 रुपये का जुर्माना वसूल भी किया है। वीआईपी कारों के मालिक भी शामिल जिन लोगों पर जुर्माना बकाया है, उनमें लगभग 3 से 4 हजार वीआईपी कार मालिक भी शामिल हैं, जो लाखों रुपये की महंगी गाड़ियां होने के बावजूद जुर्माने का भुगतान करने से बच रहे हैं।

सरकारी बाल सुधार गृह से छह लड़कियां फरार

उल्हासनगर। उल्हासनगर कस्बे में एक सरकारी बाल सुधार गृह से छह लड़कियां फरार हो गईं, जिसके बाद पुलिस ने तलाश शुरू की और उनमें से दो को बरामद कर लिया। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि बालिकाओं ने बाल सुधार गृह के मुख्य द्वार की चाबी हासिल कर ली और उस समय भाग निकलीं जब प्रवेश द्वार की सुरक्षा के लिए तैनात सुरक्षाकर्मी कथित तौर पर दोपहर के भोजन के लिए गए हुए थे। ये लड़कियां मीरा-भयंदर और मुंबई सहित ठाणे जिले के विभिन्न क्षेत्रों से थीं। लड़कियों के भागने के बाद, हिल लाइन पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया

और पुलिस उपायुक्त सचिन गोरे के नेतृत्व में तलाशी अभियान चलाया गया। उन्होंने बताया कि पुलिस टीमों ने मीरा-भयंदर स्थित उनके घरों से दो लड़कियों को ढूंढ निकाला और उन्हें वापस बाल सुधार गृह लाया गया। उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान लड़कियों ने जांचकर्ताओं को बताया कि वे इस केन्द्र में नहीं रहना चाहतीं। उन्होंने बताया कि शेष चार नाबालिगों का पता लगाने के प्रयास जारी हैं। अधिकारी ने बताया कि किशोर गृह के एक अधिकारी की शिकायत के आधार पर 28 अगस्त को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 137 (1) के तहत अपहरण का मामला दर्ज किया गया है।

नालासोपारा में भीषण सड़क हादसा

बस ने युवक को कुचला, चालक फरार

नालासोपारा। नालासोपारा में शनिवार कों एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहाँ एक तेज रफ्तार निजी बस की चपेट में आने से 22 वर्षीय युवक नीरज कुमार जायसवाल की मौके पर ही मौत हो गई। यह दुर्घटना सुबह करीब 7:30 बजे बिलालपाड़ा नाका पर हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, युवक बिलालपाड़ा तालाब से मुख्य सड़क की ओर आ रहा था, तभी सोपारा फाटा से नालासोपारा स्टेशन जा रही बस ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि नीरज की जान चली गई। हादसे के बाद बस चालक मौके से फरार हो गया, जिससे लोगों में भारी गुस्सा है। पुलिस ने बस जब्त की, आरोपी की तलाश जारी हादसे की जानकारी मिलते ही पेल्हार पुलिस स्टेशन की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने सड़क पर लगे जाम को खुलवाया और मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

ठाणे मनपा चुनाव की सरगर्मी तेज

गणेशोत्सव में उमड़ा राजनीति का जनसंपर्क महापर्व

ठाणे। ठाणे मनपा चुनाव की आहट के बीच गणेशोत्सव नेताओं और संभावित उम्मीदवारों के लिए जनता से जुड़ने का सबसे बड़ा माध्यम बन गया है। पूर्व नगरसेवक और विभिन्न दलों के दावेदार सुबह से देर रात तक घर-घर जाकर गणेश प्रतिमाओं के दर्शन कर रहे हैं। एक दिन में 40 से 50 गणपति प्रतिमाओं के दर्शन करने का यह क्रम नेताओं के लिए अब परंपरा और चुनावी रणनीति दोनों बन गया है। जनसंपर्क की इस मैराथन दौड़ में कई नेता अपने परिवार से तकरीबन दस दिनों से दूर हैं।

नौपाड़ा के भाजपा के एक पदाधिकारी, जो पाँचवीं बार पार्षद चुने जा चुके हैं, रोजाना औसतन 35 से 40 गणेश प्रतिमाओं के दर्शन कर रहे हैं और इस दौरान कार्यकर्ताओं के घर भोजन कर उनसे संवाद भी साध रहे हैं। शिंदे सेना के टेंभी नाका क्षेत्र के चार बार के पूर्व पार्षद पहले दिन वार्ड में गणेश दर्शन करते-करते रात दो बजे तक सक्रिय रहे। वहीं महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के उम्मीदवार पहले से ही रणनीति बनाकर वर्तकनगर में अपने संपर्क को मजबूत कर रहे हैं। गणेशोत्सव का यह दौर नेताओं के लिए मतदाताओं की नब्ज़ टटोलने का भी अवसर बन गया है। भाजपा के पूर्व नगराध्यक्ष संजय वाघुले के अनुसार, "लालबाग से ही गणेश दर्शन शुरू कर वार्ड के भीतर और बाहर लगातार संपर्क में रहना एक अनोखा अनुभव है। हड़बड़ी भले हो, लेकिन यह जनसंपर्क का अवसर है।" उद्धव सेना के विभाग प्रमुख प्रशांत सातपुते का कहना है कि "गणेश दर्शन से जनता की समस्याओं की जानकारी मिलती है और उनके विचारों को समझने का अवसर मिलता है।"

शिंदे सेना के सुधीर कोकाटे बताते हैं कि "शाम से सुबह तक 40 से 45 स्थानों पर गणेश दर्शन होते हैं, जिससे समाज सेवा का अवसर भी मिलता है।" वहीं मनसे विद्यार्थी सेना के महासचिव संदीप पाचंगे मानते हैं कि "इस समय कार्यकर्ताओं और मतदाताओं से बातचीत का बेहतरीन अवसर मिलता है, जिससे रिश्ते और विश्वास मजबूत होते हैं।"

महिला सिपाही ने की बदलापुर में आत्महत्या

ठाणे। ठाणे पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा से जुड़ी 36 वर्षीय एक महिला कांस्टेबल ने एक आवासीय परिसर की तीसरी मंजिल से कूदकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह घटना शुक्रवार रात बदलापुर में हुई। बदलापुर पश्चिम थाने के वरिष्ठ निरीक्षक किशोर शिंदे ने बताया, "महिला सिपाही को अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। कोई

सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है। हमने आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज किया है।" अधिकारी ने बताया कि महिला सहजीवी संबंधों में रह रही थी और मामले से जुड़े सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

चलती ट्रेन से फिसले यात्री की जान बचाकर RPSF जवान और वेंडर बने हीरो

महानगर संवाददाता

ठाणे

रत्नागिरी रेलवे स्टेशन पर शनिवार सुबह बड़ा हादसा टल गया, जब ट्रेन क्रमांक 01167 प्लेटफार्म नंबर 1 पर सुबह करीब 6:41 बजे आ रही थी। इसी दौरान एक यात्री चलती ट्रेन से उतरने की कोशिश में फिसल गया और पटरियों की ओर गिर पड़ा। स्थिति बेहद गंभीर थी, लेकिन मौके पर गणेशोत्सव बंदोबस्त के लिए तैनात RPSF के आरक्षक रणजीत सिंह और महेंद्र पाल ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए तुरंत दौड़कर यात्री को पकड़ लिया। इसी बीच स्टेशन के चाय स्टॉल पर मौजूद वेंडर वीर सिंह भी मदद के लिए आगे आए और तीनों ने मिलकर यात्री को ट्रेन और प्लेटफार्म के बीच की खाई में

गिरने से बचाते हुए खींचकर सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

गिरे हुए यात्री की पहचान दानिश रफीक हवलदार (उम्र 34 वर्ष, निवासी घोलपा, रत्नागिरी) के रूप में हुई है। हादसे में घायल दानिश को प्राथमिक उपचार देने के बाद आगे के इलाज के लिए जिला अस्पताल, रत्नागिरी में भर्ती कराया गया। इस साहसिक और मानवीय कार्य के लिए कोंकण रेलवे के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक संतोष कुमार झा ने आरक्षक रणजीत सिंह, महेंद्र पाल और वीर सिंह को पाँच-पाँच हज़ार रुपये का नगद पुरस्कार देने की घोषणा की। "ऑपरेशन जीवनरक्षक" के अंतर्गत हुई इस घटना ने साबित कर दिया कि सजगता और तत्परता से एक अनमोल जीवन बचाया जा सकता है।

नौ साल से फरार धोखाधड़ी का आरोपी गिरफ्तार

काशिमीरा। कैथोलिक सीरियन बैंक लिमिटेड की भायंदर (पश्चिम) शाखा में धोखाधड़ी करने के एक मामले में नौ साल से फरार चल रहे एक आरोपी को मीरा - भायंदर , वसई - विरार पुलिस की अपराध शाखा, कक्ष-1 ने गिरफ्तार किया है। आरोपी ने बैंक के साथ 75 लाख रुपए से अधिक की धोखाधड़ी की थी और गिरफ्तारी से बचने के लिए अपना नाम बदल लिया था।

पेज1 का शेष

जरांगे का आंदोलन जारी

अब समय आ गया है कि पैनल अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करे, ताकि मराठों को कुनबी का दर्जा मिल सके। जरांगे अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) श्रेणी के तहत मराठों के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण की मांग कर रहे हैं। उन्होंने मांग की है कि मराठों को कुनबी के रूप में मान्यता दी जाए। कुनबी एक कृषि प्रधान जाति, जो ओबीसी श्रेणी में शामिल है, जिससे वे सरकारी नौकरियों और शिक्षा में आरक्षण के पात्र बनेंगे। जारंगे ने कहा, 'मराठवाड़ा में मराठों को कुनबी घोषित किया जाना चाहिए। उन्हें आरक्षण दिया जाना चाहिए। इसके लिए हैदराबाद और सतारा राजपत्रों को कानून बनाया जाना चाहिए। जवाब में सेवानिवृत्त न्यायाधीश शिंदे ने कहा कि उन्हें ऐसी रिपोर्ट देने का अधिकार नहीं है। शिंदे ने कहा कि यह पिछड़ा वर्ग आयोग का काम है। उन्होंने आगे कहा, 'जाति प्रमाण पत्र व्यक्तियों को दिया जाता है, पूरे समुदाय को नहीं।'

पश्चिम रेलवे द्वारा मुंबई सेंट्रल एवं इंदौर के बीच स्पेशल ट्रेन के फेरे विस्तारित

महानगर संवाददाता

मुंबई

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा विशेष रूप से त्योहारी सीज़न के दौरान उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से मुंबई सेंट्रल एवं इंदौर के बीच विशेष किराये पर चलने वाली स्पेशल ट्रेन के फेरों को मौजूदा समय, ठहराव और संरचना के अनुसार विस्तारित किया गया है। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस ट्रेन का विवरण इस प्रकार है।

ट्रेन संख्या 09085/09086 मुंबई सेंट्रल - इंदौर (त्रि - साप्ताहिक) स्पेशल [12 फेरे]

ट्रेन संख्या 09085 मुंबई सेंट्रल -

इंदौर स्पेशल ट्रेन प्रत्येक सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को मुंबई सेंट्रल से 23.20 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 13.00 बजे इंदौर पहुँचेगी। इस ट्रेन के फेरों को 1 से 12 सितंबर, 2025 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09086 इंदौर -मुंबई सेंट्रल स्पेशल ट्रेन इंदौर से प्रत्येक मंगलवार, गुरुवार और शनिवार को 17.00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 07.10 बजे मुंबई सेंट्रल पहुंचेगी। इस ट्रेन के फेरों को 2 से 13 सितंबर, 2025 तक विस्तारित किया गया है। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, वापी, सूरत, वडोदरा, दाहोद, रतलाम और उज्जैन स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में फर्स्ट एसी, एसी 2-टियर और एसी 3-टियर कोच हैं।

मुंबई में गृह मंत्री अमित शाह ने भाजपा नेताओं संग की बैठक

महानगर संवाददाता
मुंबई

गणेश उत्सव कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए मुंबई पहुंचे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शनिवार को राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के आवास गए और बाद में उन्होंने अपने परिजन के साथ प्रसिद्ध लालबागचा राजा गणपति के दर्शन किए । शाह ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं के साथ बैठक की। शाह शुक्रवार रात शहर पहुंचे थे। शाह ने शनिवार सुबह दक्षिण मुंबई स्थित राज्य सरकार के 'सह्याद्री' अतिथि गृह में शिंदे से मुलाकात की। उन्होंने 'सह्याद्री' में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के संयुक्त महासचिव अतुल लिमये, भाजपा की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण और

नवनियुक्त मुंबई भाजपा प्रमुख अमित साटम से भी बातचीत की। पार्टी सूत्रों ने बताया कि बाद में शाह मुख्यमंत्री फडणवीस के आधिकारिक आवास 'वर्षा' गए। इसके बाद शाह गणेश चतुर्थी संबंधी अपनी वार्षिक परंपरा का पालन करते हुए अपने परिवार के साथ प्रसिद्ध लालबागचा राजा गणेश मंडल गए। मुख्यमंत्री फडणवीस और उपमुख्यमंत्री शिंदे भी उनके साथ थे। शाह बांद्रा पश्चिम और अंधेरी पूर्व में दो अन्य पंडालों में भी दर्शन करेंगे। पार्टी सूत्रों ने बताया कि शाह के शहर पहुंचने के बाद, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावडे ने शुक्रवार रात यहां 'सह्याद्री' में शाह से मुलाकात की। उन्होंने आगामी उपराष्ट्रपति चुनाव, बिहार विधानसभा चुनाव एवं संगठनात्मक मामलों पर चर्चा की।

शाह के विमान में आई तकनीकी खामी, डिप्टी सीएम शिंदे के प्लेन से भरी उड़ान

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के विमान में शनिवार को अचानक तकनीकी खामी आ गई। ये घटना उस वक्त हुई जब गृह मंत्री शाह अपना दो दिवसीय मुंबई दौरा पूरा करके गुजरात रवाना होने वाले थे। सूत्रों का कहना है कि जैसे ही विमान में तकनीकी खामी की सूचना मिली, महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे तुरंत आगे आए और अपना विमान गृह मंत्री और उनके परिवार को मुहैया कराया। शिंदे के विमान से शाह गुजरात के लिए रवाना हो गए।

विनोद तावडे और अमित शाह की मुलाकात

अपने दो दिवसीय दौरे के दौरान गृह मंत्री अमित शाह से बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावडे ने सह्याद्री गेस्ट हाउस में मुलाकात की। दोनों नेताओं की इस मुलाकात को लेकर माना जा रहा है कि इस दौरान आगामी उपराष्ट्रपति चुनाव, बिहार विधानसभा चुनाव और संगठनात्मक मामलों पर चर्चा हुई।

मराठा आंदोलन के दौरान हार्ट अटैक से एक और आंदोलक की हुई मौत

मुंबई। आजाद मैदान में चल रहे मराठा आरक्षण आंदोलन के दौरान एक और कार्यकर्ता की मौत हो गई है। लातूर जिले के अहमदपुर तालुका के टाकलगांव निवासी विजय घोगरे नामक युवक को आंदोलन में शामिल रहते हुए दिल का दौरा पड़ा,जिसके बाद उन्हें तुरंत जे.जे.अस्पताल ले जाया गया। लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस घटना से आंदोलनकारियों में शोक की लहर दौड़ गई है। राजधानी मुंबई में मनोज जरांगे पाटिल के नेतृत्व में मराठा समाज का आरक्षण आंदोलन जारी है। जरांगे पाटिल ने स्पष्ट किया है कि मराठा समाज को ओबीसी वर्ग से आरक्षण मिलने तक यह आंदोलन वापस नहीं लिया जाएगा।इससे पहले भी जुन्नर के पास एक मराठा आंदोलनकारी सतीश देशमुख की मौत दिल का दौरा पड़ने से हुई थी।

जरांगे के प्रदर्शन को मिला नेताओं का साथ

उद्धव ठाकरे ने की बात, राज ने शिंदे पर साधा निशाना

महानगर संवाददाता
मुंबई

मनोज जरांगे मराठा समुदाय को ओबीसी वर्ग से आरक्षण दिलाने की मांग को लेकर मुंबई के आजाद मैदान में आमरण अनशन पर बैठे हैं। मराठा समाज आंदोलन के लिए आंदोलन समिति ने मुंबई पुलिस को अनुमति पत्र लिखा था। पत्र के बाद पुलिस ने यह अनुमति दे दी। इसके साथ ही मनोज जरांगे पाटिल को कल के दिन भी अनशन जारी रखने की अनुमति मिल गई है। दूसरी ओर,सरकार फिलहाल उनकी भूख हड़ताल का हल निकालने की कोशिश कर रही है। हालांकि, जरांगे पीछे हटने को तैयार नहीं हैं। इस बीच, उद्धव ठाकरे ने मनोज जरांगे से फोन पर बात की है। दूसरी ओर, मनसे के नेता राज ठाकरे ने जरांगे के आंदोलन को लेकर एकनाथ शिंदे पर निशाना साधा है। जरांगे के लिए समर्थन दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है। कई विधायकों और सांसदों ने उनसे मुलाकात कर एक तरह से जरांगे की मांग के प्रति अपना समर्थन जताया है। विपक्ष ने भी इसी मुद्दे को लपककर सत्ता पक्ष को घेरने की कोशिश शुरू कर दी है।

उद्धव ठाकरे ने जरांगे से फोन पर की बात

पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने अब मनोज जारंगे से फोन पर बात की है। शिवसेना (ठाकरे गुट) के पार्टी नेता अंबादास दानवे ने जारंगे से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान दानवे ने उद्धव ठाकरे को फोन किया और उनकी जारंगे से बात करवाई। जारंगे ने ठाकरे से फोन पर हुई चर्चा की जानकारी दी है। जारंगे ने बताया कि उद्धव ठाकरे इतनी बड़ी संख्या में मराठा समुदाय के लोगों को मुंबई आते देख हैरान हैं। मनोज जारंगे ने यह भी कहा कि ठाकरे ने राय व्यक्त की है कि सरकार को आपकी मांगों पर विचार करना चाहिए। इसलिए, उद्धव ठाकरे ने भी मनोज जारंगे के आंदोलन का समर्थन किया है।

शरद पवार ने मराठा आरक्षण की मांग का किया समर्थन

मराठा आरक्षण पर शरद पवार ने कहा कि तमिलनाडु जैसे राज्य में 72% आरक्षण दिया गया है और वह न्यायालय में भी टिक गया है, इसलिए केंद्र सरकार को इस विषय पर निर्णय लेना चाहिए। जरूरत पड़ी तो संविधान में संशोधन कर संसद में निर्णय लेना होगा, पवार ने कहा कि आरक्षण की संकल्पना महाराष्ट्र के लिए नई नहीं है। राजर्षि शाहू महाराज ने पिछड़े समाज की प्रगति के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण दिया था। वर्तमान में मराठा बनाम ओबीसी ऐसी चर्चा शुरू हो गई है, दोनों ही समाजों में बहुत कठिनाइयां हैं, पिछड़ापन है। कष्ट सहने वाले इस बड़े वर्ग की प्रगति के लिए आरक्षण आवश्यक है।"

राज ठाकरे ने शिंदे पर साधा निशाना

मराठा आंदोलन पर राज ठाकरे की पहली प्रतिक्रिया आई है। राज ठाकरे शनिवार को ठाणे शहर के सीकेपी हॉल में पदाधिकारियों से मिलने के लिए आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल हुए और मनसे पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं से बातचीत की। राज ठाकरे ने मीडिया के सवाल के जवाब में कहा, "आपके और लोगों के मन में जो सवाल हैं, उनका जवाब सिर्फ एक ही व्यक्ति दे सकता है। इन सभी घटनाक्रमों पर प्रतिक्रिया सिर्फ उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ही दे सकते हैं।" मराठा बनाम ओबीसी आरक्षण विवाद को आप कैसे देखते हैं? यह पूछे जाने पर राज ठाकरे ने कहा, "मैं इसका जवाब नहीं दे पाऊंगा। जब एकनाथ शिंदे आपके सामने आएं, तो आप उनसे पूछिए।

संजय राउत ने कसा तंज

दूसरी ओर, शिव सेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मुंबई दौरे पर तंज कसा है। उन्होंने लिखा कि गृह मंत्री अमित शाह ने अपने मुंबई दौरे के दौरान कई जगहों पर गणेश उत्सवों में शिरकत की, लेकिन लाखों मराठी भाई अपनी मांगों को लेकर सड़कों पर प्रदर्शन कर रहे हैं। अगर गृह मंत्री पांडुरंग के इस सार्वजनिक अवतार से मिलने जाते, तो अच्छा होता, लेकिन वे नहीं गए।

मनपा चुनाव में राकांपा दे सकती है सहयोगी दल को झटका

अजित पवार ने अलग चुनाव लड़ने का दिया संकेत

महानगर संवाददाता
मुंबई

साल के अंतिम महीने में मुंबई मनपा और स्थानीय चुनाव होने की संभावना है। राज्य की सत्तारूढ़ और विरोधी दल चुनाव की तैयारी में जोर- शोर से जुट गई है। विधानसभा की तर्ज पर मनपा चुनाव भी महायुति मिलकर लड़ेगी। इस बीच राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी मनपा चुनाव अपने सहयोगी दल को झटका देने की तैयारी कर रही है। पुणे मनपा और स्थानीय निकाय चुनाव में अलग लड़ने का संकेत दिया है। शनिवार को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के सर्वेसर्वा और उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने चुनाव की तैयारियों को लेकर पार्टी के पूर्व नगरसेवकों और पदाधिकारियो की बैठक बुलाई। इस बैठक में अजित पवार ने पुणे मनपा स्वतंत्र लड़ने का संकेत देते हुए चुनाव की तैयारी में लग जाने का निर्देश दिया। पवार ने पदाधिकारियों से स्पष्ट कहा कि मनपा और स्थानीय चुनाव में महायुति होगी इस पर चर्चा करने की बजाय हमें

सभी वार्ड की तैयारी में लग जाना है। बता दें कि सभी पार्टियों के लिए मुंबई मनपा जितना महत्वपूर्ण उससे अधिक अजित पवार और उनकी पार्टी के लिए पुणे मनपा महत्वपूर्ण है। पुणे मनपा पवार के लिए प्रतिष्ठा का विषय है। इसलिए उन्होंने इस चुनाव को जीतने के लिए अभी से तैयारी शुरू कर दी है। वे लगातार पदाधिकारियों के साथ बैठक कर रहे हैं और निर्देश दे रहे हैं। अजित पवार द्वारा अपने कार्यकर्ताओं और पदाधिकारी सभी सीटों पर तैयारी करने का निर्देश दिया है। इसलिए कहा जा रहा है कि कार्यकर्ता अजित पवार के अकेले चुनाव लड़ने के लिए तैयार रहने के लिए कहा है।

सरकार ने बढ़ायी वंशावली समिति की अवधि

30 जून 2026 तक बढ़ाई गई समय सीमा

महानगर संवाददाता
मुंबई

मराठा आरक्षण की मांग को लेकर पिछले दो दिन से मनोज जरांगे पाटिल अनशन पर बैठे हैं,इस बीच शनिवार को पात्र मराठा समाज को कुनबी जाति प्रमाण पत्र जारी करने की अवधि की सरकार ने बढ़ा दिया है। जाति वैधता प्रमाण पत्र जारी करने के लिए तालुका स्तर पर तहसीलदार की अध्यक्षता में गठित वंशावली समिति की समय सीमा को 30 जून, 2026 तक बढ़ा दिया गया है। सामाजिक न्याय मंत्री संजय शिरसाट ने यह जानकारी दी है। शिरसाट ने बताया कि पात्र मराठा व्यक्ति को कुनबी जाति का प्रमाण पत्र देने के लिए सामाजिक न्याय विभाग के 25 जनवरी, 2024 एक समिति का गठन किया था। इस समिति का कार्यकाल पहले 30 जून, 2025 तक बढ़ाया गया

था। उसके बाद,आरक्षण को लेकर पूर्व न्यायाधीश शिंदे की अध्यक्षता वाली उच्च स्तरीय समिति का कार्यकाल 31 दिसंबर तक बढ़ा दिया गया था. सरकार ने उच्च स्तरीय समिति के विस्तार की तुलना में तालुका स्तरीय वंशावली समिति को कम से कम छह महीने का अतिरिक्त समय देने पर विचार किया था। अब इस समिति का कार्यकाल 30 जून, 2026 तक बढ़ा दिया है।

ओबीसी महासंघ ने ओबीसी श्रेणी में मराठा आरक्षण के खिलाफ शुरू की क्रमिक भूख हड़ताल

मुंबई। राष्ट्रीय ओबीसी महासंघ ने मौजूदा ओबीसी कोटे से मराठा समुदाय को आरक्षण देने की मांग के विरोध में नागपुर के संविधान चौक पर क्रमिक भूख हड़ताल शुरू की। महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. बबनराव तायवाड़े के नेतृत्व में हुए इस आंदोलन में बड़ी संख्या में ओबीसी कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। यह विरोध प्रदर्शन सामाजिक कार्यकर्ता मनोज जारंगे के मुंबई में चल रहे आंदोलन की पृष्ठभूमि में हुआ है जहां मराठा समुदाय को ओबीसी कोटा का लाभ देने की मांग उठाई गई। डॉ.तायवाड़े ने स्पष्ट किया कि ओबीसी महासंघ मराठों को आरक्षण देने के विरुद्ध नहीं है लेकिन ओबीसी अधिकारों की कीमत पर ऐसे किसी भी कदम का कड़ा विरोध करता है। उन्होंने कहा, "ओबीसी ने अपना उचित हिस्सा पाने के लिए दशकों तक संघर्ष किया है। हमारे आरक्षण को कम करने के किसी भी प्रयास का कड़ा विरोध किया जाएगा।"

बुजुर्ग महिला के साथ 1.31 करोड़ की ठगी

मुंबई। मुलुंड में एक बुजुर्ग विधवा महिला व उसके परिवार के साथ नामी बिल्डर द्वारा करोड़ों की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। मॉरीगोल्ड कंस्ट्रक्शन के पार्टनर्स ने सोची समझी साजिश के तहत घर देने के नाम करीब 1.31 करोड़ 43 हजार की ठगी की है। मुलुंड पश्चिम पुलिस थाने में दर्ज एफआईआर (क्रमांक 0788/2025) के अनुसार,शिकायतकर्ता नारायण अईयर ने मॉरीगोल्ड कंस्ट्रक्शन और उसके पार्टनर पर करोड़ों रुपए की ठगी का आरोप लगाया है। शिकायत के मुताबिक, बिल्डर को रुपए मिलने के बाद फ्लैट का अलाटमेंट लेटर जारी किया। उसके बाद विधवा और उनके परिवार के लोगों द्वारा कई चक्कर लगाने के बाद भी बिल्डर एग्रीमेंट रजिस्टर नहीं किया । बिल्डर हर बार बहनेबाज़ी करके विधवा व उनके परिवार के लोगो को परेशान कर ठगी किया । रकम लेने के बावजूद भी अबतक पीड़िता को फ्लैट नहीं दिया गया। आरोप है कि मॉरीगोल्ड कंस्ट्रकशन ने योजनाबद्ध तरीके से

धोखाधड़ी की । एफआईआर में यह भी उल्लेख है कि जब शिकायतकर्ता ने अपनी रकम वापस मांगनी चाही, तो आरोपियों ने अलग-अलग बहाने बनाकर भुगतान से बचने की कोशिश की। इससे पीड़िता को भारी आर्थिक व मानसिक नुकसान उठाना पड़ा। पीड़िता पूरी जिंदगी भर की गाढ़ी कमाई खोने के चलते डिप्रेशन है जिससे उसकी शारीरिक स्थिति नाजुक हो गई है । पुलिस ने इस मामले में भारतीय दंड संहिता की धारा 420 (धोखाधड़ी) और धारा 34 (सामूहिक आपराधिक षड्यंत्र) के तहत मॉरीगोल्ड कंस्ट्रकशन के। पार्टनर भरत प्रजापति और भाविन सेठ के ख़िलाफ़ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मुंबई - विजयदुर्ग रो- रो सेवा में हो सकती है देरी

मुंबई। महाराष्ट्र मैरीटाइम बोर्ड ने मुंबई से विजयदुर्ग और सिंधुदुर्ग के बीच रो-रो सेवा शुरू करने का फैसला किया है। इससे मुंबई से रत्नागिरी तीन घंटे में और मुंबई से सिंधुदुर्ग पांच घंटे में पहुंच जाएगा। यह सेवा गणेशोत्सव से पहले शुरू होनी थी। हालांकि,यह समय निकल गया और मैरीटाइम बोर्ड ने 1 सितंबर से सेवा शुरू करने की योजना बनाई थी। हालांकि, अब 1 सितंबर का यह समय भी निकल गया है। मौसम परिवर्तन के कारण रो-रो नाव का परीक्षण संभव नहीं है,इसलिए परीक्षण में देरी हो गई है। मुंबई-गोवा राजमार्ग के निर्माण कार्य में कई वर्षों से हो रही देरी के कारण, मुंबई से कोंकण तक सड़क मार्ग से यात्रा करने वालों को कड़ी मेहनत करनी पड़ रही है। वहीं, रेल और राज्य परिवहन निगम (एसटी) से यात्रा में भी 10 से 14 घंटे लगते हैं। इससे गणेशोत्सव के दौरान मुंबई से कोंकण जाने वालों को काफी असुविधा होती है। इसलिए, मुंबई से कोंकण की यात्रा को तेज़ और आसान बनाने के लिए मुंबई से विजयदुर्ग तक रो-रो सेवा शुरू करने का निर्णय लिया गया। इसके लिए विजयदुर्ग स्थित यात्री घाट को रो-रो घाट में बदलने समेत अन्य कार्य किए गए। मैरीटाइम बोर्ड ने 20 अगस्त तक ये कार्य पूरे करने, फिर रो-रो नाव का परीक्षण करने और 25 अगस्त तक रो-रो सेवा शुरू करने की योजना बनाई थी।

मराठा आरक्षण : मुंबई में भीषण जाम,रेंगती नजर आई गाड़ियां

महानगर संवाददाता
मुंबई

मराठा आरक्षण की मांग को लेकर मनोज जरांगे पाटील का अनशन शनिवार (30 अगस्त) को दूसरे दिन भी जारी है। आरक्षण की मांग को लेकर विरोध-प्रदर्शन किए जा रहे हैं. इस बीच शहर में कई जगहों पर भीषण ट्रैफिक जाम लगा हुआ है। छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (CSMT) के पास ट्रैफिक की रफ्तार थम गई।

हजारों की संख्या में प्रदर्शनकारी मुंबई के आजाद मैदान में इकट्ठा हुए हैं। ऐसे में मुंबई में कई जगहों पर यातायात बाधित है,कुछ जगहों पर गाड़ियां रेंगती हुई नजर आ रही हैं। आजाद मैदान से कुछ ही दूरी पर स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस के पास भयंकर जाम होने से यात्रियों को

दिक्कत हो रही है। वहीं,जाम की स्थिति से निपटने के लिए पुलिस कर्मचारियों को काफी मशक्कत करनी पड़ रही है।

मनोज जरांगे के अनशन में हजारों कार्यकर्ता शामिल

दक्षिण मुंबई के आजाद मैदान में शुक्रवार (29 अगस्त) से मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे के अनशन में शामिल होने के लिए हजारों कार्यकर्ता लोकल ट्रेन और अन्य गाड़ियों से छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस पहुंचे हैं। सुबह से ही सीएसएमटी पर मराठा प्रदर्शनकारी नारेबाजी करते हुए पास में स्थित आंदोलन स्थल की ओर बढ़ते हुए दिखे।

सभी पुलिसकर्मियों की छुट्टियां रद्द : रिपोर्ट के मुताबिक कानून-व्यवस्था बनाए रखने और अप्रिय घटनाओं को रोकने के लिए पुलिस के अलावा केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (CRPF), केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल और रैपिड एक्शन फोर्स के जवानों की भारी तैनाती की गई है। यहां 2,000 से अधिक कर्मियों को तैनात किया गया है। इसके साथ ही शहर कानून-व्यवस्था मेंटेन करने लिए सभी पुलिसकर्मियों की छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं। कुछ पुलिस कर्मी जो छुट्टी पर हैं,उन्हें जल्द से जल्द ड्यूटी पर लौटने को कहा गया है। गौरतलब है कि मनोज जरांगे मराठों को अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC) कैटेगरी के तहत 10 फीसदी आरक्षण देने की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि सभी मराठों को ओबीसी के तहत आने वाली कृषि प्रधान जाति कुनबी के रूप में मान्यता मिले।

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given to the public at large, on behalf of my client **SMT. SAKINA REHAMATULLA MEMON,** aged about 83 years, Indian Inhabitant of Mumbai, residing at Sakina Cottage, S.V. Road, Opposite Trimurti Studio, Dahisar (East), Mumbai-400068, Maharashtra (hereinafter referred to as the **"Owner/Occupier"**), as under :

1. That my client has the following legal heirs as per the law of succession :
a. **Mr. Usman Rahimtulla Memon** (Son - since deceased, represented through his legal heirs),
b. **Mrs. Hoorbano Ahmed Juneja** (Married Daughter),
c. **Mrs. Sherbano Noor Mohammed Shaikh** (Married Daughter).
2. That out of the above, only her grand children **Mr. Altamash Usman Memon** and **Mr. Sahil Usman Memon** (sons of Late Mr. Usman Rahimtulla Memon) are diligently taking care of my client and providing her with all basic amenities of life including food, medicines, healthcare, and personal care.
3. That the other children of my client have abandoned her, failed and neglected to maintain her, and have even subjected her to acts of cruelty, assault, and harassment with the ulterior motive of usurping her properties.
4. Therefore, my client, **out of her own free will and without any coercion or undue influence,** hereby **renounces, severs, and disinherits** her said daughters and their legal heirs from all her movable and immovable properties, estate, and assets. They shall not claim or have any manner of right, title, interest, or share in her estate during her lifetime or after her demise.
5. My client further declares that henceforth, only her said grand children **Mr. Altamash Usman Memon** and **Mr. Sahil Usman Memon** shall be recognized, treated, and considered as her legal heirs and beneficiaries to her estate and properties, to the absolute exclusion of all others.
6. To safeguard the rights and interest of her said grand children, my client has already executed a **Gift Deed** in their favour, handed over possession of the relevant properties, and further executed a **Will** in their favour, confirming that they shall exclusively inherit her estate.
7. **Non-Contest Clause :** It is further declared that if any person, including the aforesaid disowned children or their heirs, attempts to dispute, contest, or challenge this declaration, the Gift Deed, or the Will executed by my client, such person shall stand automatically and permanently debarred from claiming any share, right, or interest in the estate of my client.

This notice is issued to inform the general public, relatives, authorities, and all concerned not to deal with or entertain any claim from the said disowned children or their representatives, as they have no rights whatsoever in the estate of my client.

Issued at **Mumbai** on this **31st** day of **August, 2025.**

For M/s. Legal Vision
Advocate High Court Bombay
Adv. Lacminarayan Shukla
SMT. SAKINA REHAMATULLA MEMON
(ADHAR No. 4388 9345 8252,)
Advocate

विषय :- पालखेड उजवा तट कालवा लाभक्षेत्रातील एकुण 13 पाणी वापर संस्थेचा निवडणुक कार्यक्रम सादर करणेबाबत....

अ.क्र.	प्रकल्पाचे नाव	पाणी वापर संस्थेचे नाव	सी.सी.ए. (हे)
1	पालखेड मोठा प्रकल्प ता. दिंडोरी जि. नाशिक	कादवा पाणी वापर संस्था (आऊटलेट क्रं. 1 ते 9), खडक सुकेणे ता. दिंडोरी जि. नाशिक	234.34
2		सरस्वती पाणी वापर संस्था, कुर्णोली ता. दिंडोरी जि. नाशिक	198.00
3		स्व. रावसाहेब कदम पाणी वापर संस्था (आऊटलेट क्रं. 15 ते 16), साकोरे ता. दिंडोरी जि. नाशिक	309.39
4		तात्यासाहेब बोरस्ते पाणी वापर संस्था (विमोचक क्रं. 17 ते 24), साकोरे ता. निफाड जि. नाशिक	460.54
5		भाग्यलक्ष्मी पाणी वापर संस्था (वितरिका क्र.39 ते 41), शिरसगाव ता. निफाड जि. नाशिक	386.72
6		जय जनार्दन पाणी वापर संस्था (विमोचक क्रं.25 ते 28), कोकणगाव ता. निफाड जि. नाशिक	370.19
7		जय किसान पाणी वापर संस्था (विमोचक क्रं. 01 ते 14), ओझर ता. निफाड जि. नाशिक	370.19
8		जय बजरंग पाणी वापर संस्था (विमोचक क्रं.30 ते 38), कोकणगाव ता. निफाड जि. नाशिक	566.90
9		दिक्षेश्वर पाणी वापर संस्था (ओझर फाटी लघुपाट क्रं. 01 ते 14), दिक्षी ता. निफाड जि. नाशिक	351.36
10		श्रीराम पाणी वापर संस्था (पालखेड उजवा तट कालवा अंतर्गत वडाळी कालवा विमोचक क्रं. 18 ते 26), पिंप्री ता. निफाड जि. नाशिक	357.02
11		रमेश आण्णा पाणी वापर संस्था (पालखेड उजवा तट कालवा अंतर्गत वडाळी कालवा विमोचक क्रं.08 ते 17), पिंप्री ता. निफाड जि. नाशिक	288.59
12		अहिल्यादेवी पाणी वापर संस्था, (पालखेड उजवा तट कालवा वितरिका क्रं.2, विमोचक क्रं. 1 ते 12 व वडाळी कालवा विमोचक क्रं. 1 ते 7) वडाळी नजीक ता. निफाड जि. नाशिक	428.77
13		वरुणराज पाणी वापर संस्था (पालखेड उजवा तट कालवा विमोचक क्रं. 43 अंतर्गत वॉटर कोर्स - 1, 2 व 3), कसबे सुकेणे, ता. निफाड जि. नाशिक	193.91

निवडणूक कार्यक्रमाची नोटीस

(महाराष्ट्र सिंचन पध्दतीचे शेतक-यांकडुन व्यवस्थापन अधिनियम 2005 प्रकरण क्र.2 कलम 15 अन्वये)

नाशिक पाटबंधारे विभाग, नाशिक अंतर्गत पालखेड या प्रकल्पावरील लघु स्तरीय एकुण 13 पाणी वापर संस्थांच्या संचालक निवडणूकीचा कार्यक्रम

500 हेक्टर पेक्षा कमी क्षेत्राकरीता	500 हेक्टर पेक्षा जास्त क्षेत्राकरीता	प्रभाग
भाग - (1) सुरवातीचा भाग	3 संचालक (2) पुरुष + 1 महिला)	4 संचालक (3) पुरुष + 1 महिला)
भाग - (2) मधला भाग	3 संचालक (2) पुरुष + 1 महिला)	4 संचालक (3 पुरुष + 1 महिला)
भाग - (3) शेवटचा भाग	3 संचालक (2 पुरुष + 1 महिला)	4 संचालक (3 पुरुष + 1 महिला)

याप्रमाणे संचालक पदासाठी निवडणूकांच्या नामनिर्देशनासाठी शासनाने विहित केलेल्या नमुन्यात अर्ज मागवित आहे. नामनिर्देशन पत्र उपविभागीय अभियंता, नाशिक डावा तट कालवा उपविभाग, नाशिक तसेच त्यांचे अंतर्गत सिंचन शाखा, ओझर कार्यालयात उपलब्ध आहे.

निवडणूकीचा कार्यक्रम खालीलप्रमाणे आहे.

1) मतदार यादी तयार करणे	01.09.2025 ते 10.09.2025
2) आक्षेप मागवण्याच्या नोटीशीसह मतदार यादी प्रसिध्द करणे	11.09.2025
3) आक्षेप स्विकारणे	12.09.2025 ते 14.09.2025
4) प्रतिपादने निकालात काढणे	15.09.2025 ते 29.09.2025
5) प्रारुप मतदार यादी प्रसिध्द करणे	30.09.2025 ते 06.10.2025
6) प्रारुप मतदार यादीवर अपील करण्याचा कालावधी	07.10.2025 ते 13.10.2025
7) अपील अधिका-याचा निर्णय	14.10.2025 ते 16.10.2025
8) अंतिम मतदार यादी प्रसिध्द करणे	19.10.2025
9) निवडणूकीची नोटीस	20.10.2025
10) ----------- दिनांकापर्यंत नामनिर्देशन फॉर्म स्विकारणे	26.10.2025
11) नामनिर्देशन पत्र छाननी आणि वैध नामनिर्देशन पत्रे प्रसिध्द करणे	27.10.2025
12) नामनिर्देशन मागे घेणे	28.10.2025 ते 31.10.2025
13) निवडणूक लढविणा-या उमेदवारांसाठी चिन्हासह यादी प्रसिध्द करणे.	01.11.2025
14) अ) निवडणूक अधिका-यानी निवडणूकीची तयारी करणे (मतपत्रिका छापणे इ.) ब) निवडणूकीसाठी प्रचार करणे यांच्याकरीता असलेला कालावधी	02.11.2025 ते 11.11.2025
15) निवडणूका (मतदान) तसेच शक्य झाल्यास मतमोजणी आणि निकाल	12.11.2025
16) मतदानाच्या दिवशीच मतमोजणी करणे शक्य नसेल तर दुसऱ्या दिवशी करण्यात येईल	12.11.2025 किंवा 13.11.2025

सही/-
शाखा अधिकारी
सिंचन शाखा ओझर

सही/-
उपविभागीय अभियंता
नाशिक डावा तट कालवा,
उप विभाग, नाशिक.

सही/-
(इंजि. सो. अ. शहाणे)
निवडणूक अधिकारी तथा,
कार्यकारी अभियंता,
नाशिक पाटबंधारे विभाग, नाशिक

जा. क्र. जिमाका-नाशिक १५६/२०२५-२६
जिल्हा माहिती कार्यालय, वकीलवाडी, नाशिक.

वैश्विक व्यवस्था में भारत

ब्रिक्स सक्रिय हो गया है और इसके झटके वाशिंगटन में पहले से ही महसूस किए जा रहे हैं। दो प्रमुख घटनाक्रम वैश्विक शक्ति संतुलन में एक नाटकीय बदलाव का संकेत देते हैं— चीन के साथ भारत के संबंधों में सुधार और रूस के साथ उसकी दृढ़ ऊर्जा साझेदारी। ये सभी कदम नई दिल्ली द्वारा पश्चिमी दबाव की रणनीतिक अवज्ञा और एक स्वतंत्र रास्ता अपनाने के उसके दृढ़ संकल्प को दर्शाते हैं। बार-बार अमेरिकी चेतावनियों के बावजूद, भारत रियायती दरों पर रूसी कच्चे तेल का आयात जारी रखे हुए है। वास्तव में, सितंबर में आयात में 10-20% की और वृद्धि होने का अनुमान है। नई दिल्ली ने स्पष्ट कर दिया है, "देश पहले, व्यापार बाद में।" सस्ता रूसी तेल न केवल भारत की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करता है बल्कि अमेरिकी दबाव अभियानों की सीमाओं को भी उजागर करता है। टैरिफ लगाने की वाशिंगटन की धमकियाँ, मास्को के साथ भारत की रणनीतिक ऊर्जा साझेदारी को रोकने में विफल रही हैं—यह एक ऐसा रिश्ता है जो दशकों के ऐतिहासिक विश्वास पर आधारित है। भारत द्वारा हाल ही में पाँच वर्षों में पहली बार चीनी प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) पर प्रतिबंधों में ढील देने का निर्णय भी उतना ही महत्वपूर्ण है। गलवान संघर्ष के बाद प्रेस नोट 3 के तहत लगाए गए इन प्रतिबंधों ने चीनी निवेश को प्रभावी रूप से रोक दिया था। अब, नीति आयोग से मिली जानकारी के आधार पर, भारत सरकार ने इन प्रतिबंधों में ढील देना शुरू कर दिया है। इस कदम को अलग-थलग करके नहीं देखा जा सकता। भारत और चीन के बीच सीधी उड़ानें फिर से शुरू हो गई हैं, पर्यटन समझौतों पर हस्ताक्षर हो रहे हैं और विदेश मंत्री एस. जयशंकर की हालिया बीजिंग यात्रा छह वर्षों में पहली यात्रा थी। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चीन में आगामी एससीओ शिखर सम्मेलन में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मिलने वाले हैं। इस तरह की त्रिपक्षीय बैठकें पश्चिमी टैरिफ और प्रतिबंधों के विरुद्ध ब्रिक्स के गहरे गठबंधन का संकेत देती हैं। वाशिंगटन के लिए सबसे तीखा झटका नई दिल्ली, मॉस्को या बीजिंग से नहीं बल्कि स्वयं अमेरिकी अर्थशास्त्रियों से आया है। प्रसिद्ध अमेरिकी अर्थशास्त्री रिचर्ड वोल्फ ने खुले तौर पर स्वीकार किया कि ब्रिक्स का विरोध करके अमेरिका ने एक "बड़ी भूल" की है। उन्होंने चेतावनी दी कि वाशिंगटन भारत के साथ एक छोटे मध्य पूर्वी देश जैसा व्यवहार कर रहा है जबकि वास्तव में भारत अब जनसंख्या के हिसाब से दुनिया का सबसे बड़ा राष्ट्र, रूस का एक ऐतिहासिक सहयोगी और तेज़ी से उभरती वैश्विक शक्ति है। वोल्फ की आलोचना पश्चिमी थिंक टैंकों में भी गूंज रही है। डोनाल्ड ट्रंप की आक्रामक टैरिफ रणनीति उल्टी पड़ रही है, अनजाने में ग्लोबल साउथ को मज़बूत कर रही है और ब्रिक्स को एक शक्तिशाली आर्थिक और भू-राजनीतिक विकल्प के रूप में स्थापित कर रही है। भारत को अलग-थलग करने के बजाय, अमेरिकी टैरिफ ने उसे रूस और चीन के और क़रीब ला दिया है। रूसी तेल आयात जारी रखकर और चीनी निवेश के लिए द्वार खोलकर, भारत एक स्पष्ट संदेश दे रहा है—वह अमेरिका के एकतरफ़ा हुक्मों के आगे नहीं झुकेगा। इसके बजाय, नई दिल्ली एक ऐसी संतुलित विदेश नीति अपना रहा है जो गुटनिरपेक्षता को बहुध्रुवीय सुरक्षा के साथ जोड़ती है। भारत यह प्रदर्शित कर रहा है कि 21वीं सदी की भू-राजनीति के नियम केवल वाशिंगटन में ही नहीं लिखे जाएँगे। उन्हें मॉस्को, बीजिंग और नई दिल्ली में भी आकार दिया जाएगा। अब सभी की निगाहें चीन में होने वाले एससीओ शिखर सम्मेलन पर टिकी हैं। प्रधानमंत्री मोदी, राष्ट्रपति पुतिन और राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात के साथ, एक बड़ी संयुक्त घोषणा की अटकलें बढ़ रही हैं—एक ऐसी घोषणा जो वैश्विक व्यापार को मौलिक रूप से नया रूप दे सकती है और पश्चिमी प्रभाव को कमज़ोर कर सकती है। संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए, यह स्पष्ट है कि उसके टैरिफ युद्ध विफल हो गए हैं, जिससे एक मज़बूत, अधिक एकीकृत ब्रिक्स के उदय को बल मिला है। भारत के लिए, यह क्षण न केवल अवज्ञा का बल्कि उभरते बहुध्रुवीय विश्व में नेतृत्व के एक नए अध्याय का प्रतीक है। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के व्यापार मामलों के सलाहकार पीटर नवारो ने हाल ही के दिनों में भारत पर रूस से तेल खरीदने को लेकर कई बेबुनियाद आरोप लगाए हैं। अब नवारो ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर अपने दावों को और मजबूती से सिद्ध करने की कोशिश की है। हालांकि, ट्रंप प्रशासन के इस वरिष्ठ अफसर ने जो आरोप लगाए हैं, उन्हें लेकर उनकी खुद की जानकारी पर सवाल खड़े हो गए हैं। नवारो का आरोप है कि भारत ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की युद्ध मशीनरी को वित्तीय जीवनरेखा दी है। नवारो का कहना है कि नई दिल्ली अमेरिकी उपभोक्ताओं को उत्पाद बेचकर उनसे डॉलर जुटाता है और इन डॉलर के जरिए ही कम कीमत में रूसी कच्चा तेल खरीदता है। इतना ही नहीं ट्रंप के खास अधिकारी का कहना है कि अमेरिकी उपभोक्ता तो भारत के उत्पाद खरीदकर उसे डॉलर मुहैया कराता है, लेकिन भारत, उच्च टैरिफ और गैर-टैरिफ अवरोध लगाकर अमेरिकी निर्यातकों को लाभ नहीं देता। ऐसे में पीटर नवारो के आरोपों पर बात की जाए तो वे निराधार हैं, उनके आरोप सही नहीं हैं। अगर भारत रूस से तेल खरीदना बंद कर दे और पश्चिम एशियाई देशों से तेल खरीदना शुरू कर दे तो बाजार में अचानक से मांग बढ़ जाएगी और आपूर्ति कम होने की वजह से कच्चे तेल के भाव 200 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकते हैं। यानी रूस से तेल खरीदकर भारत ने बाजारों को स्थिर रखने में मदद की। अमेरिका की पिछली सरकार में राजस्व मंत्री रहीं जैनेट येलेन ने भी तब भारत की भूमिका की तारीफ की थी।

कटाक्ष | सुरेश मिश्र

गाली बाजों पर नहीं, बरसाओ अब फूल
पंजे, महंगी पड़ेगी, ये छोटी-सी भूल
ये छोटी-सी भूल, सुनो हे पप्पू भइया
म्लेच्छ डुबाएंगे, इस बेरी तोहरी नइया
कह सुरेश कविराय, तुम्हारा भेजा खाली
देशद्रोहियों से दिलवाइ रहे हो गाली

अमेरिका का जवाब हो सकता है चीन

> अमेरिका को ग्रेट बनाने की सनक में ट्रंप जिस राह पर चल पड़े हैं, उससे अमेरिका ग्रेट बनने वाला नहीं है, यह बात अब धीरे-धीरे अमेरिकी जनता को भी समझ आने लगी है। ट्रंप का विरोध अब खुद उनके ही देश अमेरिका में लगातार बढ़ता जा रहा है। वहीं डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों ने रूस को मौका दे दिया है कि वो भारत और चीन के साथ मिलकर एक नई गठजोड़ बना रहा है। अब इस नई तिकड़ी को बनते देख अमेरिका परेशान है।

डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने के बाद भारत की चीन से नजदीकी बढ़ने की उम्मीद लगाई जा रही है। कुछ लोगों को ऐसा लग रहा है कि भारत, रूस और चीन के साथ मिलकर अमेरिका के टैरिफ का मुकाबला करना चाहता है। दूसरी तरफ भारत में समाचार पत्रों में लेख लिखकर चीन के इतिहास का डर दिखाया जा रहा है कि चीन भारत के लिए भरोसेमंद दोस्त नहीं है। देखा जाए तो ज्यादातर विश्लेषकों द्वारा चीन के साथ रिश्तों में सतर्कता बरतने की सलाह दी जा रही है। सवाल यह है कि क्या सच में हमारी सरकार अमेरिका का जवाब रूस और चीन में देख रही है। रूस तो हमारा सदाबहार दोस्त हैं तो उसके साथ रिश्तों में ज्यादा कुछ नया होने की उम्मीद नहीं की जा सकती, लेकिन चीन के साथ रिश्तें नई उम्मीद पैदा कर रहे हैं। हमें चीन के साथ संबंधों को बढ़ाने की कोशिश को अमेरिका के जवाब के रूप में नहीं देखना चाहिए क्योंकि भारत के साथ अमेरिका के ऐसे संबंध हैं कि चीन उसका जवाब कभी नहीं बन सकता। अमेरिका को ग्रेट बनाने की सनक में ट्रंप जिस राह पर चल पड़े हैं, उससे अमेरिका ग्रेट बनने वाला नहीं है, यह बात अब धीरे-धीरे अमेरिकी जनता को भी समझ आने लगी है। डोनाल्ड ट्रंप का अमेरिका में विरोध लगातार बढ़ता जा रहा है। वहां के पत्रकार, अर्थशास्त्री और कूटनीतिज्ञ ट्रंप की नीतियों के खिलाफ बोलने लगे हैं। भारत के प्रति एक सहानुभूति अमेरिका में भी पैदा होने लगी है क्योंकि पिछले कई सालों में भारत अमेरिका का मजबूत रणनीतिक साझेदार बन चुका है। देखा जाए तो अमेरिका भारत के खिलाफ नहीं हुआ है बल्कि अमेरिकी नेतृत्व भारत के खिलाफ हो गया है। मूल रूप में अमेरिका भारत का विरोधी नहीं है बल्कि वर्तमान सत्ता विरोधी है। यहीं पर अमेरिका और चीन में फर्क दिखाई देने लगता है कि चीन मूल रुप में भारत विरोधी है लेकिन वर्तमान सत्ता भारत के पक्ष में जाती दिख रही है। ऐसा नहीं है कि चीन की वर्तमान सत्ता को भारत से प्रेम हो गया है बल्कि उसे अमेरिका ने ऐसा करने का मौका दे दिया है। ढाई महीने पहले ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चीन ने जैसी मदद पाकिस्तान को दी थी उससे साबित हो गया है कि चीन भारत का दोस्त नहीं है। सवाल उठता है कि फिर हमारी सरकार क्यों चीन के साथ नए रिश्ते बनाने की ओर चल पड़ी है जबकि पाकिस्तान के साथ तो हम बात तक करने को तैयार नहीं हैं। वास्तव में इसके लिए वो हालात जिम्मेदार हैं जिन्हें डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों ने पैदा कर दिया है। ऐसा नहीं है कि हम चीन के साथ दोस्ती करने जा रहे हैं, बल्कि हम चीन के साथ साझेदारी करने की ओर बढ़ रहे हैं ताकि वर्तमान हालातों का मुकाबला किया जा सके। देखा जाए तो अमेरिका भी हमारा दोस्त नहीं है बल्कि वो भी हमारा एक साझेदार है। वैसे भी ग्लोबल राजनीति में कोई किसी का दोस्त नहीं होता, सभी साझेदार होते हैं। कई बार कुछ देशों के हित बहुत ज्यादा एक दूसरे से जुड़ जाते हैं और उनके बीच कई बातों को लेकर सामंजस्य बन जाता है जिसके कारण वो देश दोस्त की श्रेणी में पहुंच जाते हैं। वर्तमान समय में इजराइल, जापान और रूस को भारत इस श्रेणी में रख सकता है लेकिन अमेरिका इस श्रेणी में कभी नहीं रहा और चीन कभी भी इस श्रेणी में शामिल नहीं हो सकता। अमेरिका के हित भारत के हितों से इतना नहीं टकराते जितना चीन के टकराते हैं। भारत यह भी जानता है कि अमेरिका के साथ दोबारा उसके रिश्ते सामान्य हो जाने वाले हैं लेकिन वर्तमान हालातों से निकलने के लिए उसे दूसरे देशों में संभावनाएं तलाशनी होंगी। जहां तक चीन की बात है तो इस समय उसका सबसे बड़ा प्रतिद्वंद्वी अमेरिका है और भारत का साथ उसे अमेरिका से निपटने में मदद कर सकता है। चीन पिछले कई सालों से रूस के माध्यम से भारत से रिश्ते बेहतर करने की कोशिश कर रहा है। अगर सच कहा जाए तो रूस इसमें ज्यादा दिलचस्पी ले रहा है कि चीन और भारत करीब आ जाएं। रुस, भारत और चीन के साथ मिलकर एक ऐसा गठजोड़ बनाना चाहता है जिससे पश्चिमी जगत का मुकाबला किया जा सके। उसके लिए भारत-चीन के रिश्ते बड़ी समस्या हैं लेकिन डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों ने रूस को मौका दे दिया है कि वो इस गठजोड़ को मजबूती से तैयार कर सके। तीनों देशों में बढ़ती प्रगाढ़ता को अमेरिका देख रहा है और वो इससे परेशान है। अमेरिका कभी नहीं चाहता कि भारत रुस-चीन के साथ इस तरीके से जुड़ जाए लेकिन अपने अहंकार में वो इसे रोक भी नहीं पा रहा है। वास्तव में भारत पर टैरिफ लगाने की वजह भी यही है कि अमेरिका चाहता है कि भारत स्पष्ट रुप से अमेरिका के साथ खड़ा हो जाए। डोनाल्ड ट्रंप चाहते हैं कि भारत अब रूस-चीन और अमेरिका के बीच संतुलन बनाने की जगह एक पक्ष में खड़ा हो जाये । 1971 में ऐसी स्थिति आ गई थी कि इंदिरा जी को मजबूरी में एक पक्ष को चुनना पड़ा और इसका फायदा भी भारत को मिला था। आज ऐसी कोई मजबूरी नहीं है कि भारत को एक पक्ष चुनना पड़े। वास्तव में डोनाल्ड ट्रंप की राजनीतिक मूर्खता है कि भारत को ऐसे कदम उठाने पड़ रहे हैं जिनके बारे में अभी तक सोचा नहीं जा रहा था। डोनाल्ड ट्रंप बार-बार घोषणा कर रहे हैं कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान पर दबाव डालकर युद्ध-विराम करवाया था। वो समझ नहीं पा रहे हैं कि भारतीय प्रधानमंत्री के लिए यह स्वीकार करना कितना मुश्किल है कि उसने अमेरिका के दबाव में आकर अपनी सेना को युद्ध रोकने का आदेश दे दिया। वो चाहते हैं कि मोदी बड़ी राजनीतिक कीमत देकर युद्ध-विराम के लिए उनको श्रेय दे दें। दूसरी तरफ ऑपरेशन सिंदूर के बाद उन्होंने भारत-पाकिस्तान को एक तराजू में तोलना शुरू कर दिया है जिसे मोदी कभी स्वीकार नहीं कर सकते। वो भारत जैसी शक्ति को पाकिस्तान के बराबर दिखाने की कोशिश कर रहे हैं इसलिए उन्होंने पाकिस्तानी सेना प्रमुख को लंच पर आमंत्रित किया और दूसरी तरफ मोदी जी को भी निमंत्रण दे दिया। मोदी जी उनकी इस चाल को समझ गए इसलिए उन्होंने उनके न्यौते को ठुकरा दिया। इससे डोनाल्ड ट्रंप चिढ़ गए हैं लेकिन वो हालातों को समझ नहीं पा रहे हैं। आखिरी गलती डोनाल्ड ट्रंप की टीम ने यह कर दी कि उसने भारत की डेयरी सहकारी संरचना और कृषि की आर्थिकी को समझे बिना भारत को ट्रेड डील करने के लिए मजबूर करने की कोशिश की। अमेरिका भारत के डेयरी और कृषि क्षेत्र में प्रवेश की मांग कर रहा है, जिसे भारत का कोई भी प्रधानमंत्री स्वीकार नहीं कर सकता। यही कारण है कि मोदी जी ने लाल किले से अपने संबोधन में घोषणा कर दी कि वो किसी भी ऐसी नीति के खिलाफ दीवार की तरह खड़े हैं जो भारतीय किसानों, मछुआरों और पशुपालकों को नुकसान पहुंचाती है। यह सच है कि हमारी अर्थव्यवस्था में प्रगति की अपार संभावनाएं हैं लेकिन यह भविष्य की बात है।

- राजेश कुमार पासी

भागवत के संदेशों के सामाजिक-सांस्कृतिक मायने

देश दुनिया का सबसे बड़ा सामाजिक संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) अपनी स्थापना के 100 वर्ष पूरे होने के अवसर पर अगले एक वर्ष तक विभिन्न प्रबुद्ध कार्यक्रम व अभियान चलाने वाला है ताकि भारतीय सभ्यता-संस्कृति पर आधारित हिन्दू राष्ट्र के व्यापक दर्शन और उसमें अंतर्निहित महान सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक जनसरोकारों से जन-जन को परिचित कराया जा सके। इस नजरिए से नई दिल्ली के प्रतिष्ठित विज्ञान भवन सभागार में अपने कर्मठ समाजसेवी लोगों को संबोधित करते हुए संघ प्रमुख मोहन भागवत ने जो कुछ भी कहा, उन शताब्दी संदेशों के सामाजिक-सांस्कृतिक मायने को समझने-समझाने की जरूरत है ताकि भव्य व मजबूत भारत का पुनरूत्थान संभव हो सके। यही बात शेष दुनिया पर भी लागू हो सकती है। इसलिए उन पर न केवल भारत सरकार बल्कि संयुक्त राष्ट्र संघ से जुड़े सभी देशों के राष्ट्राध्यक्ष को भी गौर करना चाहिए और अपनी प्रशासनिक नीतियों में उन्हें वरीयता दी जानी चाहिए। दरअसल, संघप्रमुख मोहन भागवत ने जो कुछ कहा और भारत के समग्र हित में जो कुछ नहीं कह पाए, उसे समझने-समझाने की जरूरत है। उनके उर्वर लोक दर्शन को जन जन तक पहुंचाने की आवश्यकता है ताकि सबका भला हो सके। आप मानें या न मानें, उनकी इन बातों में दम है कि उपभोक्तावाद की वृद्धि के कारण दुनिया में पाप, दुःख और संघर्ष बढ़ रहा है। इसलिए जनसेवा और त्याग जैसे धार्मिक संस्कारों से ही उनका सम्यक मुकाबला किया जा सकता है। उन्होंने ठीक ही कहा है कि वोक कल्चर पूरी दुनिया पर छा रहा संकट है क्योंकि लोग अपने अलावा किसी दूसरे की ओर नहीं देख रहे हैं। इससे बचने के लिए लोगों को केवल धर्म का मार्ग अपनाना चाहिए। मोहन भागवत ने 'हिंदुत्व' की परिभाषा पर भी विस्तार से बात करते हुए समझाया कि, हिंदुत्व या हिंदुपन क्या है? अगर इसे संक्षेप में कहना हो तो दो शब्द हैं सत्य और प्रेम। दुनिया का संचालन एकता से होता है, सौदेबाजी और अनुबंधों से नहीं। चूंकि हिंदुस्तान का जीवन मिशन विश्व कल्याण है। उनका कहना था कि विकास की दौड़ में दुनिया ने भीतर झांकना छोड़ दिया है। अगर भीतर खोज होगी

तो ऐसी अनंत खुशी मिलेगी जो कभी खत्म नहीं होगी। यही मानव जीवन का अंतिम लक्ष्य है। इससे ही पूरी दुनिया में शांति और सौहार्द का माहौल बनेगा। उन्होंने यह भी कहा कि हिंदुत्व किसी एक संप्रदाय या समुदाय की विचारधारा नहीं है, बल्कि यह वह सोच है जो सत्य और प्रेम पर आधारित होकर सबको साथ लेकर चलती है। अगर यही मार्ग अपनाया जाए तो दुनिया के संघर्ष खत्म हो जाएंगे और सच्चा सुख-शांति स्थापित होगी। लिहाजा, सम्भव है कि भागवत के सम्पूर्ण शताब्दी उपदेश का भविष्य में कुछ सकारात्मक असर हो सकता है। पहला, भाजपा-विरोधी दलों का आरोप कमजोर हो सकता है कि हिंदू राष्ट्र सिर्फ सत्ता हथियाने का औजार है जबकि भाजपा की प्राथमिकता राष्ट्रीय सुरक्षा और विकास है। दूसरा, भाजपा को अपनी भाषा और नीतियों में "समावेशिता" दिखानी पड़ सकती है। इससे उत्तर के साथ साथ दक्षिण में भी उसका विस्तार संभव है। तीसरा, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह संदेश भी जाएगा कि भारत का राष्ट्रवाद अधिनायकवादी नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और समावेशी है। इसमें ग्लोबल साउथ का भी हित निहित है जो कि दलित-पिछड़े देशों का समूह है। सामाजिक विविधता और उससे संघर्ष की आशंका पर सवाल उठते हुए मोहन भागवत ने स्पष्ट कहा कि समाज में जीवन में विविधता है लेकिन कई बार इनमें संघर्ष भी दिखाई देता है, लेकिन सबको साथ लेकर चलना है और इसके लिए सबके बीच समन्वय स्थापित करना है। इसके लिए कई बार कुछ त्याग भी करना पड़ता है जिसके लिए सदैव तैयार रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि धर्म सदैव सार्वकालिक सुखदाई होता है। यदि कोई वस्तु दुखदाई है तो वह धर्म नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि मरने के बाद अलग-अलग वर्गों के लिए अलग श्मशान होने की सोच को स्वीकार नहीं किया जा सकता। सबको साथ लेकर देश को मजबूत बनाएंगे। बढ़ते उपभोक्तावाद पर हमलावर होते हुए उन्होंने कहा कि उपभोक्तावाद की वृद्धि के कारण दुनिया में पाप, दुःख और संघर्ष बढ़ रहा है। वोक कल्चर पूरी दुनिया पर छा रहा संकट है। क्योंकि लोग अपने अलावा किसी दूसरे की ओर नहीं देख रहे हैं। इससे बचने के लिए लोगों को केवल धर्म का मार्ग अपनाना चाहिए। यह धर्म लोगों को हमेशा मध्यम मार्ग पर बनाए रखता है और इससे आपस में संघर्ष पैदा नहीं होता। उन्होंने स्वामी विवेकानंद के शब्दों में दोहराया कि, भारत के पास धर्म है जिसे उसे समय-समय पर दुनिया को देनी चाहिए। धर्म शाश्वत है। उन्होंने कहा कि धर्म मूल तत्व है जो स्वभाव होता है। इसका धर्मांतरण नहीं किया जा सकता। आरएसएस के जनोपयोगी सोच को जन जन तक पहुंचाने की बात करते हुए मोहन भागवत ने कहा है कि आरएसएस का लक्ष्य यह है कि जो संघ में हो रहा है, वह परिवार और समाज में भी हो। इसके लिए प्रयास करना चाहिए। उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा कि समाचारों की दुनिया से भारत को नहीं समझा जा सकता। समाचारों में जितना गलत दिखाई देता है, उससे 40 गुना अधिक अच्छा समाज के बीच हो रहा है। इसलिए समाज को संगठित करने के लिए जातिगत भेदभाव को यथाशीघ्र समाप्त करना चाहिए। इसके लिए स्वयंसेवकों को अपने आसपास की बस्तियों तक पहुंचना चाहिए। क्योंकि जब तक समाज में आपसी अविश्वास और भेदभाव हो, उसे समाप्त किए बिना संबंध मजबूत नहीं हो सकता। समाज के पददलितों की चिंता को स्वर देते हुए भागवत ने कहा कि समाज के कमजोर वर्गों का सहयोग एक स्वाभाविक कार्य हो जाना चाहिए। पारस्परिक दूरियों को पाटने के लिए दोनों वर्गों से काम किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारा इतिहास और संस्कृति एक ही है। केवल नक्शे पर रेखाएं खिंचने से नए-नए देश बन गए हैं, लेकिन पूर्व में उनकी संस्कृति भी एक ही रही है। दूसरे देशों को जोड़ने का कार्य सबसे पहले पड़ोसी देशों से शुरू होना चाहिए।

-कमलेश पांडेय चौधरी

साठा सो पाठा

हमारे यहां पचास पार आदमी को समाज बड़े ही प्यार से समझा देता है कि अब तुम्हारा असली काम सुबह अखबार में मृत्यु-समाचार पढ़ना, दोपहर में घर के बाहर कुर्सी डालकर पड़ोसी के व्यवहार पर रिसर्च करना और रात को नींद न आने पर रामचरितमानस का पाठ करना है। साठ पार होते ही यह सम्मानजनक उपाधि "बाबा" से संबोधित की जाने लगती है जिसके साथ यह अनिवार्य निर्देश जुड़ा होता है , अब आराम करो , तुम्हारे बस का कुछ नहीं रहा। लेकिन फिर दुनिया के नक्शे पर नज़र जाती है तो कुछ नया ही समझ आता है। पुतिन 72 में भी रूस के ड्राइवर बने स्टीयरिंग पर ऐसे बैठे हैं जैसे मोहल्ले का बुजुर्ग ऑटो वाला, जो कहता है "मीटर से नहीं, अपनी रेट लिस्ट से जाऊंगा।" पुतिन युद्ध विराम को ही विराम लगाए हुए हैं। जिनपिंग भी 72 की उम्र में चीन को उसी नाप-तौल से चला रहे हैं जैसे शादी में मामा जी मिठाई बंटवाते हैं "सबको बराबर मिलेगा, पर मेरी मर्जी से।"हमारे अपने नरेंद्र मोदी 74 में भी सुबह चार बजे उठकर न सिर्फ देश को जगाते हैं बल्कि सोशल मीडिया को भी हलवा-पूरी खिलाकर वापस सुलाते हैं। वे हमारे मन की नहीं , अपने मन की बातें ही करना चाहते हैं। नेत्यानाहू 75 में भी इजराइल को उसी आत्मविश्वास से चला रहे हैं जैसे बुजुर्ग पड़ोसी अपने घर के गेट पर "अनधिकृत प्रवेश वर्जित" का बोर्ड लगाकर समझता है कि पूरी गली उसकी है। ट्रंप 79 में भी रैलियों में ऐसे गरजते हैं जैसे मोहल्ले के वरिष्ठ सदस्य पंचायत में हल्ला मचाते हैं। "ये मुद्दा मैं ही उठाऊंगा, और मेरी ही बात मानी जाएगी।" ट्रंप टैरिफ से वे अमेरिका को फिर से महान बनाने के प्रयोग कर रहे हैं। भले ही इसका असर उल्टा हो। वे स्वयं भू शांति दूत बनना चाहते हैं। नोबल शांति पुरस्कार के लिए वे पहले देशों को भिड़ा कर अपने हथियार बेचना चाहते हैं, फिर समझौते करवाकर वाहवाही लूटने मे जुटे हुए हैं। और खोमनेई 85 में भी आदेश ऐसे सुनाते हैं जैसे पुराने जमाने के मदरसे के मौलवी, जिनकी छड़ी के डर से बच्चे और उनके वालिद दोनों दूर भागते हैं। ये सब देखकर किसने कहा कि साठ के बाद आदमी का दिमाग और शरीर सिर्फ ताश खेलने और डॉक्टर की पर्ची संभालने के लिए रह जाता है? सच तो यह है कि साठ पार आदमी "रिटायर" नहीं होता, "री-फायर" होता है। अनुभव, जिद, और आदतों का ऐसा टिफिन बॉक्स लेकर आता है कि दुनिया की सबसे कठिन परिस्थितियों में भी अपना नमक-मिर्च मिला सकता है।उम्र महज नंबर है। हमारे यहां साठ पार आदमी को शादी-ब्याह में खाना सर्व करने का काम मिलता है जबकि विदेशों में उसे देश सर्व करने का । हम अपने बुजुर्ग को कहते हैं "अब आप आराम करो," जबकि बाहर वाले कहते हैं "आओ, तुम ही तो अनुभव का बम हो।" इसलिए जब आप साठ पार हों तो पेंशन फार्म भरने के बजाय अपना चुनावी मेनिफेस्टो लिख डालें। दुनिया के सबसे खुराफाती बुजुर्ग साबित कर चुके हैं कि उम्र बस कैलेंडर का पन्ना है, जिसे चाहे नोटिस बोर्ड पर टांगो, चाहे दुनिया का नक्शा बदलने में इस्तेमाल करो। बस एक बात याद रखिए , चेहरे पर आत्मविश्वास और बालों में थोड़ी-सी सफेदी होनी चाहिए, ताकि लोग आपको देखकर कहें "वाह, अनुभव बोल रहा है!" और आप मन ही मन मुस्कुराकर सोचें "बोल तो खुराफाती स्वभाव रहा है, अनुभव तो बहाना है।"

-विवेक रंजन श्रीवास्तव

आज का कार्टून

साभार

आधुनिकता के अंधी दौर में सामाजिक पतन की शुरुआत

इंसानों में जैसे- जैसे सोचने व समझने की प्रवृत्ति जागृत होती गई, वैसे - +वैसे इंसानों के अंदर छल कपट की प्रवृत्ति भी जागृत होती गई। इंसान जब तक कंद मूल या आखेट पर निर्भर था, तब तक इंसान के अंदर उस तरह की पाशविक प्रवृत्ति नही थी। जबसे इंसान अन्न का उत्पादन करने लगा, उस समय से इंसान का वास्तविक स्वरूप ही बदल गया। जमीन को लेकर इंसानों में जंग लड़ने की स्थिति पैदा हो गई। ज्यादा से ज्यादा जमीन का टुकड़ा उसके कब्जे में रहे, वह अब इंसानों का ध्येय बनकर रह गया और जो आज तक कायम है। जैसे जैसे सभ्यता का विकास होते गया, तैसे- तैसे मनुष्य और असभ्य होता चला गया। आज हम अपने आप को बहुत आधुनिक और प्रगतिशील समझ रहे हैं लेकिन वास्तविकता ये है कि हम दिन प्रतिदिन गर्त में डूबते जा रहे हैं। आज पूरे विश्व में अराजकता का माहौल है। आज रूस और यूक्रेन युद्ध में रोज न जाने कितने बेगुनाहों की जान जा रही है। उसी तरह गाजा पट्टी में कितने मासूमों की जान जा रही है। आज पूरा विश्व सभ्यता के किस मोड़ पर खड़ा है, इसको ध्यान में रखकर सोचना होगा। युद्ध के नित्य नए नए ठिकाने ढूंढे जा रहे हैं। रोज मानवता शर्मसार होती जा रही है। आज भारत में ही आये दिन कहीं न कहीं से दिल दहला देने वाली खबर आती है। प्रेम प्रसंग में रोज एक न एक कत्ल का खुलासा होता है। आजकल एक नया ट्रेंड चल पड़ा है कि प्रेमी के संग मिलकर पति की हत्या करना। दरअसल आज समाज किस दिशा में जा रहा है, इसका अंदाजा लगाना मुश्किल है। आधुनिकता के इस दौर में हम समाज को कहाँ लेकर जा रहे हैं और इसका खामियाजा क्या होगा, इस पर गौर करने की जरूरत है। किसी भी सिक्के के दो पहलू होते हैं और कौन सा पहलू उचित है और कौन सा अनुचित, इसका फैसला हमें ही करना होगा। आज नारियाँ स्वतंत्र होती जा रही हैं और ये अच्छी बात है लेकिन इसके दुष्परिणाम भी सामने आ रहे हैं। समाज में व्यभिचार अपने चरम सीमा पर है। इसमें किसी एक पक्ष को दोषी नहीं ठहराया जा सकता है। इसके लिए स्त्री या पुरूष समान रूप से जिम्मेदार हैं।जब समाज स्वछंद होगा तो समाज में इस तरह की विकृति जरूर आएगी। इसलिए ये समाज को एक सुनिश्चित करना होगा कि हम अपने आप को कहाँ तक स्वछंद रखें। ऐसा कोई भी दिन नहीं गुजरता जिसमें कोई खून खराबे की खबर नहीं आती हो। आज इंसान इंसान का दुश्मन हो गया है। सच तो ये है कि आज मानवता नाम की कोई चीज ही नही रह गई। समाज की जो आज स्थिति है उसमें ये आकलन करना मुश्किल है कि हम सभ्य समाज में रह रहे हैं या असभ्य समाज में। किसी जमाने में संस्कार नाम की कोई चीज हुआ करती थी ,आज उसका सर्वथा लोप हो चुका है। पहले पश्चिमी देशों में इसका खात्मा हुआ और धीरे धीरे पूर्व के देशों में इसका प्रभाव होता गया है। भारत भी इसके प्रभाव से अछूता नहीं रहा। दुनिया भर में भारत ही एकमात्र ऐसा देश था जहाँ कुछ नहीं तो संस्कारों की दुहाई अवश्य दी जाती रही है लेकिन दुर्भाग्यवश आज भारत में ही संस्कार अपनी अंतिम सांसे गिन रहा है। दरअसल इसके जिम्मेदार हम स्वयं हैं। आजादी मिलने के बाद हम इतने उच्छृंखल हो गए कि हमें इसका ध्यान ही नहीं रहा कि आगे इसके दुष्परिणाम भी होंगे। हमने अपने बच्चों की परवरिश में ढील देनी शुरू कर दी। गार्जियनशिप का रोल ही खत्म हो गया। आज बच्चे न अपने माँ - बाप की सुनते हैं और न शिक्षकों की । इसका नतीजा ये हो रहा है कि बच्चों में अनुशासन नाम की कोई चीज ही नहीं रह गई है। भौतिकता के क्षेत्र में हम दिन दूनी रात चौगुनी तरक्की अवश्य कर रहे हैं लेकिन अपने अच्छे संस्कारों को पीछे छोड़ते जा रहे हैं। दरअसल हम आधुनिकता की कीमत चुका रहे हैं। एक तरफ तो हम मंदिर- मस्जिद भी जाते हैं वहीं दूसरी ओर वहाँ से क्या लेकर समाज में जाते हैं, इसका आपको पता ही नही रहता। मंदिर- मस्जिद केवल धार्मिक स्थल ही नहीं है अपितु उन जगहों से आपको अच्छे इंसान बनने की सीख मिलती है लेकिन शायद ही कोई व्यक्ति इस बात को समझता होगा। आज दुनिया में बहुत सी लड़ाइयां ही धर्म के नाम पर लड़ी जा रही हैं। अगर लोगों में धार्मिक सहिष्णुता हो जाये तो आधी दुनिया की लड़ाई ही खत्म हो जाये। उसी तरह दैनिक जीवन मे शुचिता पैदा हो जाये तो समाज में व्याप्त व्यभिचार स्वतः खत्म हो जाएगा। दरअसल इंसान को केवल अपने जज्बात पर काबू पाने की आवश्यकता है।

-डॉ.नर्मदेश्वर प्रसाद

सिडको में स्वतंत्र शव वाहनी की मांग

सिडको। सिडको में स्वतंत्र शव वाहनी की मांग की जा रही है। सिडको क्षेत्र में बढ़ती आबादी और ट्रैफिक की समस्या को देखते हुए, नागरिकों ने पूर्व नगरसेविका कावेरी घुगे के नेतृत्व में मनपा आयुक्त मनीषा खत्री से सिडको के लिए एक स्वतंत्र शव वाहन और वैकुंठ रथ की मांग की है। नागरिकों ने बताया कि नाशिक में बढ़ते ट्रैफिक के कारण, शहर के अन्य हिस्सों से शव वाहन और वैकुंठ रथ समय पर नहीं पहुंच पाते, जिससे अंतिम संस्कार में देरी होती है। ज्ञापन सौंपते समय गोविंद घुगे, आतिश पाटिल, अक्षय परदेशी, समीर सुर्वे, ज्ञानेश्वर वर्षे, अनिल शेलके, अरुण गुजर और नवनाथ गामणे सहित कई सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

आज खेल संगठनों द्वारा खेल मंत्री माणिक कोकाटे का सम्मान

गुरुदक्षिणा हॉल में नागरिक अभिनंदन समारोह आयोजित करने का निर्णय

महानगर नेटवर्क
नाशिक

नाशिक के पुत्र श्री माणिक कोकाटे को महाराष्ट्र राज्य के खेल मंत्री का दायित्व सौंपा गया है। इस अवसर पर नासिक के विभिन्न खेल संगठनों, खेल संस्थाओं और खिलाड़ियों की ओर से 31 अगस्त, 2025 को उनके सम्मान में एक नागरिक अभिनंदन समारोह आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। यह सम्मान समारोह रविवार, 31 अगस्त को शाम 4:00 बजे गोखले शिक्षा संस्थान के बी. वी.के. कॉलेज परिसर स्थित गुरुदक्षिणा हॉल में आयोजित किया जाएगा। इस सम्मान समारोह का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि नासिक के सभी राज्य, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी, खेल आयोजक, प्रशिक्षक, खेल संघ, खेल संस्थाएँ, अर्जुन पुरस्कार विजेता और शिव छत्रपति पुरस्कार विजेता उनके साथ मौजूद रहें ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि खेल मंत्री के रूप में आदरणीय माणिक कोकाटे महान उपलब्धियाँ हासिल करें और उन्हें उचित समर्थन मिले। इसके लिए नाशिक के सभी खिलाड़ियों, खेल आयोजकों, प्रशिक्षकों, पदाधिकारियों और खेल संगठनों के प्रतिनिधियों से बड़ी संख्या में उपस्थित होने की अपील की जा रही है।

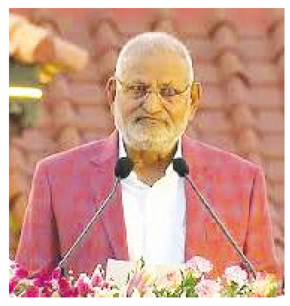

आयुक्त खत्री ने किया गणेश विसर्जन जुलूस मार्ग का दौरा

गोदावरी को प्रदूषण मुक्त रखने पर अधिक ध्यान देने के आदेश

जुलूस 6 सितंबर को नासिक शहर में बड़े ही धूमधाम से निकाला जाएगा

महानगर नेटवर्क
नाशिक

मनपा आयुक्त मनीषा खत्री ने अनंत चतुर्दशी के अवसर पर जुलूस मार्ग का निरीक्षण किया और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए, विशेष रूप से स्वच्छता बनाए रखने और गोदावरी को प्रदूषण मुक्त रखने पर अधिक ध्यान देने के आदेश दिए गए।

महाराष्ट्र सरकार द्वारा घोषित राजकीय गणेशोत्सव का विसर्जन जुलूस शनिवार, 6 सितंबर को नाशिक शहर में बड़े ही धूमधाम से निकाला जाएगा। इसी पृष्ठभूमि में, आज शनिवार को मनपा आयुक्त एवं प्रशासक मनीषा खत्री ने अन्य विभागों के अधिकारियों के साथ विसर्जन जुलूस मार्ग का निरीक्षण किया। इस निरीक्षण के दौरान वाकडीबाराव, दूध बाजार, मेन रोड, धूमल पॉइंट, एम.जी. रोड, लाविपार पेठ, लाविपार करंजा, अहिल्याबाई होल्कर पूल, पंचवटी करंजा से रामकुंड क्षेत्र, सरदार चौक, गोदाघाट जैसे महत्वपूर्ण मार्गों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान, आयुक्त ने संबंधित विभागों को बाधाओं, अतिक्रमणों, गड्ढों और ओवरहेड तारों व केबलों को तुरंत हटाने के निर्देश दिए। उन्होंने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन विभाग को विसर्जन जुलूस के दौरान नगर क्षेत्र की स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए विशेष कदम उठाने के भी निर्देश दिए।इस निरीक्षण दौरे के दौरान मनपा आयुक्त मनीषा खत्री के साथ अपर आयुक्त प्रदीप चौधरी, उपायुक्त अजीत निकत, नगर अभियंता संजय अग्रवाल, अधीक्षण अभियंता अविनाश धनैत, रवींद्र धरणकर, प्रभागीय अधिकारी एवं नगर सचिव मदन हरिश्चंद्र, चंदन घुगे, जनसंपर्क अधिकारी योगेश कमोद, कार्यकारी अभियंता संदेश शिंदे, गणेश मैड, उप अभियंता समीर रकाटे, प्रशांत बोरसे और अन्य अधिकारी मौजूद थे।

गोदावरी नदी और शहर की अन्य नदियां प्रदूषित न हों

निरीक्षण दौरा पूरा होने के बाद, आयुक्त एवं प्रशासक ने अधिकारियों को खत्री द्वारा दिए गए निर्देशों का तुरंत पालन करने और विसर्जन जुलूस मार्ग को अच्छी स्थिति में और तैयार रखने के आदेश दिए। इस अवसर पर नागरिकों से अपील करते हुए, आयुक्त मनीषा खत्री ने कहा, "जिस प्रकार नाशिकवासी पर्यावरण-अनुकूल गणेशोत्सव मना रहे हैं, उसी प्रकार गणेश विसर्जन भी पर्यावरण-अनुकूल तरीके से किया जाना चाहिए। इसलिए, यह सुनिश्चित करना हम सभी का कर्तव्य है कि गोदावरी नदी और शहर की अन्य नदियां प्रदूषित न हों।" उन्होंने गणेश भक्तों से अपील की।

सुखद और सुरक्षित कुंभ के लिए प्रशासन कड़ी मेहनत कर रहा है : डॉ. गेडाम

महानगर नेटवर्क
त्र्यंबकेश्वर

नाशिक संभागीय आयुक्त और कुंभ मेला विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष डॉ. प्रवीण गेडाम ने कहा कि त्र्यंबकेश्वर में आगामी कुंभ मेले को स्वच्छ, हरित, सुरक्षित, पर्यावरण के अनुकूल और सुखद बनाने के लिए प्रशासन कड़ी मेहनत करेगा। इस बैठक में प्रशासन और साधु महंतों के बीच टकराव की परिस्थितियों भी सामने आई है। संभागीय आयुक्त डॉ. गेडाम ने विशेष पुलिस महानिरीक्षक दत्तात्रेय कराले, जिलाधिकारी जलज शर्मा, पुलिस अधीक्षक बालासाहेब पाटिल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आदित्य मिरखेलकर आदि के साथ आज त्र्यंबकेश्वर का दौरा किया और वहाँ साधुओं और महंतों से बातचीत की।संभागीय आयुक्त डॉ. गेडाम और अधिकारियों ने दस शैव अखाड़ों, महानिर्वाणी, आनंद, बड़ा उदाल, नया उदाल, निर्मल, अटल, जूना अखाड़ा, निरंजनी, आवान और अग्नि का दौरा किया। इस अवसर पर स्वामी शंकरानंद सरस्वती, महंत भारद्वाज गिरि, महंत शिवगिरि और अखाड़ों के अन्य प्रमुख महंत उपस्थित थे। इस अवसर पर उपस्थित साधु महंतों ने कुंभ मेला 2027 के सफल आयोजन के लिए प्रशासन से अपनी अपेक्षाएँ व्यक्त कीं। इनमें मुख्य रूप से अखाड़ों तक जाने वाली सड़कें, अखाड़ों के लिए आवश्यक जल आपूर्ति, बिजली आपूर्ति और साधुओं के आवास संबंधी माँगें रखी गईं। संभागीय आयुक्त डॉ. प्रवीण गेडाम ने विश्वास व्यक्त किया कि साधुओं, महंतों, अखाड़ों के साथ-साथ त्र्यंबकेश्वर के पुजारियों, स्थानीय नागरिकों के सहयोग से आगामी सिंहस्थ कुंभ मेला सुरक्षित और आनंददायक होगा।

प्रशासन के खिलाफ मोर्चा निकालने का साधु महंतों का इशारा

आयुक्त प्रवीण गेडाम ने समस्या सुनने के लिए साधु महंतों के साथ बैठक की,लेकिन इस बैठक में साधु महंत अखाड़ा के अन्य प्रमुख व्यक्तियों ने आने वाले 15 दिनों में कभी त्र्यंबकेश्वर में विकास कार्य शुरू नहीं हुए। राज्य सरकार और प्रशासनक खिलाफ मोर्चा निकालने का इशारा भी इस बैठक में दिया है जिसके चलते प्रशासन के सामने परेशानियां बढ़ गई है। प्रशासन इस पर किस तरह से निर्णय लेता है और साधु महंतों का निकलने वाला मोर्चा रुकवाने का प्रयास करती है। इस पर सभी की निगाहें टिकी है।

जल भंडारण में वृद्धि के कारण 18 बांधों से छोड़ा गया पानी

महानगर नेटवर्क
नाशिक

पिछले कई दिनों से हो रही लगातार बारिश के कारण जिले के बांधों में पानी भर गया है और 26 में से 18 बांधों से बड़ी मात्रा में पानी छोड़ा गया है। साथ ही, बांधों में अतिरिक्त पानी से कोई आपात स्थिति नहीं बनेगी। सिंचाई विभाग ने बताया कि इसी उद्देश्य से यह पानी छोड़ना शुरू किया गया है।

इस बीच, गंगापुर बांध से 1,442 क्यूसेक, आनंदी बांध से 446, दारणा बांध से 3,804, कश्यपी बांध से 320, वलदेवी बांध से 241, भवाली बांध से 481, भाम बांध से 879, करंजवण बांध से 1,130, नांदुर मध्यमेश्वर बांध से 12,620, वाकी बांध से 196, कदवा बांध से 1,176, पालखेड बांध से 796, पुणेगांव बांध से 150, चंकापुर बांध से 1,558, हरनबारी बांध से 846, केलजर बांध से 388, नागासाक्या बांध से 212 और ओझरखेड बांध से 94 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। इस बीच, जलग्रहण क्षेत्र और घाटों में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण सभी बांधों का जलस्तर काफ़ी बढ़ गया है।

सभी बांध 100 प्रतिशत तक भरने के कगार पर हैं। मौसम विज्ञानियों ने अगले कुछ दिनों में भारी बारिश की संभावना जताई है। इससे बांधों के साथ-साथ नदियों का जलस्तर भी बढ़ने की संभावना है।

वर्तमान में बांध समूह में 65,953 दलघाफू या 93.39 प्रतिशत जलभंडार हो चुका है, जिससे नासिक शहर और जिले की अगले साल तक प्यास बुझेगी।

26 बांधों में से 11 बांध लबालब

26 बांधों में से 11 पूरी तरह भर चुके हैं, गंगापुर, कश्यपी, करंजवन, डरना, मुकाने, कदवा, वाकी, भोजपुर और केलजर बांधों में जल स्तर 90 प्रतिशत से अधिक है, जबकि शेष बांध भी अगले कुछ दिनों में अपनी पूरी क्षमता तक भर जाने की संभावना है।

जिले में डेंगू, चिकनगुनिया के मरीजों की संख्या में वृद्धि

आठ महीनों में 704 मरीज दर्ज

नाशिक। जिले में डेंगू, चिकनगुनिया और मलेरिया के मरीजों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और अगस्त के अंत तक कुल 704 मरीज पाए गए हैं। डेंगू के मरीजों की संख्या सबसे अधिक है, 580 मरीज दर्ज किए गए हैं। जिले के ग्रामीण इलाकों, नासिक नगर निगम और मालेगांव नगर निगम क्षेत्रों में इन मरीजों की संख्या बढ़ रही है। 580 डेंगू मरीजों में से 337 नाशिक नगर निगम क्षेत्र में, 136 मालेगांव क्षेत्र में और 107 ग्रामीण क्षेत्रों में पाए गए हैं। खास तौर पर अगस्त में ही 206 डेंगू मरीज दर्ज किए गए हैं, जिनमें से 135 मरीज नाशिक नगर निगम क्षेत्र से हैं। जिले में चिकनगुनिया के 93 मरीज पाए गए हैं। इनमें से 50 ग्रामीण क्षेत्रों में, 42 नगरपालिका क्षेत्र में और मालेगांव नगर निगम क्षेत्र में एक मरीज है।

नकली कीटनाशकों की बिक्री का भंडाफोड़,मामला दर्ज

नाशिक। नकली कीटनाशक और जैव उत्तेजक पदार्थ बेचने के आरोप में तीन लोगों के खिलाफ ओझर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है और 1,69,904 रुपये मूल्य का स्टॉक भी जब्त किया गया है। कृषि विभाग के उड़नदस्ते ने यह कार्रवाई की। जिला कृषि अधीक्षक कार्यालय को गुप्त सूचना मिली थी कि कीटनाशक और बायोस्टिमुलेंट बेचे जा रहे हैं। तदनुसार, जिला दस्ता प्रमुख संजय शेवाले, जिला गुणवत्ता नियंत्रण सेल निरीक्षक डॉ जगन सूर्यवंशी और निफाड निरीक्षक राहुल धनगर की एक टीम ने जाल बिछाया।

नाशिक जिला परिवहन संघ ने सड़क के गड्ढे भरने का बीड़ा उठाया

महानगर नेटवर्क
नाशिक

अंबड एमआईडीसी क्षेत्र में सड़कों की खस्ता हालत और बढ़ती दुर्घटनाओं को देखते हुए, नासिक जिला परिवहन संघ ने अपनी सामाजिक प्रतिबद्धता के अनुरूप, सड़कों के गड्ढों को भरने का बीड़ा उठाया है।

इस कार्य से वाहन मालिकों को राहत मिलेगी और क्षेत्र के नागरिकों की सुरक्षा बढ़ेगी। नासिक जिला परिवहन संघ की ओर से सलाहकार अमृत देशमुख की पहल पर अंबड एमआईडीसी क्षेत्र में गड्ढों को भरने का यह विशेष अभियान आज क्रियान्वित किया गया. एसोसिएशन के अध्यक्ष पी.एम. सैनी, अध्यक्ष राजेंद्र फड़, सचिव बजरंग शर्मा, उद्यमी चन्द्रशेखर भोसले, चेतन कुमार शितोले, कुन्दन दरंगे, दलबीर प्रधान, सुभाष जांगडा, दीपक ढिकले, अशोक पवार, तेजपाल सोढ़ा, राजेश इसरवाल, राजेश शर्मा, विजय लहामगे ने इस पहल में सक्रिय रूप से भाग लिया। सड़कों पर बने गड्ढे दोपहिया वाहनों के स्वास्थ्य के लिए ख़तरा बन रहे थे और वाहनों के क्षतिग्रस्त होने से दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ गई थी।

24वां सीनियर ग्रुप कार्बबॉल टूर्नामेंट शुरू

महानगर नेटवर्क
नाशिक

यहां नाशिक के पंचवटी में मीनाताई ठाकरे डिविजनल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित 24वां सीनियर ग्रुप कार्बबॉल टूर्नामेंट बड़े उत्साह के साथ शुरू हुआ। इस टूर्नामेंट में नागपुर, पुणे, मुंबई, ठाणे, सोलापुर, च. सहित विभिन्न जिलों की टीमों के 270 खिलाड़ी शामिल हुए।

सातारा, पुणे, अहिल्या नगर की टीमों ने जीत हासिल की। संभाजी नगर, परभणी, बीड, धुले, जलगांव, अमरावती, यवतमाल, अलेला, वर्धा, चंद्रपुर, बुलढाणा, नांदेड़, दातार, सांगली, नंदुरबार, जालना, अहिल्या नगर, गोंदिया, भंडारा और नासिक ने भाग लिया है। इस टूर्नामेंट का उद्घाटन मुख्य अतिथि कालिका मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष केशव अन्नसा पाटिल और खेल आयोजक चंद्रकांत बनकर ने किया। इस अवसर पर डॉ. प्रवीण मानवटकर, डॉ. अजय सोनटक्के, अशोक दुधारे, सुधीर कहाटे, विलास वाघ, राजू शिंदे और अन्य गणमान्य उपस्थित थे। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर कार्यक्रम की शुरुआत मेजर ध्यानचंद की प्रतिमा का पूजन करके की गई।

रश्मि बेडाले बनीं शहर भाजपा की महासचिव

सातपुर। भाजपा के शहर अध्यक्ष सुनील केदार ने अपने कार्यकारिणी का विस्तार किया है। जिसमें कई नए चेहरे को पार्टी कार्य करने का अवसर दिया है। रश्मि हिरे-बेडाले शहर भाजपा की महासचिव चुनी गई हैं। वह विधायक सीमा हिरे और भाजपा नेता महेश हिरे की पुत्री हैं। भाजपा के विजन को सफल बनाने में उनकी भूमिका अहम होगी। राजनीतिक हलकों में यही उम्मीद जताई जा रही है।

रेल यात्रियों का बैग चुराने वाला गिरफ्तार

महानगर नेटवर्क
नाशिक

नाशिक रोड रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने रेल यात्रियों से बैग चुराने वाले एक संदिग्ध को गिरफ्तार किया है। इस बल के पुलिस निरीक्षक नवीन प्रताप सिंह के मार्गदर्शन में सहायक निरीक्षक रविंद्र ठाकुर, असलम शाह, किशोर चौधरी, कांस्टेबल मनीष कुमार सिंह और कांस्टेबल के. के. यादव ने नासिक रोड स्टेशन क्षेत्र में गश्त के दौरान यह कार्रवाई की।14 अगस्त को अमरावती एक्सप्रेस के कोच संख्या बी-6 से एक यात्री का बैग चोरी हो गया। संदिग्ध महिला को 26 अगस्त को तुलसी एक्सप्रेस में चढ़ते और उतरते देखा गया था। उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की गई, लेकिन संतोषजनक जवाब न मिलने पर उसे आरपीएफ कार्यालय ले जाया गया। उस व्यक्ति ने अपनी पहचान तेजस अजीत छाबड़ा (उम्र 32, लोहिया रोड, नगर परिषद के पास, इगतपुरी) के रूप में बताई। सीसीटीवी फुटेज की जाँच करने पर, वह ट्रेन के एसी कोच में चढ़ते और उतरते हुए दिखाई दिया। यह स्पष्ट था कि वह देवगिरी एक्सप्रेस के ए-1 कोच से एक बैग उतार रहा था और प्लेटफार्म नंबर चार पर उसकी जाँच कर रहा था। उस बैग में टिकट निरीक्षक ए. के. यादव का पहचान पत्र, पास, नई ईएफटी बुक और काला टीटीई कोट मिला। टिकट निरीक्षक ने बताया कि चोरी के संबंध में मुंबई में मामला दर्ज किया गया है। मामला नासिक रोड स्थानांतरित किया जा रहा है। आरपीएफ ने रेलवे पुलिस से संपर्क कर मामला दर्ज किया। संदिग्ध को पुलिस के हवाले कर दिया गया।

आज मनाया जाएगा 'भटके और विमुक्त दिवस' का उत्सव

नाशिक। सरकार द्वारा 31 अगस्त को 'भटके और विमुक्त दिवस' के रूप में मनाने की स्वीकृति मिलने के बाद, भारतीय जनता पार्टी भटके और विमुक्त आघाडी 31 अगस्त को वसंत स्मृति स्थल पर इस दिवस को मनाएगी। इस अवसर पर नाशिक शहर और उसके आसपास के भटके मुक्त जाति और जनजाति के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहेंगे। 'भटके और विमुक्त दिवस' के लिए सरकार की योजना, मन की बात, और भटके विमुक्त की संस्कृति और परंपरा को दर्शाने वाले अन्य कार्यक्रम पहले भी आयोजित किए।

सरकारी अनुमति न होने के बावजूद अवैध रूप से संचालित कुछ स्कूल

महानगर नेटवर्क
नाशिक

सरकारी अनुमति न होने के बावजूद कुछ स्कूलों के अवैध रूप से संचालित होने की तस्वीरें सामने आई हैं। इनमें नाशिक रोड स्थित इंगलेनगर स्थित सेंट फ्रांसिस जेवियर इंग्लिश मीडियम स्कूल और अंबड के चुंचाले इलाके में स्थित विमलादेवी हिंदी विद्यालय शामिल हैं। इन स्कूलों को बार-बार लिखित निर्देश दिए जाने के बावजूद, उन्हें स्कूल बंद करने और छात्रों को पास के अनुमोदित स्कूलों में स्थानांतरित करने का आदेश दिया गया था। हालाँकि, देखा जा रहा है कि ये स्कूल अभी भी चल रहे हैं। नगर प्रशासन अधिकारी डॉ. मीता चौधरी ने पिछले महीने इन स्कूलों को नोटिस जारी किया था। हालाँकि, देखा जा रहा है कि ये स्कूल अपना बकाया नहीं चुका रहे हैं। इन दोनों स्कूलों से मनपा शिक्षा विभाग कार्यालय को बंद होने की रिपोर्ट मिली थी।

कुएं में गिरे युवक को बचाते समय किसान की मौत

मालेगांव। मालेगांव के जलकू शिवारा में एक कुएं में गिरे युवक को बचाने के लिए, कुएं में उतरे किसान की भी डूबकर मौत हो गई। मृतकों के नाम नीलेश राजेंद्र देवरे (23) और गोरख देवसिंह देवरे (50) हैं। घटना दोपहर में हुई। इससे इलाके में हड़कंप मच गया है। अस्ताने के नीलेश कुएं के पास से गुजरते समय फिसल गए और पानी में गिर गए। गोरख देवरे ने इस घटना को देखा और बिना देर किए कुएं में कूद गए। हालांकि, नीलेश को बचाते हुए गोरख देवरे भी डूब गए, जिससे दोनों की मौत हो गई। जैसे ही ग्रामीणों को इस घटना के बारे में पता चला, उन्होंने दोनों को कुएं से बाहर निकाला। उन्हें तुरंत इलाज के लिए सामान्य अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉ. रोहित गुंजाल ने उनकी जांच की और उन्हें मृत घोषित कर दिया।

स्कूल बस की टक्कर से बाइक सवार की मौत

महानगर नेटवर्क
सिडको

सिडको में राजे संभाजी स्टेडियम के सामने एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ, जिसमें एक स्कूल बस की टक्कर से बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका बेटा घायल हो गया। दोपहर के समय के.के. वाघ इंजीनियरिंग कॉलेज की एक बस (क्र. एमएच 15 ए. के.1038) के अचानक ब्रेक फेल हो गए। बस ने आगे चल रही एक बाइक (क्र। एमएच 14 बीयू 8134) को टक्कर मारी और उसके बाद एक ट्रक से जा टकराई। इस हादसे में बाइक चला रहे अनुपत पाटिल (65) की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। बाइक पर पीछे बैठा उनका बेटा मयूर पाटिल घायल हो गया, जिसे तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। हादसे के बाद मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई थी। बस चालक दिलीप गंगाधर गांगुर्डे (48) को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है और मामले की जांच जारी है।

भेड़ चोरी की घटनाओं की जांच में पुलिस की लापरवाही

सिन्नर। तालुका में भेड़ चोरी की घटनाओं की जांच में पुलिस की लापरवाही का आरोप लगाते हुए, महाराष्ट्र चरवाहा विरोध समिति ने नाशिक-पुणे राजमार्ग पर डोडी बुद्रुक शिवरत महलोबा पाटी में लगभग आधे घंटे तक चक्का जाम किया। इस विरोध-प्रदर्शन के कारण नाशिक-पुणे राजमार्ग पर सड़क के दोनों ओर लगभग दो किलोमीटर तक वाहनों की कतारें लग गईं। महाराष्ट्र चरवाहा विरोध समिति के पदाधिकारियों और चरवाहों ने विरोध प्रदर्शन किया।

गणेश विसर्जन के बाद ईद-ए-मिलाद का जुलूस

लासलगांव की मुस्लिम पंच समिति की बैठक में लिया गया निर्णय

महानगर नेटवर्क
लासलगांव

इस साल ईद-ए-मिलाद 5 सितंबर और गणेश विसर्जन 6 सितंबर को है। लासलगांव शहर में सामाजिक शांति बनाए रखने और दोनों समुदायों के बीच 'भाईचारा' बनाए रखने के लिए, शहर और आसपास के इलाकों के मुस्लिम भाइयों और बहनों ने गणेश प्रतिमा विसर्जन के बाद 8 सितंबर को ईद-ए-मिलाद का जुलूस निकालने का फैसला किया है। साथ ही, 5 सितंबर को पैगंबर मुहम्मद साहब के जन्मदिन के अवसर पर, ग्रीन आर्मी के सहयोग से शहर में वृक्षारोपण सहित अन्य सामाजिक गतिविधियाँ भी की जाएंगी, मुस्लिम पंच समिति ने जानकारी दी है। इस अवसर पर सपोनी शिंदे ने मुस्लिम समुदाय से ईद-ए-मिलाद को उत्साहपूर्ण लेकिन शांतिपूर्ण वातावरण में मनाने का आग्रह किया। उन्होंने लोगों से जुलूस में डीजे जैसे किसी भी प्रकार के वाद्य यंत्र का उपयोग न करने और इस बात का विशेष ध्यान रखने की अपील की कि किसी भी समुदाय की धार्मिक भावनाओं को ठेस न पहुंचे और किसी को भी परेशानी न हो। लासलगांव शहर में हिंदू-मुस्लिम एकता की परंपरा को हमेशा कायम रखते हुए, पैगम्बर मुहम्मद साहब के जन्मदिवस के अवसर पर निकाले जाने वाले जुलूस के मार्ग पर कुछ गणेश मंडलों की स्थापना की गई है। इसी क्रम में कानून-व्यवस्था की किसी भी समस्या से बचने के लिए, जामा मस्जिद मुस्लिम पंच और समस्त मुस्लिम समुदाय ने गणेश विसर्जन के बाद ईद-ए-मिलाद मनाने का निर्णय लिया है।

महानगर मीडिया नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अंतेश आर सिंह द्वारा, महानगर मीडिया नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, यूनिट नं.11-12, देह बानू कॉम्पलेक्स, बाफना ज्वेलर्स के पास, नाशिक-पुणे रोड, दत्त मंदिर, नाशिक रोड-422101 से प्रकाशित एवं डांगट मीडिया प्रा.लि., 22, दीघा एम आई डी सी, टी टी सी इंडस्ट्रियल एरिया, विष्णु नगर, दीघा, नवी मुंबई - 400708 में मुद्रित. ● फोन नंबर: 0253-2469848 ईमेल : hmahanagar@gmail.com
● कार्यकारी संपादक : राघवेंद्र नाथ द्विवेदी* (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)

काशी में सीएम योगी ने किया जनता दर्शन

बाढ़, पीड़ितों का जाना हाल, परियोजनाओं की मॉनिटरिंग कर अधिकारियों को दिए निर्देश

महानगर संवाददाता
वाराणसी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पहली बार गोरखपुर और लखनऊ से बाहर काशी में जनता दर्शन किया। शनिवार सुबह आठ बजे से योगी सर्किट हाउस में लोगों से मिले। लगभग 50 लोग इस जनता दर्शन में शामिल हुए। मुख्यमंत्री आमतौर पर गोरखपुर में जनता दर्शन करते हैं। राज्यभर से लोग इस जनता दर्शन में शामिल होने अपनी समस्याएं लेकर जाते हैं। काशी के सर्किट हाउस में लगे मुख्यमंत्री के जनता दरबार में 100 लोगों के बैठने की व्यवस्था की गई थी। वह सुबह करीब सवा सात बजे तक फुल हो गईं। इसके बाद अधिकारी बाहर खड़े लोगों से एप्लिकेशन लेते रहे। लोग अंदर जाने की जिद करते रहे इस पर अफसर समझाते रहे कि एप्लिकेशन दे दीजिए, सभी एप्लिकेशन मुख्यमंत्री कार्यालय ही जाएंगी। जनता दर्शन में सनबीम स्कूल के मृतक शिक्षक प्रवीण झा की पत्नी से सीएम ने एक मिनट बात कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया।

बता दें कि वाराणसी आने पर हर बार सीएम जनप्रतिनिधियों और शहर के लगभग 30-35 प्रमुख लोगों से मुलाकात करते हैं। ये लोग बंद कमरे में सीएम से मिलते हैं। राज्यमंत्री रविंद्र जायसवाल के मुताबिक, इस बार काशी के लोगों से मुलाकात के लिए जनता दर्शन जैसी व्यवस्था की गई है।

किसी भी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं

इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वाराणसी में चल रहे विकास परियोजनाओं को युद्ध स्तर पर अभियान चलाकर निर्धारित समय सीमा के अंतर्गत गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराए जाने हेतु संबंधित विभागीय अधिकारियों एवं कार्यदाई संस्थाओं के अभियंताओं को निर्देशित किया। उन्होंने विशेष रूप से जोर देते हुए कहा कि परियोजनाओं की मॉनिटरिंग उच्च स्तर पर की जाती है, इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता कतई नहीं होनी चाहिए। उन्होंने अपराधियों पर भी नकेल कसे जाने हेतु पुलिस अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि अपराधियों में पुलिस का भय स्पष्ट दिखना चाहिए। उन्होंने वर्तमान में दोबारा वाराणसी में आए बाढ़ की स्थिति पर पैनी नजर रखे जाने का निर्देश देते हुए कहा कि बाढ़ पीड़ितों को प्राथमिकता पर राहत उपलब्ध कराई जाए।

राहत शिविर में बुनियादी सहायता पर जोर

इस दौरान सीएम वाराणसी के जेपी मेहता इंटर कॉलेज में बाढ़ पीड़ित परिवारों के बीच पहुंचे। उनका हालचाल भी जाना। राहत सामग्री वितरित की। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार हर हाल में बाढ़ प्रभावित परिवारों के साथ खड़ी है। उनकी हर बुनियादी जरूरत प्राथमिकता पर पूरी की जाएगी। अधिकारियों को निर्देश दिया कि राहत सामग्री वितरण में लापरवाही न हो और हर जरूरतमंद तक सहायता पहुंचनी चाहिए। बाढ़ राहत शिविर में रह रहे छोटे-छोटे बच्चों को मुख्यमंत्री ने दुलार करते हुए उन्हें चॉकलेट के पैकेट दिए। मुख्यमंत्री के हाथों बच्चे जैसे ही चॉकलेट का पैकेट पाए, खिलखिला उठे।

विपक्ष पर डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक का हमला

सत्ता की भूख में संस्कारों को तिलांजलि दे चुके सपा-कांग्रेस

महानगर संवाददाता
अयोध्या

उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक शनिवार को अयोध्या पहुंचे। यहां उन्होंने हाल ही में दिवंगत राम मंदिर ट्रस्ट के वरिष्ठ सदस्य और अयोध्या राज परिवार के मुखिया स्व. बिमलेंद्र मोहन प्रताप मिश्र को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उन्होंने बिमलेंद्र मोहन के योगदान को याद करते हुए कहा कि उनका जाना एक बड़ी क्षति है।

मीडिया से बातचीत में डिप्टी सीएम ने कई अहम मुद्दों पर अपनी बात रखी। उन्होंने सबसे पहले बिहार की राजनीति पर विपक्ष को घेरा। उन्होंने कहा कि हाल ही में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के मंच से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए जिस तरह की अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया गया, वह बेहद

दुर्भाग्यपूर्ण है। इंडी गठबंधन के लोग लगातार भाषाई संयम खो रहे हैं। खासकर कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और आरजेडी सत्ता की भूख में भारतीय संस्कारों को तिलांजलि दे चुके हैं।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर भी डिप्टी सीएम ने निशाना साधा। कहा कि उन्हें अपने गिरेबान में झांकना चाहिए। जनता की समस्याओं से उनका कोई सरोकार नहीं है। सत्ता को केवल परिवार तक सीमित करना उनका मकसद रहा है। संभल हिंसा पर उन्होंने कहा कि रिपोर्ट पेश कर दी गई है। अब कानून के तहत सख्त कार्रवाई होगी।

पीएम की मां को अपशब्द नहीं स्वीकार करेंगे देश के लोग

डिप्टी सीएम ने आगे कहा कि कभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए अपशब्द बोले जाते हैं, तो कभी उनकी दिवंगत मां के खिलाफ अभद्र भाषा का उपयोग किया जाता है। यहां तक कि गृहमंत्री अमित शाह को भी अशोभनीय शब्दों से नवाजा गया। इस तरह की भाषा को न भारत स्वीकार करेगा और न बिहार के लोग। पूरा देश पीएम मोदी के साथ खड़ा है। विपक्ष केवल फ्रस्ट्रेशन में इस तरह की हरकतें कर रहा है।

ट्रेन में आतंकी की सूचना पर हुई तलाशी, निकला अग्निवीर

महानगर संवाददाता
बस्ती

नेपाल के रास्ते बिहार में घुसे पाकिस्तानी आतंकियों के आम्रपाली एक्सप्रेस से यात्रा करने की सूचना पर ट्रेन में खलबली मच गई। ट्रेन को बस्ती में रोककर सभी बोगियों की तलाशी ली गई। जिस पर आतंकी होने का संदेह था, वह अग्निवीर निकला।

आरपीएफ और जीआरपी मामले की गहन जांच कर रही है। दो दिन पहले नेपाल के रास्ते तीन पाकिस्तानी आतंकी बिहार में प्रवेश करने की खुफिया रिपोर्ट के बाद से सुरक्षा एजेंसियां बेहद चौकन्ना है। तीनों आतंकियों के स्केच जारी किए गए हैं। शनिवार को आम्रपाली एक्सप्रेस

में यात्रा कर रही एक महिला ने एक्स (ट्विटर) पर मैसेज पोस्ट किया कि जिन आतंकियों का स्केच जारी करके तलाश किया जा रहा है वह इसी ट्रेन में यात्रा कर रहा है। इस सूचना पर बस्ती पहुंचते ही ट्रेन रोकी गई और पूरी ट्रेन की तलाशी ली गई। जीआरपी इंस्पेक्टर ने बताया कि ट्रेन में मिले व्यक्ति की पहचान दीपक कुमार झा पुत्र विनोद कुमार झा निवासी ग्राम चकला पोस्ट पंजर कट्टा थाना नरपतगंज जनपद अररिया राज्य बिहार के रूप में की गई है।

बिजली दरों में 2.34 फीसदी की होगी बढ़ोतरी

महानगर संवाददाता
लखनऊ

प्रदेश के विद्युत उपभोक्ताओं को सितंबर माह के ईंधन अधिभार के रूप में 2.34 फीसदी अधिक बिजली बिल का भुगतान करना होगा। मई माह का ईंधन अधिभार शुल्क अगस्त माह के बिजली बिल में जुड़कर आया है, जो 0.24 फीसदी है। अब जून माह का ईंधन अधिभार शुल्क 2.34 फीसदी सितंबर माह के बिजली बिल में जुड़कर आएगा। इस वृद्धि से सितंबर माह में कुल 184.41 करोड़ की वसूली होगी। विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने मांग की है कि निगमों पर विद्युत उपभोक्ताओं का 33122 करोड़ सरप्लस चल रहा है। इस रकम को ईंधन

अधिभार शुल्क के रूप में भी समायोजित किया जा सकता है। इससे उपभोक्ताओं को अतिरिक्त रकम नहीं चुकानी होगी। साथ ही निगमों पर उपभोक्ताओं की सरप्लस रकम भी धीरे-धीरे कम हो जाएगी।

लखनऊ के जानकीपुरम जोन के 2.95 लाख उपभोक्ताओं की बिजली व्यवस्था को चौकस करने के लिए 85 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इससे नौ उपकेंद्रों पर पांच-पांच एमवीए के पॉवर और 80 जगहों पर छोटे ट्रांसफार्मर लगेंगे। इस काम के लिए टेंडर की प्रक्रिया शुरु हो चुकी है। दिसंबर से काम शुरू होने के आसार हैं। बिजली से जुड़े ये सुधार कार्य बीकेटी, जानकीपुरम, डालीगंज, विश्वविद्यालय, महानगर, सीतापुर रोड खंड के इलाकों में होंगे।

कॉलोनी में लगेंगे नए ट्रांसफार्मर

पुरनिया एवं गोयल उपकेंद्र के अलीगंज कॉलोनी के 32 जगहों पर 250 एवं 400 केवीए के नए ट्रांसफार्मर लगाए जाएंगे। इससे उपभोक्ताओं को कम से कम बिजली संकट झेलना पड़ेगा। इसके अलावा सेक्टर एच महालक्ष्मी स्वीट्स के पास, सेक्टर जी ट्यूबवेल पार्क, केंद्रांचल कॉलोनी गेट, जनपथ रोड, डंडहिया मार्केट, नीमवाला पार्क सेक्टर जे, पुराना हनुमान मंदिर, एलडीए स्टेडियम सेक्टर एच, कामायनी पार्क सेक्टर के, सेक्टर पी मॉडल शॉप के पास, रामलीला मैदान सेक्टर ए, पुरनिया क्रॉसिंग, पोस्ट ऑफिस सेक्टर डी, सेक्टर सी, जच्चा-बच्चा अस्पताल सेक्टर सी, सांई मंदिर सेक्टर ई, शिवालापुरम सेक्टर सी, उस्मानपुर गांव, राम राम बैंक बस स्टैंड, टेलीफोन स्टैंड, पूर्णिमा वर्मा आवास के निकट सेक्टर जे, सेक्टर एन-1 बड़ा पार्क, आरएसआई कॉलोनी सेक्टर जे, सेक्टर क्यू चौराहा, सेक्टर पी चौराहा तिकोनिया पार्क, रामलीला मैदान, सेक्टर डी बीएसएनएल कॉलोनी के निकट, शाक भाजी कोल्ड स्टोर सेक्टर जी, वर्मा आटा चक्की सेक्टर एल, उस्मान एन्क्लेव सेक्टर ओ, केंद्रीय विद्यालय गेट आदि पर 250 एवं 400 केवीए के नए ट्रांसफार्मर लगेंगे।

जैश के आतंकियों को लेकर कुशीनगर में हाई अलर्ट

महानगर संवाददाता
कुशीनगर

नेपाल के रास्ते बिहार में आतंकी संगठन जैश ए मुहम्मद के तीन पाकिस्तानी आतंकियों के प्रवेश के बाद कुशीनगर में भी अलर्ट है। इनकी सूचना देने पर मोतीहारी पुलिस ने 50 हजार रुपये का इनाम रखा है। दूसरी ओर पूरे बिहार में भी हाई अलर्ट जारी किया गया है। आशंका जताई जा रही है कि ये आतंकी देश के किसी भी राज्य में आतंकी घटना को अंजाम दे सकते हैं। कुशीनगर के यूपी बिहार सीमा पर शुक्रवार को पुलिस वाहनों की जांच की है। हर आने जाने वाले से गहन पूछताछ की। उनका पहचान पत्र देखा। बताया जा रहा है कि खुफिया एजेंसी को अगस्त के दूसरे सप्ताह में पाकिस्तान के तीन आतंकियों के नेपाल के काठमांडू पहुंचने की जानकारी मिली थी। तीसरे सप्ताह के अंत में ये नेपाल बार्डर पार कर बिहार में दाखिल हो गए। इसकी जानकारी मिलते ही खुफिया एजेंसियां और बिहार पुलिस सक्रिय हो उठी। पूर्वी चंपारण जनपद की मोतिहारी पुलिस ने गुरुवार को प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के तीनों पाकिस्तानी आतंकी हसनैन निवासी रावलपिंडी, आदिल हुसैन निवासी उमरकोट, आदिल हुसैन निवासी बहावलपुर का फोटो जारी कर 50 हजार रुपये का इनाम भी घोषित कर दिया।

नकली दवाओं के कारोबारियों को हो कड़ी सजा : रामजीलाल सुमन

महानगर संवाददाता
आगरा

सपा के राज्यसभा सदस्य रामजीलाल सुमन ने देश में भारी मात्रा में नकली दवाओं की बिक्री पर सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि, नकली दवाओं के अवैध व्यापार को रोकने के लिए सरकार में दृढ़ इच्छा शक्ति की कमी है। जानलेवा गोरखधंधे में संलिप्त व्यापारियों पर मनोवैज्ञानिक दबाव नहीं होने की वजह से करोड़ों लोगों की जिंदगी से खिलवाड़ किया जा रहा है।

विश्व स्वास्थ संगठन की रिपोर्ट में

बताया गया है कि, पूरी दुनिया में नकली दवाओं का कारोबार 17 लाख करोड़ से अधिक का है। भारत इस गोरखधंधे की प्रमुख मंडी है। महाराष्ट्र के चिकित्सा शिक्षा मंत्री ने सदन में स्वीकार किया है कि, सरकारी अस्पतालों में भी मरीजों को नकली दवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। हालात से निपटने हेतु गुनहगारों को दंड दिलाने की न्यायिक प्रक्रिया बेहद लचीली है, सरकार का रुख भी इनके प्रति उदार है, जिससे गुनहगार बड़ी आसानी से बच जाते हैं। शनिवार को संजय प्लेस के एचआइजी फ्लैट स्थित आवास पर प्रेस वार्ता में रामजीलाल सुमन ने कहा कि, राज्यसभा में उनके द्वारा पूछे गए प्रश्न के जवाब में सरकार ने बताया है कि, वर्ष 2019 से 2025 के बीच 5,74,233 दवाओं के नमूने लिए गए थे, जिनमें सिर्फ 16,839 दवाइयां ही गुणवत्ता के मानकों के अनुरूप पाई गईं।

फर्जी प्रमाण पत्र लगाकर एमबीबीएस में लिया दाखिला

लखनऊ। नीट यूजी 2025 की काउंसिलिंग में सतर्कता के बाद भी सेंध लग गई। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आश्रित का फर्जी प्रमाण पत्र लगाकर 79 अभ्यार्थियों ने सीटों पर आवंटन पा लिया। इनमें 71 ने प्रवेश प्रक्रिया पूरी कर दाखिला भी ले लिया। मामला पकड़ में आया तो जिलाधिकारियों से सत्यापन कराया गया। जांच में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आश्रित के प्रमाण पत्र फर्जी मिले। इसके बाद शुक्रवार को सभी 71 का दाखिला निरस्त कर दिया गया है। इन छात्रों के खिलाफ केस भी दर्ज कराया जाएगा।

आवेदन निरस्त

प्रदेश के राजकीय एवं स्वशासी मेडिकल कॉलेजों एवं चिकित्सा संस्थानों में पहले चरण में 4442 सीटों पर दाखिले की प्रक्रिया शुरू हुई। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आश्रित उपश्रेणी के तहत दो प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण की व्यवस्था है। इस श्रेणी में 88 सीटें आवंटन के लिए तय थीं। 79 सीटें ऑनलाइन काउंसिलिंग के जरिए आवंटित की गईं। इनमें 71 अभ्यर्थियों ने संबंधित कॉलेजों में प्रवेश ले लिया।

कॉलेजों-स्कूलों में पढ़ाई जाएगी शुभांशु की सफलता

महानगर संवाददाता
लखनऊ

विंग कमांडर शुभांशु शुक्ला के इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन के सफर और उनकी इस ऐतिहासिक उपलब्धि को अब जन-जन तक पहुंचाने की तैयारी है। एक तरफ जहां प्राविधिक विश्वविद्यालय अपने 750 से अधिक इंजीनियरिंग कॉलेजों में पढ़ रहे 5 लाख से अधिक बच्चों को इसरो की ओर से तैयार माइनर कोर्स पढ़ाने जा रहा है तो वहीं राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) बेसिक शिक्षा परिषद और माध्यमिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों में शुभांशु शुक्ला के सफर और भारत के अंतरिक्ष अभियानों के बारे में बच्चों को जागरूक करने की तैयारी में है। वहीं

दूसरी ओर शुभांशु 9 सितंबर को एकेटीयू के दीक्षांत समारोह में शामिल होंगे। विभिन्न कक्षाओं में भारतीय अंतरिक्ष अभियान के बारे में पढ़ाया जाएगा। वहीं दूसरी तरफ शुभांशु शुक्ला ने राजधानी लखनऊ के सिटी मांटेसरी स्कूल में अपनी पढ़ाई की है। इस स्कूल में भी उनके अभियान से प्रेरणा लेकर बच्चों को स्पेस टेक्नोलॉजी और एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग आदि के बारे में पढ़ाने के लिए लैब की स्थापना की गई है।

स्पेस टेक्नोलॉजी पर आधारित होगा पाठ्यक्रम

एकेटीयू के बीटेक छात्रों के लिए तैयार किए गए स्पेशल कोर्स को लेकर जल्द ही डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान केंद्र (इसरो) के बीच एमओयू (Memorandum of Understanding) होने जा रहा है। इसके तहत भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान केंद्र इसरो प्राविधिक विश्वविद्यालय के 750 से अधिक इंजीनियरिंग कॉलेज के बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी के छात्रों को स्पेस टेक्नोलॉजी विषय पर कोर्स पढ़ाएगा।

प्रेमिका ने इंजीनियर प्रेमी संग मिलकर मां को मारा, सजा

महानगर संवाददाता
शाहजहांपुर

जिले के डीएम कंपाउंड के सर्वेंट क्वार्टर में दो वर्ष पूर्व रामबेटी की हत्या में उनकी बेटी पुष्पा और पीडब्ल्यूडी के सहायक अभियंता राकेश कुमार को कोर्ट ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। बेटी से एई के नजदीकी संबंधों पर आपत्ति करने पर दोनों ने मिलकर सिर पर लोहे के पाइप से प्रहार कर महिला की हत्या कर दी थी। कोर्ट ने सजा सुनाते हुए टिप्पणी की कि पुष्पा ने रिश्तों का खून किया है।

सिंधौली के ढकिया हमीरनगर निवासी रामबेटी बेटी पुष्पा के साथ सर्वेंट क्वार्टर में रहती थीं। जांच में सामने आया कि हापुड़ निवासी और पीडब्ल्यूडी के एई राकेश कुमार के घर में रामबेटी की बेटी पुष्पा खाना बनाती थी। पुलिस ने दोनों की कॉल डिटेल निकलवाई तो सामने आया कि पुष्पा और राकेश के बीच फोन पर लंबी बातचीत होती थी। सीसी फुटेज में घटना की रात राकेश रामबेटी के घर जाते और वापस आते दिखाई दिया था। अपर सत्र न्यायाधीश आशीष वर्मा ने गवाहों के बयान और साक्ष्यों के आधार पर राकेश और पुष्पा को दोषी माना और दोषियों को सजा सुनाई।

मड़ियाहू बार एसोसिएशन चुनाव

घनश्याम मिश्रा अध्यक्ष, अशोक यादव महामंत्री बने

महानगर संवाददाता
जौनपुर

मड़ियाहू तहसील में शनिवार को तहसील बार एसोसिएशन चुनाव में अधिवक्ताओं के बीच कड़ा मुकाबला रहा। मतगणना पूर्ण होने पर अधिवक्ता घनश्याम मिश्र ने अपने निकटतम प्रतिवादी वरिष्ठ अधिवक्ता के.के.सिह को 29 मतों से पराजित कर अध्यक्ष पद अपने नाम किया।

वहीं महामंत्री पद पर भी चुनाव बेहद रोमांचक रहा अधिवक्ता अशोक कुमार यादव ने 58 मत हासिल कर अपने निकटतम

प्रतिद्वंदी अधिवक्ता बृज लाल यादव को 11 मतो से पराजित किया। इस पद पर राम प्यारे मौर्या को 37 श्री प्रकाश मिश्र को 22 और सुरेंद्र कुमार यादव को 33 मत मिले। निर्वाचन अधिकारी अधिवक्ता रामलखन पटेल तथा सहायक के रूप में सूबेदार यादव, सुरेश कुमार, रामधारी यादव, शिवाजी यादव और नंद किशोर की देखरेख में चुनाव प्रक्रिया संपन्न हुई।

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से युवक की मौत

आजमगढ़। क्षेत्र के जीवली—देवगांव मार्ग पर स्थित पारा गांव के मोड़ के पास शनिवार की भोर में सड़क के किनारे का युवक शव मिलने से सनसनी फैल गई। शुक्रवार की रात में वह घर से निकला था। अज्ञात वाहन की चपेट में आने से उसकी मौत हो गयी। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच की। बबलू बनवासी रात में घर से निकला था, और वह घर नहीं पहुंचा था। परिवार के लोगों का अंदेशा हुआ कि वे पाही के दूसरे घर पर होंगे। शनिवार की भोर में जीवली-देवगांव मार्ग पर पारा गावं के पास उसका शव पड़ा हुआ मिला। जानकारी होने पर आस—पास के लोग पहुंचे, उन्होंने पुलिस को सूचना दी।

शराब पीने से दो किसानों की मौत, परिवार में कोहराम

महानगर संवाददाता
बरेली

जिले के अलीगंज थाना क्षेत्र के गांव तिगाई दत्तनगर में शराब पीने से दोनों किसानों की मौत गई। तीसरे व्यक्ति का इलाज शहर के निजी अस्पताल में चल रहा है, जिसकी हालत गंभीर बताई गई है। पुलिस ने शनिवार को मृतकों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। वहीं, एक साथ दो लोगों की मौत होने से गांव में मातम पसर गया। मृतकों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

सूचना पाकर आंवला एसडीएम विदुषी सिंह, जिला आबकारी अधिकारी हुकुम सिंह, सीओ आंवला नितिन कुमार व थानाध्यक्ष राजितराम पहुंचे। अधिकारियों ने परिजनों व ग्रामीणों से पूछताछ की। घटना के संबंध में अधिकारियों को कहना है कि दोनों लोगों की मौत कैसे हुई, इसका सही कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चल पाएगा। तिगाई दत्तनगर निवासी गणेश ने बताया कि शुक्रवार सुबह करीब आठ बजे उनके भतीजे रामवीर पुत्र पर्वत (38 वर्ष) ने गांव के ही सूरजपाल पुत्र लालेराम (55 वर्ष) और भगवान दास पुत्र छोटे (39 वर्ष) ने विजयपाल के ट्यूबवेल पर शराब पी। शराब पीने के लगभग तीन घंटे बाद तीनों लोगों की हालत बिगड़ गई। तीनों को अलीगंज के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

हालत ज्यादा बिगड़ने पर देर रात तीनों को बरेली रेफर किया गया। बरेली जाते समय रामवीर ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया, जबकि सूरजपाल की शनिवार तड़के करीब तीन बजे मौत हो गई। भगवानदास का बरेली के अस्पताल में इलाज चल रहा है, जिसकी हालत गंभीर बताई गई। रामवीर और सूरजपाल छोटे किसान थे। गांव में खेतीबाड़ी व मजदूरी करके अपने परिवार का पालन पोषण करते थे। रामवीर के पास चार बीघा जमीन है। उसके चार बच्चे हैं, जिनमें दो लड़के और दो लड़कियां है। सूरजपाल के पास दो बीघा जमीन है, उसक एक बेटा और एक बेटी है।

पूर्वांचल में भारी बारिश के आसार, अलर्ट जारी

प्रयागराज और कानपुर में अभी नहीं टला बाढ़ का खतरा

महानगर संवाददाता
लखनऊ

उत्तर प्रदेश में रुक-रुक कर बारिश का दौर जारी है। इस बीच मौसम विभाग ने पश्चिमी यूपी के लिए रविवार के लिए ऑरेंज अलर्ट और पूर्वी यूपी के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। वहीं लखनऊ, कानपुर, अयोध्या, आगरा, मेरठ और गाजियाबाद समेत कई जिलों में बारिश की संभावना जताई गई है। इसका असर 2 सितंबर तक रहने का अनुमान है, जिससे लोगों को उमस से राहत मिलने की उम्मीद है। वहीं कानपुर और प्रयागराज में गंगा का जलस्तर अब भी 84 मीटर के ऊपर है। ऐसे में बाढ़ का खतरा अभी बना हुआ है।

यूपी के कई शहर पिछले कई हफ्तों से बाढ़ का कहर झेल रहे हैं। इनमें मथुरा, प्रयागराज, कानपुर और वाराणसी में सबसे ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई जिलों में जहां यमुना और गंगा का जलस्तर कम हो रहा है। वहीं, अभी भी एक-दो जिलों में जलस्तर बढ़ ही रहा है। इसका कारण भारी बारिश और बैराजों से छोड़ा जा रहा पानी है। तटीय इलाकों में रह रहे लोगों को नदी के पास के इलाकों से हटाकर ऊंचे इलाकों पर भेजा गया है। नदियों पर बने पुल ये यातायात भी बंद किए गए हैं। मथुरा में यमुना में एक बार फिर जलस्तर बढ़ गया है। हर रोज बढ़ते यमुना के जलस्तर का वेग तेज हो गया। जहां एक ओर यातायात अवरुद्ध हुआ है तो वहीं पशुपालकों के सामने चारे का संकट उत्पन्न हो गया है। किसानों की फसल बर्बाद हो गई है।

बंगाल की खाड़ी से उठ रहा सिस्टम

मौसम विभाग के मुताबिक बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक लो प्रेशर एरिया बन रहा है, जो अगले कुछ घंटों में पश्चिमी दिशा की ओर बढ़ेगा। इसका असर आज रविवार (31 अगस्त) की शाम से लखनऊ और आसपास के जिलों में दिखना शुरू हो सकता है। 31 अगस्त और 1 सितंबर को तेज हवाओं के साथ बारिश की आशंका है। कुछ जिलों के लिए बिजली गरजने और गिरने की भी चेतावनी की गई है। पूर्वी और पश्चिमी यूपी के जिलों पर इसका असर दिखेगा। फिलहाल मानसून की ट्रफ लाइन पश्चिम से दक्षिण की ओर आ रही रही है। यही कारण है कि अगले दो से तीन दिनों में बारिश की उम्मीद है। वहीं कई जिलों में जहां यमुना और गंगा का जलस्तर कम हो रहा है तो एक-दो जिलों में जलस्तर बढ़ भी रहा है।

तेज आवाज में डीजे बजाने पर दो पक्षों में विवाद

महानगर संवाददाता
गोंडा

यूपी के गोंडा में तेज आवाज में डीजे बजाने पर दो पक्षों में विवाद हो गया। इस दौरान आरोपी ने युवक की पिटाई कर दी। आरोप है कि दबंग ने पीड़ित को जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़ित ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना गौरा चौराहा क्षेत्र के त्रिलोकपुर गांव के मजरा हज्जीडीह की है। त्रिलोकपुर निवासी उबैदुर्रहमान ने बताया कि उसके भाई का बैल खूंटे की रस्सी तोड़कर भाग गया था। बैल पकड़ने के लिए वह पीछे-पीछे दौड़ा। बैल गांव के ही एजाज अहमद उर्फ गुल्ले के घर के पास पहुंचा तो एजाज ने अपना डीजे का

साउंड और तेज कर दिया। उबैदुर्रहमान ने आगे बताया कि डीजे की तेज आवाज से उसे बैल पकड़ने में परेशानी हुई। जब उसने विरोध किया तो एजाज गाली-गलौज करते हुए मुक्का, थप्पड़ और डंडे से मारने लगे। साथ ही जान से मारने की धमकी भी दी। प्रभारी निरीक्षक अनिल कुमार सिंह ने बताया कि मामले में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

ट्रंप ने फोन पर कही ऐसी बात, भड़क गए थे मोदी!

ट्रंप चाहते थे कि पीएम मोदी उन्हें उन्हें नोबेल पुरस्कार के लिए नॉमिनेट करें

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

अमेरिका राष्ट्रपति ट्रंप की ओर से भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाने के बाद दोनों देशों के रिश्तों में दूरियां बढ़ गई है। हालांकि भारत-अमेरिका के मौजूदा रिश्ते अचनाक नहीं बिगड़े। ट्रंप ने बार-बार कहा है कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता कराई थी, लेकिन भारत ने हर बार उनके दावे को खरिज किया। पाकिस्तान ने जब ट्रंप का नाम नोबेल पुरस्कार के लिए नॉमिनेट किया तो अमेरिकी राष्ट्रपति भारत से भी यही आस लगाए बैठे थे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक 17 जून 2025 को अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने पीएम मोदी को फोन किया। ट्रंप चाहते थे कि पीएम मोदी उन्हें नोबेल पुरस्कार के लिए नॉमिनेट करें। दोनों नेताओं के बीच करीब 35 मिनट तक बात हुई। ट्रंप की मांग पर पीएम मोदी भड़क गए थे। ट्रंप ने फोन कॉल पर कहा, 'पाकिस्तान उन्हें नोबेल पुरस्कार के लिए नॉमिनेट करने वाला है।' इसका मतलब था कि वह चाहते थे कि भारत भी ऐसा करे। हालांकि वे खुद से भी नोबेल पुरस्कार को लेकर अभियान चला रहे थे। ट्रंप के इस कॉल पर पीएम मोदी भड़क गए और दो टूक कहा कि भारत-पाकिस्तान सीजफायर में अमेरिका का कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा कि सीजफायर भारत और पाकिस्तान के बीच तय हुआ था। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ट्रंप ने पीएम मोदी के इन बातों को नजरअंदाज कर दिया, लेकिन नोबेल पुरस्कार के लिए उनका ट्रंप को नॉमिनेट नहीं करना अमेरिकी राष्ट्रपति के मन में खटास पैदा कर दिया।

ITR के लिए आयकर विभाग भेज रहा मैसेज

3 लाख सालाना सैलरी वाले फाइल करें या नहीं?

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

जिन लोगों का आयकर ऑडिट नहीं होता, उनके लिए आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने की अंतिम तिथि 15 सितंबर 2025 है। अब केवल तीन हफ्ते बचे हैं और इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने इस बारे में SMS रिमाइंडर भेजना शुरू कर दिया है। आयकर विभाग की ओर से भेजे जा रहे SMS में लिखा है- अब तक 3 करोड़ से ज्यादा आईटीआर दाखिल किए जा चुके हैं! कृपया 15.09.25 से पहले ई-फाइलिंग पोर्टल पर AY 2025-26 के लिए अपना आईटीआर दाखिल और ई-वेरिफिकेशन करें। ऐसे में अब सवाल है कि किसके लिए आयकर रिटर्न दाखिल करना जरूरी है। क्या उन लोगों के लिए भी रिटर्न फाइल करना जरूरी है, जिसकी सालाना सैलरी 3 लाख रुपये तक है? नांगिया एंड कंपनी एलएलपी की कार्यकारी निदेशक

संजोली माहेश्वरी ने कहा- वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए आयकर रिटर्न दाखिल करने की आय सीमा टैक्सपेयर की कुल आय और चुने गई टैक्स रिजीम यानी पुरानी या नई टैक्स रिजीम पर आधारित है। संजोली माहेश्वरी ने कहा- यदि टैक्सपेयर की कुल आय मूल छूट सीमा से अधिक है तो टैक्सपेयर को अनिवार्य रूप से आईटीआर दाखिल करना चाहिए। नई टैक्स व्यवस्था के लिए मूल छूट सीमा 3 लाख रुपये और पुरानी टैक्स व्यवस्था के लिए 2.5 लाख रुपये है। आईटीआर फॉर्म एक (सहज) और आईटीआर फॉर्म चार (सुगम) सरल फॉर्म हैं जो बड़ी संख्या में छोटे तथा मध्यम करदाताओं की जरूरतों के अनुरूप हैं।

भारत हर कदम पर यूक्रेन के साथ

पीएम मोदी ने जेलेंस्की से की बात

जल्द शांति बहाली का आश्वासन

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की से टेलीफोन पर बात की। उन्होंने कहा कि भारत हर कदम पर यूक्रेन के साथ है। इस दौरान उन्होंने यूक्रेन को लेकर हालिया डेवलपमेंट्स पर अपना नजरिया साझा किया। पीएमओ ने इस बारे में जानकारी साझा की है। पीएम मोदी ने यूक्रेनी राष्ट्रपति को धन्यवाद दिया और साथ ही जल्द शांति बहाली का आश्वासन भी दिया। प्रधानमंत्री ने जेलेंस्की से कहा कि भारत यूक्रेन में शांति स्थापित करने के लिए लगातार प्रयासरत है। पीएम मोदी ने यह भी कहा कि भारत इस दिशा में सभी जरूरी सहायता उपलब्ध कराएगा। बता दें कि यह महीने भर में दूसरी बार है जब पीएम मोदी ने जेलेंस्की से बात की है। यूक्रेन के राष्ट्रपति

जेलेंस्की ने इसको लेकर ट्वीट किया है। जेलेंस्की ने एक्स पर लिखा है कि मैंने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात की। मैंने उनसे बताया कि वॉशिंगटन में यूरोपियन नेताओं की मौजूदगी में मेरे और ट्रंप के बीच क्या बातचीत हुई थी। उन्होंने एक बार फिर दोहराया कि यूक्रेन अब भी रूस के साथ बातचीत के लिए तैयार है। जेलेंस्की ने लिखा है कि इन बातों को करीब दो हफ्ते का वक्त बीत चुका है, लेकिन रूस की तरफ से कोई सकारात्मक संकेत नहीं मिला है। इसके बदले उन्होंने हमारे सिविलियन ठिकानों पर बमबारी की और दर्जनों नागरिकों को मारा है। जेलेंस्की ने आगे लिखा है कि पीएम मोदी ने यूक्रेन के पीड़ित परिवारों को दिलासा दी। उन्होंने मृत आत्माओं की शांति की कामना की है। इसके लिए मैंने पीएम मोदी का धन्यवाद अदा किया।

वित्त मंत्री सीतारमण ने स्टालिन पर साधा निशाना

कहा- कुछ ताकतों ने मूपनार को पीएम बनने से रोका

महानगर नेटवर्क
चेन्नई

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु में कुछ ताकतों ने तमिल मनीला कांग्रेस के संस्थापक और दिवंगत नेता जी के मूपनार को देश का प्रधानमंत्री बनने से रोका। मूपनार की 24वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद केंद्रीय वित्त मंत्री ने कहा कि ये ताकतें जो अक्सर तमिल, तमिल संस्कृति और तमिल भाषा को बढ़ावा देने की बात करती हैं, ये वही ताकतें हैं, जिन्होंने अवसर आने पर मूपनार को प्रधानमंत्री पद पर आसीन होने से रोका। सीतारमण ने कहा कि अपने कॉलेज के दिनों में जब उनकी राजनीति में रुचि उभर रही थी, तब वे मूपनार को तमिलनाडु के एक व्यापक रूप से सम्मानित व्यक्ति के रूप में देखती थीं। मूपनार अपनी सादगी और ईमानदारी के लिए जाने जाते हैं और वह एक राष्ट्रवादी नेता थे। वह देशभर में एक सम्मानित नेता थे। उन्हें बिहार ही नहीं, हरियाणा और देश के कोने-कोने में जाना जाता था। सीतारमण ने आरोप लगाया कि मूपनार का कद प्रभावशाली था। उन्हें जानने वाले लोग उनकी बातों का सम्मान करते थे और एकजुट होकर काम करते थे। हालांकि जब उनके प्रधानमंत्री बनने का अवसर आया तो कुछ ताकतों ने उन्हें रोक दिया। हम सभी जानते हैं कि वे कौन-सी ताकतें थीं, जिन्होंने उन्हें प्रधानमंत्री बनने से रोका। सीतारमण ने कहा कि ऐसी घटना को भुलाया नहीं जा सकता। मुझे लगता है कि यह तमिलनाडु के लिए अब तक का सबसे बड़ा विश्वासघात है। उन्होंने कहा कि मेरी टिप्पणी को राजनीतिक नहीं समझा जाना चाहिए, क्योंकि यह कार्यक्रम मूपनार को श्रद्धांजलि देने के लिए आयोजित किया गया था। तमिलनाडु में 2026 में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं, ऐसे में केंद्रीय मंत्री ने आगामी चुनावों के दौरान तमिलनाडु की राजनीति में बदलाव की आवश्यकता पर बल दिया।

ममता बनर्जी ने खोल दिया केंद्र के खिलाफ मोर्चा

SIR पर सेंसर मोशन की तैयारी, बुलाया विशेष सत्र

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए सत्तारूढ़ टीएमसी और बीजेपी दोनों ने जोरदार तैयारियां शुरू कर दी हैं। पश्चिम बंगाल की सरकार 1 से 4 सितंबर तक विधानसभा का विशेष सत्र बुला रही है। इसमें बीजेपी शासित राज्यों में बंगालियों के साथ कथित अत्याचार को लेकर सेंसर मोशन लाया जा सकता है। इसके अलावा स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) के खिलाफ भी विधानसभा में प्रस्ताव किया जा सकता है।

बता दें कि चुनाव आयोग ने बिहार में एसआईआर करवाया है, जिसका विपक्ष पुरजोर विरोध कर रहा है। बंगाल में तीन दिन विधानसभा का विशेष सत्र चलेगा। ममता बनर्जी

ने कई बार राजस्थान से ओडिशा तक बंगालियों पर होने वाले अत्याचार को लेकर बीजेपी पर हमला किया है। ममता बनर्जी ने दूसरे राज्यों से वापसे आने वाले बंगालियों के लिए श्रमश्री योजना की भी शुरुआत की है। इसके तहत मजदूरों को 5 रुपये प्रति महीने की आर्थिक सहायता दी जाएगी। जानकारी के मुताबिक विधानसभा में टीएमसी एसआईआर का विरोध करेगी। कई जानकारों का कहना है कि चुनाव आयोग बंगाल में भी विधानसभा चुनाव से पहले एसआईआर करवा सकता है। उधर राहुल गांधी बिहार में 'वोटर अधिकार यात्रा' निकाल रहे हैं। टीएमसी नेता यूसुफ पठान और ललितेश त्रिपाठी बिहार में 'वोटर अधिकार यात्रा' के अंतिम चरण में सोमवार को हिस्सा लेकर अपनी पार्टी का प्रतिनिधित्व करेंगे। पार्टी सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी। राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस दोनों ही 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस' (इंडिया) के घटक हैं। बिहार में जारी कांग्रेस की 'वोटर अधिकार यात्रा' के तहत शुक्रवार को सीवान में एक जनसभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने दावा किया था कि केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ''निर्वाचन आयोग की मिलीभगत से वोट चोरी करते पकड़ी गई है', इसलिए भाजपा के नेता घबरा गए हैं। विपक्षी दलों का आरोप है कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत प्रकाशित मसौदा मतदाता सूची से 65 लाख लोगों के नाम हटाना उनके मताधिकार पर हमला है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा 17 अगस्त को शुरू की गई इस यात्रा का उद्देश्य बिहार में मतदाता सूची के एसआईआर के माध्यम से लोगों के मतदान के अधिकार पर कथित हमले को उजागर करना है।

वैष्णो देवी में हुई लैंडस्लाइड ने ली 34 लोगों की जान

अब तीन सदस्यीय कमेटी करेगी जांच

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर के एलजी मनोज सिन्हा ने माता वैष्णो देवी के मार्ग अर्धकुंवारी पर हुई लैंडस्लाइड की जांच के आदेश दे दिए हैं। तीन सदस्य कमेटी अब इस हादसे की विस्तृत जांच करने वाली है, समझने का प्रयास रहेगा आखिर चूक कहां पर हुई, लापरवाही किसकी रही। बताया जा रहा है कि यह जांच कमेटी सिर्फ गलतियों पर ध्यान केंद्रित नहीं करेगी बल्कि ऐसे क्या उपाय किए जाए,

जिससे भविष्य में इस प्रकार के हादसों से बचा जाए, इसको भी प्राथमिकता दी जाएगी। जांच कमेटी को दो हफ्ते का समय दिया गया है, इसी समय सीमा के अंदर उन्हें इस हादसे की एक विस्तृत रिपोर्ट वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के अध्यक्ष के सामने पेश करनी होगी। खबर है कि इस कमेटी की अध्यक्षता जल शक्ति विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव करने जा रहे हैं, उनके अलावा जम्मू के संभागीय आयुक्त और जम्मू के पुलिस महानिरीक्षक भी इसमें शामिल होंगे।

गोले दागने के लिए लांचर बना रहे थे माओवादी

सुरक्षा बलों ने बरामद किए हथियार और गोला-बारूद

नई दिल्ली। सुरक्षा बलों ने बताया है कि छत्तीसगढ़ के अबूझमाड़ में माओवादियों के साथ मुठभेड़ के बाद उन्हें हथियारों और विस्फोटकों का जखीरा मिला है। सुरक्षा बलों को लंबे पाइप भी मिले हैं। पुलिस का कहना है कि माओवादी लंबी दूरी तक निशाना बनाने वाले हथियार बनाने के लिए इन पाइपों का इस्तेमाल कर रहे थे। नारायणपुर जिले के पुलिस अधीक्षक रॉबिन्सन गुरिया ने बताया कि सुरक्षा बलों और माओवादियों के बीच मुठभेड़ हुई लेकिन वे भाग निकले। उन्होंने बताया कि हमने एक लाइट मशीन गन भी जब्त की है और यह बेहद खतरनाक साबित हो सकती

थी। सुरक्षा बलों ने माओवादियों से जो हथियार बरामद किए हैं, उनमें एक एके-47, एक इंसास राइफल, एक सेल्फ लोडिंग राइफल, एक 51 एमएम मोर्टार, एक 9 एमएम पिस्तौल, एक देसी पिस्तौल, आठ बैरल ग्रेनेड लांचर, तीन .303 राइफल, चार 12 बोर राइफल सहित 100 बीजीएल गोले, आठ देसी ग्रेनेड, एक हथगोला और गोला-बारूद शामिल है।

'बेलगाम ताकत का इस्तेमाल नहीं कर सकती पुलिस'

हाईकोर्ट ने नागरिकों की स्वतंत्रता को लेकर की अहम टिप्पणी

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश गोहत्या निवारण अधिनियम के तहत 8 साल पहले दर्ज किए गए एक केस की हिस्ट्रीशीट को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बंद करने का निर्देश दिया है। इसके साथ ही इलाहाबाद उच्च हाईकोर्ट ने कहा कि पुलिस नागरिकों को दी गई मौलिक स्वतंत्रता को कम करने के लिए "बेलगाम और अनियंत्रित शक्ति" का प्रयोग नहीं कर सकती है। अपने आदेश में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि पुलिस को निगरानी रजिस्टर में केवल व्यक्तिगत पसंद या नापसंद के आधार पर मनमाने ढंग से व्यक्तियों के नाम दर्ज करने का कोई अप्रतिबंधित लाइसेंस नहीं है।

दरअसल ये मामला मोहम्मद वजीर द्वारा दायर एक रिट याचिका पर सुनवाई का है। सिद्धार्थनगर के पुलिस अधीक्षक ने हिस्ट्रीशीट संख्या -18-ए को बंद करने के याचिकाकर्ता के आवेदन को खारिज कर दिया था। 23 जून के उस फैसले को चुनौती देते हुए याचिकाकर्ता ने रिट लगाई थी और मामले में हस्तक्षेप करने की अपील की थी। आवेदन को सर्किल ऑफिसर और स्टेशन हाउस ऑफिसर, भवानीगंज, सिद्धार्थ नगर द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट के आधार पर खारिज कर दिया गया था, जिसमें उत्तर प्रदेश पुलिस विनियमन के प्रावधानों, विशेष रूप से पैराग्राफ 228 और 240 (जो हिस्ट्रीशीट खोलने से संबंधित है) का उल्लेख किया गया था। इसको लेकर हाईकोर्ट ने कहा कि हमें तथ्यों और परिस्थितियों के आधार पर मामले की जांच करनी होगी। हमारा मानना है कि विनियमन 228 और 240 पुलिस को बेलगाम, अनियंत्रित शक्ति नहीं देते हैं जिसका इस्तेमाल वह इस तरह करे जिससे नागरिक की मौलिक स्वतंत्रता का हनन हो। हिस्ट्रीशीटर के मामले में अदालत ने क्या कहा?

बैंक मैनेजर ने कैंटीन में बीफ पर लगाया बैन

विरोध में कर्मचारी करने लगे बीफ पार्टी

महानगर नेटवर्क
तिरुवनंतपुरम

केरल में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां कोच्चि के एक बैंक में मैनेजर ने कैंटीन में बीफ पर प्रतिबंध लगा दिया। इसके विरोध में बैंक कर्मचारियों ने बीफ पार्टी का आयोजन कर डाला। जानकारी के मुताबिक बैंक के रीजनल मैनेजर मूल रूप से बिहार के रहने वाले हैं। उनकी हाल ही में केरल के कोच्चि स्थित बैंक की शाखा में नियुक्ति हुई है। बैंक एम्प्लॉइज फेडरेशन ऑफ इंडिया (BEFI) के सदस्यों ने अधिकारियों के कथित मानसिक उत्पीड़न को लेकर मैनेजर के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने की योजना बनाई थी। लेकिन बीफ पर प्रतिबंध लगने के बाद विरोध को नई

दिशा मिल गई। प्रदर्शनकारियों ने ऑफिस के बाहर बीफ और परोटा (एक तरह की ब्रेड) परोसी। इस प्रदर्शन को केरल के कुछ नेताओं ने भी समर्थन दिया। लेफ्ट समर्थित निर्दलीय विधायक केटी जलील इस प्रदर्शन की तारीफ करते हुए कहा कि केरल में संघ परिवार के किसी भी एजेंडा को अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने फेसबुक पर लिखा, 'क्या पहना जाए, क्या खाया जाए, क्या सोचा जाए इसे वरिष्ठ लोग तय नहीं करेंगे। हमारी जमीन लाल है। इस जमीन का दिल लाल है, जहां तक लाल झंडा फहरा रहा है, आप बिना किसी डर के फासीवाद के खिलाफ बोल सकते हैं।

पसंदीदा खाना सबका अधिकार

बैंक फेडरेशन के एक नेता एसएस अनिल ने कहा कि यहां पर एक छोटी कैंटीन चलती है। चुनिंदा दिनों पर बीफ परोसा जाता है। मैनेजर ने कैंटीन स्टाफ से कहा कि अब बीफ नहीं परोसा जाएगा। उन्होंने कहा कि यह बैंक संविधान के अनुसार चलता है। खाना निजी पसंद का विषय है। भारत में हर व्यक्ति को अधिकार है कि वह क्या खाएगा।

महुआ मोइत्रा की शाह पर टिप्पणी से विवाद

बीजेपी ने पुलिस में दर्ज कराई शिकायत

कोलकाता। टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने शाह के खिलाफ अपनी टिप्पणी के बाद एक नया राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया है। बंगाल बीजेपी ने दावा किया है कि मोइत्रा ने एक रैली में कहा कि अगर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह घुसपैठियों से देश की रक्षा करने में सक्षम नहीं हैं, तो उनका सिर काटकर मेज पर रख देना चाहिए। भाजपा ने वीडियो साझा करते हुए कहा, "जब महुआ गृह मंत्री का सिर काटने की बात करती हैं, तो यह टीएमसी की हताशा और हिंसक संस्कृति को उजागर करता है जो बंगाल की छवि को धूमिल कर रही है और राज्य को पीछे धकेल रही है।" वीडियो में महुआ बंगाली में बोलती सुनाई दे रही हैं, वो कहती हैं, "मैं पूछ रही हूं कि क्या हमारी सीमाओं की रक्षा करने वाला कोई नहीं है और दूसरे देशों के लोग लाखों और करोड़ों की संख्या में भारत में प्रवेश कर रहे हैं अगर वे हमारी माताओं और बहनों पर नजर रख रहे हैं अगर वे हमारी जमीन पर कब्जा कर रहे हैं तो सबसे पहले शाह का सिर काटकर मेज पर रखना चाहिए।" भाजपा ने इस टिप्पणी पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा है कि यह बयान इस बात का सबूत है कि तृणमूल कांग्रेस अपनी हिंसक मानसिकता से बंगाल का विकास नहीं होने दे रही है।

'बहू को दहेज के लिए प्रताड़ित करने की बातें हवा'

सुप्रीम कोर्ट ने आरोपी सास को किया बरी

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने कथित तौर पर दहेज के लिए बहू के साथ क्रूरता करने के 24 साल पुराने केस में ट्रायल कोर्ट और हाईकोर्ट द्वारा दोषी करार दी गई एक सास को बरी कर दिया। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ससुराल वालों द्वारा बहू को दहेज के लिए प्रताड़ित की बातें हवा से

भी अधिक तेज फैलती हैं। जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस एनवी अंजारिया की बेंच ने उत्तराखंड हाईकोर्ट के उस फैसले के खिलाफ शुक्रवार को एक याचिका पर यह फैसला सुनाया, जिसमें महिला की दोषसिद्धि और तीन साल की सजा बरकरार रखी गई थी। आरोपी सास को आईपीसी की धारा 498ए के तहत इस आधार पर दोषी ठहराया गया था कि उसकी मृत बहू ने अपने मायके वालों को दहेज उत्पीड़न होने की बातें बताई थीं। आईपीसी की धारा 498-ए, विवाहित महिला के प्रति उसके पति या उसके ससुरालवालों द्वारा की गई क्रूरता के अपराध से संबंधित है। सुप्रीम कोर्ट ने हालांकि ने इस बात पर गौर किया कि केस में गवाह के तौर पर पेश हुई आरोपी महिला की पड़ोसी ने दावा किया कि बहू से कभी दहेज की मांग नहीं की गई थी।

'अभी तो मैं 65 साल की भी नहीं हुई हूं'

मोदी का उदाहरण देकर उमा भारती बोलीं- लड़ूंगी चुनाव

नई दिल्ली। भाजपा की वरिष्ठ नेता उमा भारती ने शनिवार को कहा कि कोई भी राजनीतिक दल रिटायरमेंट की उम्र तय कर सकता है, लेकिन कोई भी यह तय नहीं कर सकता कि किसी व्यक्ति की योगदान देने की क्षमता किस उम्र पर खत्म हो जाएगी। एक इंटरव्यू में मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने कहा, "कोई भी संगठन, राजनीतिक दल, संस्था रिटायरमेंट की उम्र तय कर सकती हैं, लेकिन योगदान की नहीं। योगदान के लिए कोई उम्र नहीं है। राजनीति एक मंच है और

योगदान मेरी क्षमता है।" बीजेपी की वरिष्ठ नेता ने आगे कहा, "हां मैं चुनाव तब लड़ूंगी जब मुझे लगेगा कि मैं तैयार हूं। मेरे पास जनता की ताकत है।" पूर्व केंद्रीय मंत्री ने तर्क देते हुए कहा कि मोदी ने 65 साल की उम्र में लोकसभा चुनाव लड़ा था।

दिल्ली में बर्ड फ्लू की दस्तक

नोएडा-ग्रेटर नोएडा में प्रशासन अलर्ट, 226 सैंपल भेजे लैब

महानगर नेटवर्क
ग्रेटर नोएडा

दिल्ली चिड़ियाघर में एवियन इन्फ्लुएंजा बर्ड फ्लू का मामला प्रकाश में आने के बाद गौतमबुद्धनगर प्रशासन भी सर्तक हो गया है। पशुपालन विभाग ने पशु चिकित्साधिकारियों और वन अधिकारियों को बीमारी की रोकथाम के लिए प्रोटोकॉल का पालन करने का निर्देश दिए है। वहीं वेटलैंड, पोट्री फार्म से पक्षियों के नमूने एकत्र किए जा रहे है।

16 अगस्त को रामपुर में तीन स्थानों पर पोट्री फार्म में लिए गए नमूने

में एवियन एन्फ्लूएन्जा की पुष्टि हुई थी, जिसके चलते सहारनपुर, मुज्जफरनगर, बिजनौर, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली एवं पीलीभीत जनपदों की सीमा सील कर दी गई थी। गौतमबुद्धनगर में पशुपालन विभाग ने जिले में पोट्री फार्म से नमूने एकत्र कर जांच के लिए लैब भेज गए। जिले में 16 पोट्री फार्म है, जिनमें 1 लाख 17 हजार पक्षी है। अब तक इन फार्म में 226 नमूने लेकर जांच के लिए लैब भेजे है। जांच में अभी तक जिले में कोई भी वर्ड फ्लू का मामला प्रकाश में नहीं आया है।

बर्ड फ्लू रोकने के लिए प्रोटोकाल

- ❑बर्ड फ्लू को रोकने के लिए प्रोटोकॉल में पक्षियों से दूरी बनाना
- ❑मृत या बीमार पक्षियों को न छूना
- ❑उचित स्वच्छता बनाए रखना
- ❑पोल्ट्री और अंडों को अच्छी तरह पकाना
- ❑उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों की यात्रा से बचना शामिल है।
- ❑पोल्ट्री फार्मों को भी सुरक्षित और स्वच्छ रखना चाहिए
- ❑पोल्ट्री को ढके हुए बाड़ों में रखना चाहिए या घर के अंदर रखना चाहिए।

दिल्ली के चिड़ियाघर में बर्डफ्लू के मामले प्रकाश में आने के चलते दिल्ली के नजदीक होने के कारण गौतमबुद्धनगर में सर्तकता बढ़ा दी है। सभी पशु चिकित्साधिकारियों, वनाधिकारियों को बीमारी को फैलने से रोकने के लिए प्रोटोकॉल का पालन करने के निर्देश दिए हैं।

-डॉ. अरुण कुमार संचान, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, गौतमबुद्धनगर

धर्मस्थल सामूहिक दफन मामला

शिकायतकर्ता चिन्नय्या से कड़ी पूछताछ

'स्पॉट महाजर' में जब्त हुए अहम दस्तावेज

मंगलुरु। कर्नाटक के मंगलुरु में धर्मस्थल केस की जांच एक बार फिर तेज हो गई है। एसआईटी शनिवार तड़के इस केस में गिरफ्तार गवाह और शिकायतकर्ता सीएन चिन्नय्या को कड़ी सुरक्षा में अज्ञात स्थानों पर 'स्पॉट महाजर' (घटनास्थल का प्रत्यक्ष निरीक्षण) के लिए ले गई। सुबह करीब 6 बजे शुरू हुई इस कार्रवाई के दौरान टीम ने उन जगहों का दौरा किया, जो सीधे चिन्नय्या के बयानों से जुड़े थे। यहां से जांच टीम ने कई महत्वपूर्ण दस्तावेज भी जब्त किए। एसआईटी के एक अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा कारणों से 'स्पॉट महाजर' प्रक्रिया सुबह-सुबह की गई। हालांकि अभी बरामद दस्तावेजों की प्रकृति और उनकी अहमियत पर कोई आधिकारिक जानकारी साझा नहीं की गई है। चिन्नय्या ने पहले दावा किया था कि धर्मस्थल परिसर में कई शवों को दफनाया गया है। इनमें यौन शोषण की शिकार महिलाओं और नाबालिग लड़कियों के शव भी शामिल थे।

हिंदू धर्म में महालक्ष्मी व्रत का विशेष महत्व

हिंदू धर्म में महालक्ष्मी व्रत का विशेष महत्व है। महालक्ष्मी व्रत 16 दिनों तक रखे जाते हैं। भाद्रपद माह में शुक्ल पक्ष अष्टमी के दिन से श्री महालक्ष्मी व्रत आरंभ हो जाते हैं और आश्विन माह में कृष्ण पक्ष में अष्टमी तिथि को यह व्रत संपन्न होते हैं। मां लक्ष्मी को प्रसन्न करने और जीवन में सुख-समृद्धि प्राप्त करने के लिए श्री महालक्ष्मी व्रत किया जाता है। इस व्रत में मां लक्ष्मी की विधि विधान से पूजा-अर्चना करने से उनकी कृपा बनी रहती है। समस्त मनोकामनाएं पूर्ण होती है। इस व्रत में अन्न ग्रहण नहीं किया जाता है। 16वें दिन महालक्ष्मी व्रत का उद्यापन किया जाता है। इस व्रत को काफी शुभ माना जाता है। मान्यता है कि जिस घर की महिलाएं इस व्रत को रखती हैं, उस घर में पारिवारिक शांति हमेशा बनी रहती है। इस साल महालक्ष्मी व्रत 31 अगस्त 2025 से शुरू हो जाएंगे और संपूर्ण 14 सितंबर 2025 को होंगे।

श्रीमहालक्ष्मी व्रत में सोलह का विशेष महत्व

इस व्रत में सोलह बार तर्पण, सोलह दीपक, सोलह बोल की कहानी, सोलह श्रृंगार, सोलह दिन का व्रत, सोलह दूर्वा, सोलह डुबकी लगाने का विधान है।

प्रदोष काल में की जाती है पूजा

इस व्रत में प्रदोष काल में की गई पूजा को शुभ बताया गया है।

मां लक्ष्मी पूजन की सामग्री :

महालक्ष्मी व्रत के दौरान पूजा के लिए कलश, घी, दीपक, फल-फूल,सुपारी, हल्दी की गांठ, रोली, कुमकुम, कपूर, पंचामृत, पान,लाल कपड़ा, 16 श्रृंगार की सामग्री, धूपबत्ती, नारियल, खीर, समेत पूजा की सभी सामग्री एकत्रित कर लें।

महालक्ष्मी व्रत के नियम :

महालक्ष्मी का व्रत 16 दिनों के लिए किया जाता है। इस दौरान खट्टी और नमक वाली चीजों के सेवन की मनाही होती है। इसके साथ ही 16 दिनों तक सुबह-शाम मां लक्ष्मी की पूजा-आराधना करें। महालक्ष्मी व्रत में व्रती के साथ परिवार के सदस्यों को भी तामसिक भोजन का सेवन न करें। केवल सात्विक भोजन करें।

कलाई की रेखाएं क्या देती हैं संकेत?

हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार, व्यक्ति की हथेली पर मौजूद रेखाओं और चिन्हों का किस्मत के साथ गहरा कनेक्शन होता है। व्यक्ति के हाथ की रेखा,चिन्ह और उंगलियों की बनावट के माध्यम से प्रेम, कैरियर, स्वास्थ्य समेत जीवन के विभिन्न पहलुओं से जुड़े कई शुभ-अशुभ घटनाओं के बारे में अनुमान लगाया जा सकता है। हथेली पर मौजूद रेखाओं के अलावा कलाई की रेखाएं भी व्यक्ति से जुड़े कुछ विशेष पहलुओं की ओर इशारा करती हैं।

हाथ की हथेली और कलाई जहां पर जुड़ती है, वहां मौजूद रेखाओं को ब्रेसलेट लाइन कहा जाता है।

ब्रेसलेट लाइन को व्यक्ति की आयु से जोड़कर देखा जाता है। मान्यता है कि ब्रेसलेट लाइन जितनी गहरी और स्पष्ट होती है व्यक्ति उतना ही हेल्दी होता है। आइए जानते हैं ब्रेसलेट लाइन के बारे में कुछ विशेष बातें...

कितनी होगी उम्र

यही भी कहा जाता है कि व्यक्ति की ब्रेसलेट लाइन जितनी लंबी होती है। उसकी आयु उतनी ही लंबी होती है। आमतौर पर व्यक्ति की कलाई पर 2-3 ब्रेसलेट लाइन होती है। मान्यता है कि जिन लोगों की कलाई पर 3 ब्रेसलेट लाइन है। ऐसे लोगों का स्वास्थ्य बहुत अच्छा रहता है। जीनव सुख-सुविधाओं में व्यतीत होता है। ऐसे व्यक्ति की आयु लगभग 75 वर्ष मानी जाती है। वहीं, जिन लोगों के कलाई पर 2 ब्रेसलेट लाइन होती है। मान्यता है कि ऐसे लोगों की उम्र 50 साल तक हो सकती है। वहीं, 4 ब्रेसलेट लाइन वाले व्यक्ति को बहुत सौभाग्यशाली माना गया है। मान्यता है कि ऐसे लोग दीर्घायु होते हैं।

अच्छे हेल्थ का संकेत

मान्यता है कि यदि कलाई की पहली रेखा साफ और सीधी है। किसी भी तरह से कटी-फटी नहीं है, तो इसका मतलब है कि व्यक्ति का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। वहीं,कटी-फटी और धुंधली रेखा खराब स्वास्थ्य का संकेत मानी जाती है।

मेहंदी का रंग नहीं चढ़ता गाढ़ा तो अपनाएं ये कमाल के टिप्स

त्योहारों पर महिलाएं एक से बढ़कर एक खूबसूरत डिजाइन हाथों-पैरों पर लगवाती हैं। लेकिन मेहंदी छुड़ाने के बाद अगर इसका रंग गाढ़ा नहीं चढ़ता तो बहुत बुरा लगता है। खासतौर पर अगर किसी लड़की की शादी होने वाली है और उसके हाथों पर मेहंदी का रंग गाढ़ा नहीं चढ़ता है तो सबसे ज्यादा खराब लगता है। मेहंदी के रंग को गाढ़ा करने और लंबे समय तक इस रंग को बरकरार रखने के लिए इन आसान से घरेलू टिप्स को आजमाएं। जिनकी मदद से मेहंदी ना केवल गाढ़ी चढ़ती है बल्कि उसका रंग भी जल्दी नहीं उतरता है।

लौंग की भाप

लौंग को लोहे के तवे पर रखकर गर्म करने से जो भाप निकलती है। उसमे हाथ-पैर की सिंकाई करें। ऐसा करने से भी मेहंदी का रंग काला होने में मदद मिलती है और रंग कई दिनों तक चढ़ा रहता है।

मेहंदी का तेल

मार्केट में आसानी से मेहंदी का तेल मिल जाता है। इस तेल को लगाने से भी मेहंदी का रंग गाढ़ा चढ़ता है और आसानी से नहीं छूटता। तो करवा चौथ पर या वेडिंग सीजन में हाथों पर मेहंदी सजाने वाली हैं तो रंग गाढ़ा करने के इन कमाल के टिप्स को जरूर आजमाकर देखें। मेहंदी का रंग लंबे समय तक टिका रहेगा।

विक्स लगाएं

काफी सारे मेहंदी आर्टिस्ट बताते हैं कि मेहंदी लगाने के बाद जब ये पूरी तरह से सूख जाए तो उसके ऊपर विक्स लगा लेनी चाहिए। विक्स में नीलगिरी का तेल जैसे इंग्रीडिएंट्स मौजूद होते हैं। जो मेहंदी के रंग को गाढ़ा करने में मदद करते हैं।

सरसों का तेल

सरसों के तेल को मेहंदी सुखाने के बाद हाथों-पैरों पर लगाने से भी रंग गाढ़ा चढ़ता है और मेंहदी लंबे समय तक टिकी रहती है।

लगाएं पेनकिलर स्प्रे

कुछ मेहंदी आर्टिस्ट इस नुस्खे को आजमाते हैं और वोलिन जैसे पेनकिलर स्प्रे को मेहंदी सूखने के बाद स्प्रे करते हैं। जिससे मेहंदी का रंग गाढ़ा चढ़ता है।

खाने में बटर का इस्तेमाल करने से पहले जानें ये टिप्स

1) हीट लेवल को देखें- मक्खन के जलने के पीछे मुख्य कारणों में से एक बहुत ज्यादा हीट लेवल है। ऐसे में जब भी आप इसे इस्तेमाल करें तो अपने पैन को मध्यम आंच पर गर्म करें और फिर मक्खन डालें। मक्खन के पिघलते समय उसे देखते रहें। ज्यादा तेज आंच पर इसे न रखें क्योंकि मक्खन बहुत जल्दी भूरा हो सकता है और जल सकता है।

2) तेल के साथ करें मिक्स - इसे जलने से रोकने के लिए मक्खन को पिघलाने से पहले पैन में जरा सा तेल का डालें। तेल मक्खन को सुरक्षित रखने में मदद करता है और जलने से कुछ हद तक बचा सकता है। आप किसी भी वेजिटेबल ऑयल का इस्तेमाल कर सकते हैं इससे स्वाद खराब नहीं होगा।

3) मक्खन के रंग को देखें - जैसे-जैसे मक्खन गर्म होता है, यह झाग बनने और भूरा होने लगता है। मक्खन के पिघलते समय उसके रंग और सुगंध पर कड़ी नजर रखें। जब मक्खन हल्के सुनहरे भूरे रंग का होने लगे, तो इसे आंच से उतारें।

अध्ययन के लिए लंबे समय तक ध्यान और एकाग्रता जरूरी

माता- पिता अकसर अपने बच्चों की इस आदत से परेशान रहते हैं कि एग्जाम टाइम में पढ़ने के लिए बैठते ही उनकी आंखों में नींद भर जाती है, लेकिन यही बच्चा घंटों टीवी या मोबाइल को बिना पलक झपकाए टकटकी लगाए देखता रहता है। अगर आपकी भी अपने बच्चे से यही शिकायत है,तो उसे बिना डांटे-मारे ये कुछ पेरेंटिंग टिप्स अपनाकर अपनी इस शिकायत को दूर कर सकते हैं। दरअसल, बच्चों का मन बेहद चंचल होता है। ऐसे में उनका पढ़ाई के बीच में से बार-बार उठना या ध्यान भटकाना स्वाभाविक होता है। उन्हें एक अच्छे अध्ययन के लिए लंबे समय तक ध्यान और एकाग्रता की आवश्यकता होती है। आइए आज के पेरेंटिंग टिप्स में जानते हैं बच्चे को पढ़ाई के बीच में नींद लेने से कैसे रोका जा सकता है।

बच्चे के नींद लेने के घंटों का एक रूटीन सेट करें

बच्चे के शरीर में ऊर्जा का स्तर अच्छा बनाए रखने के लिए सबसे पहले उसकी नींद का शेड्यूल तय करें। इसके लिए बच्चे का टाइम टेबल ऐसा बनाएं, जिसमें उसके उठने और सोने का एक निश्चित समय तय हो। ऐसा करने से बच्चे के शरीर की आंतरिक घड़ी को विनियमित करने में मदद मिलती है, जिससे बच्चे की नींद की गुणवत्ता में सुधार होता है। बच्चे के साथ अपनाया गया ये उपाय पढ़ाई के दौरान उसे नींद आने की संभावना को कम कर सकता है।

नियमित समय पर ब्रेक लें

लंबे समय तक बिना ब्रेक लिए लगातार पढ़ने से बच्चे को मानसिक थकान और नींद आ सकती है। ऐसे में इस समस्या से राहत पाने के लिए पोमोडोरो तकनीक का उपयोग करें। इस तकनीक में 25 मिनट तक अध्ययन करने के बाद 5 मिनट का ब्रेक लें। ब्रेक के दौरान बॉडी में एनर्जी लेवल बनाए रखने के लिए स्ट्रेच करें या घर का एक चक्कर लगाकर आ जाएं।

हेल्दी डाइट के साथ हाइड्रेटेड भी रहें

शरीर में पानी की कमी और अनहेल्दी भोजन करने से बच्चे को थकन महसूस हो सकती है। ऐसे में अध्ययन करते समय बीच-बीच में खूब पानी पिएं स्नैक्स में नट्स, फल या दही जैसी चीजों को शामिल करें। पढ़ने से पहले कभी भी कार्ब रिच फूड का सेवन ना करें। ऐसा भोजन करने से आपको सुस्ती और नींद आ सकती है।

जानें निगेटिव विचारों को कैसे करें दूर

हमारे मन में अक्सर अच्छे-बुरे ख्याल चलते रहते हैं, लेकिन क्या आप भी उन लोगों में से हैं जो बुरे विचारों को खत्म करके सिर्फ अच्छे विचारों को अपने दिमाग में रखना चाहते हैं? तो आपको सद्गुरू की इस बात को मान लेना चाहिए। अपनी एक पुरानी वीडियो में सद्गुरी ने निगेटिव विचारों कों खत्म करने के बारे में बताया है।

क्या कहते हैं सदगुरू

कुछ लोग अपने दिमाग से निगेटिव विचारों को हटाकर सिर्फ पॉजिटिव विचारों पर ध्यान देने की कोशिश करते हैं। हालांकि, सदगुरू का कहना है जब आप किसी चीज को जबरदस्ती करने की कोशिश करते हैं तो आप उसके बारे में कई गुणा ज्यादा सोचने लगते हैं। सदगुरु कहते हैं कि आप जिस चीज को अपनी लाइफ से मिटाना चाहते हैं वह आपकी क्वालिटी बन सकता है और आप फिर हमेशा उसके ही बारे में सोचेंगे।

दिमाग के काम करने के तरीके को समझें

सद्गुरु का मानना है कि अगर आप दिमाग से किसी भी चीज को निकालने की कोशिश करते हैं तो सबसे पहले दिमाग के काम करने के तरीके को समझें। उनका कहना है कि हमारे दिमाग में घटाने या फिर भाग करने जैसा कुछ नहीं है बल्कि सिर्फ जोड़ना और गुणा करना है। जब आप कुछ करने का सोचते हैं तो ये आपसे काम को एक बार और करने को कहेगा। अगर आप कड़ी मेहनत करेंगे तो यह और भी ज्यादा हो जाएगा। इस तरह के दिमाग के साथ आप ये नहीं पहचान पाएंगे की क्या निगेटिव है और क्या पॉजिटिव। इसके लिए आपको ये समझना होगा की ये दिमाग आपकी सेवा में है।

जीवन का करें अनुभव

सद्गुरु कहते हैं कि जब आप अपनी आंखें बंद करते हैं तो आप खुद को नहीं देख सकते हैं लेकिन इसका मतलब ये नहीं की आपका अस्तित्व खो नहीं जाता है। अपने भावनाओं और विचारों से परे भी आप मौजूद हैं। तो जो जीवन आप हैं उसका अनुभव करने की जरूरत है। वह कहते हैं कि जीवन का सबसे जरूरी पहलू ये हैं कि आप और मैं इस समय जीवित हैं।

सुबह की सैर स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी

सुबह की सैर हमारे शारीरिक,मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी मानी जाती है। यह एक साधारण क्रिया दिख सकती है, लेकिन इसके पीछे गहरे वैज्ञानिक और आध्यात्मिक कारण छिपे होते हैं। दोनों दृष्टिकोणों से सुबह की सैर की महत्ता को समझने के लिए आइए इसे विस्तार से जानें।

वैज्ञानिक दृष्टिकोण

वैज्ञानिक रूप से सुबह की सैर को स्वस्थ जीवनशैली का एक महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है। सुबह के समय हवा शुद्ध होती है, जिसमें ऑक्सीजन का स्तर उच्च होता है और प्रदूषण कम होता है। यह हमारे श्वसन तंत्र के लिए बेहद लाभकारी होता है।

शारीरिक स्वास्थ्य पर प्रभाव:

हृदय स्वास्थ्य : सुबह की सैर से हृदय की धड़कन सामान्य रहती है और रक्त संचार में सुधार होता है, जिससे हृदय संबंधी बीमारियों का खतरा कम होता है।

मांसपेशियों की मजबूती:

लगातार चलने से शरीर की मांसपेशियां सक्रिय रहती हैं, जो शारीरिक मजबूती और सहनशक्ति को बढ़ाती हैं।

मधुमेह और मोटापा:

नियमित रूप से सुबह की सैर करने से रक्त शर्करा का स्तर नियंत्रित रहता है और वजन घटाने में मदद मिलती है। यह मधुमेह और मोटापे जैसे रोगों के नियंत्रण में सहायक है।

मस्तिष्क पर प्रभाव:

सुबह की सैर से मस्तिष्क में ऑक्सीजन का प्रवाह बढ़ता है, जिससे मानसिक स्वास्थ्य बेहतर होता है। यह अवसाद और चिंता के लक्षणों को कम करने में मदद करता है।

मन और मस्तिष्क के लिए लाभ:

सुबह की ताजी हवा में टहलने से मस्तिष्क में एंडोर्फिन जैसे रसायनों का स्राव होता है, जो "फील गुड" हार्मोन माने जाते हैं। यह तनाव को कम करने और सकारात्मक सोच को बढ़ावा देने में सहायक होता है। वैज्ञानिक अध्ययनों में यह भी पाया गया है कि सुबह की सैर से नींद की गुणवत्ता में सुधार होता है और मनुष्य की उत्पादकता बढ़ती है।

आध्यात्मिक दृष्टिकोण

आध्यात्मिक दृष्टिकोण से देखा जाए तो सुबह की सैर न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ करती है, बल्कि आत्मा और मन को भी शांति प्रदान करती है।

1. प्रकृति के साथ सामंजस्य:

सुबह का समय सबसे शांत और पवित्र माना जाता है। यह वह समय होता है जब सारा वातावरण शांत रहता है और प्रकृति अपनी पूरी सुंदरता में खिली होती है। सुबह की सैर के दौरान हम प्रकृति से जुड़ते हैं और उसके साथ एक गहरा संबंध स्थापित करते हैं। भारतीय योग और वेदों में बताया गया है कि प्रात :काल में सूर्योदय के समय चलना मन और आत्मा को शुद्ध करता है।

2. ध्यान और ध्यानपूर्वक चलना:

सुबह की सैर को ध्यान की एक क्रिया के रूप में भी देखा जा सकता है। जब हम शांत मन से चलने के दौरान अपनी श्वास-प्रश्वास पर ध्यान केंद्रित करते हैं, तो यह ध्यान की स्थिति उत्पन्न कर सकती है। इससे व्यक्ति के विचारों की स्पष्टता बढ़ती है और मानसिक संतुलन प्राप्त होता है। आध्यात्मिक गुरुओं का मानना है कि सुबह की सैर से व्यक्ति अपने अंदर की शांति को पहचानने में सक्षम होता है।

3. आध्यात्मिक ऊर्जा का संग्रह:

भारत में प्राचीन काल से कहा गया है कि ब्रह्म मुहूर्त (सुबह 4 से 6 बजे के बीच का समय) आत्मा के शुद्धिकरण के लिए सबसे उपयुक्त होता है। इस समय वातावरण में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है, जिसे हम सुबह की सैर के दौरान ग्रहण कर सकते हैं। यह ऊर्जा दिनभर हमें शक्ति और स्फूर्ति प्रदान करती है।

सुबह की सैर के फायदों को समझने के बाद यह जानना भी आवश्यक है कि कितना पैदल चलना उचित होता है ताकि इसका अधिकतम लाभ मिल सके। विभिन्न अध्ययनों और विशेषज्ञों की राय के अनुसार, सुबह की सैर का सही तरीका और समय भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

कितना पैदल चलना चाहिए?

1. समय और दूरी: स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, प्रतिदिन 30 से 45 मिनट की सैर पर्याप्त होती है। यह लगभग 3 से 5 किलोमीटर की दूरी तय करने के बराबर होता है, जो स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए आदर्श मानी जाती है। शुरुआती दिनों में 15 से 20 मिनट तक चलने से शुरू करना ठीक होता है और धीरे-धीरे इसे बढ़ाकर 30-45 मिनट तक ले जाना चाहिए।

2. गति: सैर की गति भी महत्वपूर्ण होती है। मध्यम गति से चलना, यानी न बहुत तेज और न बहुत धीमी चाल, स्वास्थ्य के लिए सबसे लाभकारी माना जाता है। लगभग 4 से 5 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलना अच्छा होता है। इससे हृदय और श्वसन तंत्र पर बेहतर प्रभाव पड़ता है।

3. रोजाना सैर की आवृत्ति: सप्ताह में कम से कम 5 दिन सुबह की सैर करने की सलाह दी जाती है। इससे शरीर में एक नियमित दिनचर्या का विकास होता है, जो स्वास्थ्य के दीर्घकालिक लाभों के लिए आवश्यक है। हालाँकि, यह ध्यान रखना चाहिए कि अगर किसी व्यक्ति को किसी विशेष स्वास्थ्य समस्या (जैसे हृदय रोग, घुटने की समस्या) है, तो उन्हें डॉक्टर की सलाह से अपनी सैर की दिनचर्या तय करनी चाहिए।

4. व्यक्तिगत स्वास्थ्य के अनुसार सैर: किसी व्यक्ति की शारीरिक क्षमता, उम्र और स्वास्थ्य स्थिति के आधार पर सैर का समय और दूरी बदल सकती है। वरिष्ठ नागरिकों या कमजोर लोगों को छोटी दूरी से शुरुआत करनी चाहिए और धीरे-धीरे इसे बढ़ाना चाहिए।

वहीं, युवा और स्वस्थ लोगों को थोड़ा और अधिक समय निकालने का प्रयास करना चाहिए ताकि उनका शरीर सही तरीके से फिट रहे।

Asia Cup 2025: टूर्नामेंट से पहले बदली गई टाइमिंग

नई दिल्ली। एशिया कप 2025 की 9 सितंबर से शुरुआत होने जा रही है। 28 सितंबर को टूर्नामेंट का फाइनल खेला जाएगा। लीग के सभी मैच यूएई में खेले जाने हैं। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के कारण इस बार टूर्नामेंट टी20 फॉर्मेट में खेला जा रहा है। 8 टीमों के बीच होने वाले इस टूर्नामेंट में बड़ा बदलाव किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार मुकाबलों के टाइम में बदलाव किया गया है।

8 बजे शुरू होंगे मुकाबले

क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार, एशिया कप के शाम के मैच भारतीय समयानुसार रात 8 बजे (स्थानीय समयानुसार 6.30 बजे) शुरू होंगे। संयुक्त अरब अमीरात में गर्मी को देखते हुए ऐसा किया गया है। प्रसारणकर्ता से अनुरोध किया गया था और लगता है कि उन्होंने इस पर सहमति दे दी है। पहले ये मैच शाम 7.30 बजे शुरू होने वाले थे। एशिया कप 2025 में 8 टीमों के बीच 19 मैच खेले जाएंगे। रिपोर्ट के अनुसार फाइनल समेत 18 मुकाबलो का समय बदला गया है। सितंबर में जब टूर्नामेंट खेला जाएगा, तब दिन का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने और देर शाम तक ऐसे ही रहने की उम्मीद है। टूर्नामेंट में इकलौता डबल हेडर मैच 15 सितंबर को खेला जाएगा। संयुक्त अरब अमीरात बनाम ओमान की टक्कर दिन में होगी वहीं श्रीलंका बनाम हांगकांग का मुकाबला शाम को होगा। ऐसे में यूएई और ओमान के बीच होने वाले मैच का समय नहीं बदला है। यह मैच भारतीय समयानुसार शाम 5:30 बजे शुरू होगा।

अब भारतीय समयानुसार इतने बजे शुरू होंगे मुकाबले

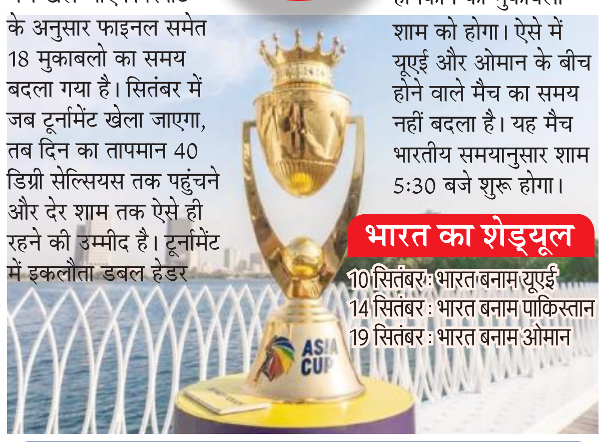

भारत का शेड्यूल

10 सितंबर: भारत बनाम यूएई
14 सितंबर: भारत बनाम पाकिस्तान
19 सितंबर: भारत बनाम ओमान

सुपर फोर का शेड्यूल

20 सितंबर: बी1 बनाम बी2
21 सितंबर: ए1 बनाम ए2
23 सितंबर: ए2 बनाम बी1
24 सितंबर: ए1 बनाम बी2
25 सितंबर: ए2 बनाम बी2
26 सितंबर: ए1 बनाम बी1
28 सितंबर: फाइनल

एशिया कप 2025 का पूरा शेड्यूल

9 सितंबर : अफगानिस्तान v/s हांगकांग
10 सितंबर : भारत बनाम यूएई
11 सितंबर : बांग्लादेश बनाम हांगकांग
12 सितंबर : पाकिस्तान बनाम ओमान
13 सितंबर : बांग्लादेश बनाम श्रीलंका
14 सितंबर : भारत बनाम पाकिस्तान
15 सितंबर : श्रीलंका बनाम हांगकांग
15 सितंबर : यूएई बनाम ओमान
16 सितंबर : बांग्लादेश बनाम अफगानिस्तान
17 सितंबर : पाकिस्तान बनाम यूएई
18 सितंबर : श्रीलंका बनाम अफगानिस्तान
19 सितंबर : भारत बनाम ओमान

IPL 2026 से पहले राजस्थान को लगा झटका

राहुल द्रविड़ ने फ्रेंचाइजी से नाता तोड़ा

नई दिल्ली। राजस्थान रॉयल्स ने पुष्टि की है कि पूर्व भारतीय कप्तान राहुल द्रविड़ ने आगामी आईपीएल 2026 सीजन से पहले मुख्य कोच के पद से इस्तीफा दे दिया है। फ्रैंचाइजी ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल के माध्यम से यह घोषणा की। जिससे द्रविड़ का रॉयल्स के साथ मुख्य कोच का कार्यकाल समाप्त हो गया। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के मुख्य कोच के रूप में अपना कार्यकाल पूरा करने के बाद द्रविड़ 2025 सीजन के लिए रॉयल्स टीम में मुख्य कोच के रूप में शामिल हुए। आईपीएल में उनकी वापसी को एक महत्वपूर्ण मोड़ के रूप में देखा गया क्योंकि उन्होंने टूर्नामेंट के शुरुआती वर्षो में एक खिलाड़ी के रूप में राजस्थान रॉयल्स का प्रतिनिधित्व किया था। हालांकि रॉयल्स उनके नेतृत्व में खिताब नहीं जीत पाई लेकिन द्रविड़ की मौजूदगी ने टीम में स्थिरता और विकास पर जोर दिया। युवा प्रतिभाओं को निखारने पर जोर देने के लिए जाने वाले द्रविड़ ने उभरते खिलाड़ियों का समर्थन करने और टीम के माहौल में एक अनुशासित संस्कृति स्थापित करने में अहम भूमिका निभाई। द्रविड़ ने यह कदम ऐसे समय उठाया है जब आईपीएल से लगातार जुड़े रहने के बाद अब वे फ्रैंचाइजी क्रिकेट के दबाव भरे माहौल से थोड़ा ब्रेक लेना चाहते है। हालांकि एक मेंटर के रूप में उनकी विरासत अंतरराष्ट्रीय और आईपीएल दोनों स्तरों पर अगली पीढ़ी के क्रिकेटरों को प्रभावित करती रहेगी।

एशिया कप से पहले एमएस धोनी को BCCI का ऑफर?

नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2026 से कुछ ही महीने पहले एक खबर सामने आई है, जो भारतीय क्रिकेट में भूचाल ला सकती है. दरअसल एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि BCCI एमएस धोनी को दोबारा से मेंटॉर रोल देना चाहती है. धोनी इससे पहले 2021 टी20 वर्ल्ड कप के समय टीम इंडिया के मेंटॉर बने थे, उस समय हेड कोच रवि शास्त्री थे. रिपोर्ट अनुसार धोनी को ऑफर दिया जा चुका है, लेकिन वो शायद इसे स्वीकार नहीं करेंगे.
कुछ अन्य रिपोर्ट्स में कहा गया कि एमएस धोनी IPL 2026 के बाद इंडियन प्रीमियर लीग को भी अलविदा कह सकते हैं. आईपीएल 2026 का आरंभ 2026 टी20 वर्ल्ड कप के समापन से अगले महीने ही शुरू हो जाएगा. इस बात में कोई संदेह नहीं कि एमएस धोनी का रहना, अगली जनरेशन के खिलाड़ियों के लिए काफी मददगार साबित होगा, लेकिन उनके सोचने की प्रक्रिया गौतम गंभीर से काफी अलग हो सकती है.

टी20 वर्ल्ड चैंपियन कप्तान एमएस धोनी

सबसे पहला टी20 वर्ल्ड कप 2007 में खेला गया, जिसके फाइनल में भारत ने पाकिस्तान को 5 रनों से हराकर ऐतिहासिक जीत दर्ज की थी. उसके बाद 2014 में भारतीय टीम ने एमएस धोनी की ही कप्तानी में टी20 वर्ल्ड कप का फाइनल खेला था, दुर्भाग्यवश इस बार टीम इंडिया को 6 विकेट से शिकस्त का सामना करना पड़ा था.

टीम इंडिया के मेंटॉर बनेंगे एमएस धोनी?

क्रिकब्लॉगर के हवाले से BCCI के एक सूत्र ने बताया कि एमएस धोनी मेंटॉर बनकर भारतीय क्रिकेट में अगली पीढ़ी की टीम तैयार करने में मददगार रह सकते हैं. यह भी कहा गया कि धोनी शायद ही इस ऑफर को स्वीकार करेंगे, और उनके ऐसा करने के पीछे वजह होंगे गौतम गंभीर. 2021 में जब एमएस धोनी मेंटॉर बने थे, तब भारतीय टीम टी20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल तक भी नहीं जा सकी थी.

पाकिस्तान के शाहीन अफरीदी ने बरपाया कहर

नई दिल्ली। एशिया कप 2025 की शुरुआत 9 सितंबर से होनी है. इससे पहले पाकिस्तान टीम टी20 ट्राई सीरीज खेल रही है. ट्राई सीरीज में पाकिस्तान के अलावा अफगानिस्तान और यूएई की टीम हैं. इस दौरान शुक्रवार को पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच मैच खेला गया. इस मैच में शाहीन अफरीदी ने दो विकेट चटकाए. अफरीदी ने इस दौरान भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को टी20 में सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में पीछे छोड़ दिया है. अफरीदी ने विकेट लेने के मामले में बुमराह को छोड़ा पीछे अफरीदी ने अफगानिस्तान के खिलाफ सिर्फ 21 रन देकर दो विकेट चटकाए. अफरीदी ने सबसे पहले इब्राहिम जादरान को बोल्ड कर पहला विकेट लिया. वहीं दूसरा विकेट भी अफरीदी ने मुजीब उर रहमान को बोल्ड मारकर लिया. इस दौरान उन्होंने टी20 क्रिकेट में विकेट लेने के मामले में बुमराह को पीछे छोड़ दिया.

बुमराह ने अब टी20 क्रिकेट में 20.22 की औसत से 245 मैचों में 313 विकेट झटके हैं. इस दौरान उनका इकॉनमी रेट 6.88 का रहा है. वहीं अफरीदी ने 225 मैचों में 20.97 की औसत से 314 विकेट ले चुके हैं. अफरीदी का इकॉनमी रेट 7.93 का रहा है. पाकिस्तान ने अफगानिस्तान को 39 रनों से हराया पाकिस्तान ने मैच में पहले बल्लेबाजी की. पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान ने 20 ओवरों में 182 रन बनाए. पाकिस्तान के लिए सबसे ज्यादा रन कप्तान सलमान आगा ने बनाए. सलमान ने 36 गेंदों में 53 रनों की पारी खेली. सलमान ने तीन चौके और तीन छक्के जड़े. अफगानिस्तान की तरफ से सबसे ज्यादा विकेट फरीद मलिक ने लिए. फरीद ने पाकिस्तान के दो विकेट चटकाए. लक्ष्य का पीछा करने उतरी अफगानिस्तान की टीम 19.5 ओवर में सिर्फ 143 रनों पर ऑलआउट हो गई.

जसप्रीत बुमराह को छोड़ा पीछे

भारत के इस खूंखार गेंदबाज ने जब 6 गेंदों पर चटका दिए 6 विकेट....

नई दिल्ली। क्रिकेट ऐसा रोमांचक खेल है जहां हर गेंद पर तस्वीर बदल सकती है, वहीं कभी-कभी ऐसा भी हो जाता है जिसे सुनकर यकीन करना मुश्किल हो जाए। ऐसा ही एक चमत्कार हुआ था साल 2021 में, जब युवा गेंदबाज़ हर्षित सेठ ने क्रिकेट की परंपराओं को चौंकाते हुए लगातार 6 गेंदों पर 6 विकेट चटका दिए। यह कमाल किसी दिग्गज इंटरनेशनल खिलाड़ी ने नहीं, बल्कि भारतीय मूल के 20 वर्षीय स्पिनर हर्षित सेठ ने अंजाम दिया, जो संयुक्त अरब अमीरात (UAE) के लिए खेलते हैं। बाएं हाथ के इस फिरकी गेंदबाज़ ने कारवां अंडर-19 ग्लोबल टी20 लीग में यह अद्भुत उपलब्धि हासिल की थी।
मैच खेला गया था UAE के अजमान शहर में, जहां हर्षित की टीम DCC Starlets ने पहले बल्लेबाज़ी करते हुए 20 ओवर में 137/6 रन बनाए। जवाब में पाकिस्तान की टीम हैदराबाद हॉक्स ने शानदार शुरुआत की थी और स्कोरबोर्ड पर 12/0 था। लेकिन तभी आए हर्षित सेठ -- और तूफान बन गए। उन्होंने अपने पहले ओवर की आखिरी 4 गेंदों पर 4 विकेट लिए, और फिर अगले ओवर की पहली दो गेंदों पर दो विकेट झटक कर कर दी डबल हैट्रिक पूरी। कुछ ही मिनटों में स्कोर 12/0 से 16/9 हो गया।

प्रदर्शन जिसने हिला दिया सबको

हर्षित का फाइनल बॉलिंग फिगर था: 4 ओवर, 2 मेडन, 4 रन, 8 विकेट उनकी घातक गेंदबाज़ी के आगे विपक्षी टीम सिर्फ 44 रन पर ढेर हो गई और उनकी टीम ने मुकाबला 93 रन से जीत लिया।

औकिब नबी ने दलीप ट्रॉफी में रचा इतिहास

4 गेंदों में 4 विकेट, एलीट लिस्ट में हुए शामिल

नई दिल्ली। दलीप ट्रॉफी में अच्छा प्रदर्शन करते हुए जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज औकिब नबी ने गेंद से कहर बरपाते हुए बेंगलुरू में नोर्थ जोन बनाम ईस्ट जोन मैच में चार गेंदों में चार विकेट लेकर शानदार हैट्रिक ली। औकिब पिछले रणजी ट्रॉफी सीजन में भी सबसे सफल तेज गेंदबाज रहे। उन्होंने फरवरी में अपने आखिरी प्रथम श्रेणी मैच में भी छह विकेट लिए थे। दलीप ट्रॉफी में देश के कुछ सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों के खिलाफ उनका प्रदर्शन प्रभावशाली रहा। नोर्थ जोन बनाम ईस्ट जोन मैच में उन्होंने अपने पहले आठ ओवरो में कोई विकेट नही लेने के बाद सिर्फ 13 गेंदों में पांच विकेट चटकाए। औकिब ने शुरुआत में तो गेंद से कुछ खास प्रदर्शन नहीं किया लेकिन उनके प्रदर्शन में बदलाव आया। जिससे अंततः नोर्थ जोन को बड़ी बढ़त हासिल हुई।

रैना ने किया 2027 वनडे विश्व कप के लिए रोहित और विराट का समर्थन

कहा- उनके पास काफी अनुभव

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना का मानना है कि रोहित शर्मा और विराट कोहली दोनों को 2027 के वनडे विश्व कप में खेलना चाहिए क्योंकि वे न केवल पहले खिताब जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे है बल्कि उनके पास इस बड़े टूर्नामेंट के लिए आवश्यक अनुभव भी है। दोनों खिलाड़ी टेस्ट और टी20 से संन्यास ले चुके हैं लेकिन वे वनडे विश्व कप जीतने का सपना अभी भी पूरा कर सकते है। रोहित और विराट के भारतीय टीम में भविष्य को लेकर कई अटकलें लगाई जा रही है। अटकलें इस पर भी है कि दो साल बाद होने वाले विश्व कप में वे भारतीय टीम का हिस्सा होंगे या नही। विश्व कप शुरू होने तक रोहित 40 साल के हो जाएंगे जबकि विराट 39 साल के। दोनों को वनडे विश्व कप में खेलने के लिए भारतीय टीम द्वारा खेले जाने वाले एकदिवसीय मैचों में नियमित रूप से हिस्सा लेना होगा। रैना ने कहा, 'रोहित और कोहली को 2027 का वनडे विश्व कप खेलना चाहिए क्योंकि उन्होंने टी20 विश्व कप और चैंपियंस ट्रॉफी जीती है। रोहित और विराट दोनों के पास बहुत अनुभव है। मुझे लगता है कि वे 2027 के विश्व कप में जरूर खेलेंगे। उन्हें खेलना चाहिए।' रोहित और विराट दोनों के ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 19 अक्टूबर से शुरू होने वाली भारत की आगामी तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला में खेलने की संभावना है। इस दौरे के बाद भारतीय टीम नवंबर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला भी खेलेगी। रोहित और विराट ने इन दोनों श्रृंखलाओं की तैयारी शुरू कर दी है।

भारत-ऑस्ट्रेलिया सीरीज का क्रेज

50 दिन पहले ही इंडियन फैन जोन के सभी टिकट बिके

नई दिल्ली। भारतीय टीम व्हाइट बॉल क्रिकेट के लिए अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी। इस दौरान दोनों टीमों के बीच तीन वनडे और पांच मैचों की टी20 सीरीज खेली जाएगी। सीरीज को शुरू होने में अब भी 50 दिन बाकी हैं और उससे पहले ही इंडियन फैन जोन के सभी टिकट बिक गए हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने शनिवार को इसकी घोषणा की। वहीं बोर्ड ने ये भी बताया कि अन्य स्टेडियम के टिकट भी काफी बिक रहे हैं।
एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया, ₹क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया को यह बताते हुए खुशी हो रही है कि भारत के खिलाफ आगामी पुरुष वनडे सीरीज के लिए सभी आठ वेन्यू पर समर्पित भारतीय प्रशंसक क्षेत्र अब आधिकारिक तौर पर बिक चुके हैं।₹ इसके अलावा सिडनी और कैनबरा में होने वाले मैचों के सार्वजनिक टिकट भी बिक चुके हैं।'' भारत का वनडे सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया दौरा 19 अक्टूबर से शुरू होगा, जिसके मैच पर्थ, एडिलेड और सिडनी में खेले जाएंगे। इसके बाद दिसंबर में भारत घरेलू मैदान पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन वनडे मैच खेलेगा। भारतीय टीम 2026 में न्यूजीलैंड के खिलाफ दो बार, अफगानिस्तान, इंग्लैंड और वेस्टइंडीज़ के ख़िलाफ वनडे सीरीज में खेलेगी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के कार्यकारी महाप्रबंधक जोएल मॉरिसन ने कहा, ₹हम सभी आठ आयोजन स्थलों पर भारतीय फैन जोन्स को मिल रही जबरदस्त प्रतिक्रिया से बेहद उत्साहित हैं।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर गोविंदा पथकों का किया गया सम्मान

मुंबई। महाराष्ट्र शासन के खेल एवं युवा कल्याण विभाग अंतर्गत जिला क्रीड़ा अधिकारी कार्यालय, मुंबई उपनगर द्वारा मेजर ध्यानचंद जी की जयंती के उपलक्ष्य में 29 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस का आयोजन उत्तर भारतीय संस्था हॉल, बांद्रा (पूर्व), मुंबई में किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता आशीष शेलार (मंत्री, सूचना एवं प्रौद्योगिकी तथा सांस्कृतिक कार्य तथा पालकमंत्री, मुंबई उपनगर जिला) ने की। साथ ही प्रमुख अतिथि के रूप में सौरभ काटियार (जिलाधिकारी, मुंबई उपनगर), पी. स्वामी रंगास्वामी (समर ओलंपिक खिलाड़ी एवं अंतरराष्ट्रीय वेटलिफ्टिंग खिलाड़ी) तथा विपुल घोष (द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित, अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल खिलाड़ी) उपस्थित थे।
इस अवसर पर मुंबई उपनगर जिले के विभिन्न खेलों में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय कार्य करने वाले, छत्रपति राज्य खेल पुरस्कार प्राप्त 11 महिला एवं पुरुष खिलाड़ियों का सम्मान किया गया। इसके साथ ही पारंपरिक खेल दहीहंडी की परंपरा को आगे बढ़ाने वाले पथकों का भी सम्मान किया गया, जिनमें – पार्ले स्पोर्ट्स महिला गोविंदा पथक (सात मंज़िल का विश्व रिकॉर्ड),कोकण नगर गोविंदा पथक, जय जवान गोविंदा पथक (दस मंज़िल का विश्व रिकॉर्ड) का विशेष सम्मान पालकमंत्री, जिलाधिकारी तथा उपस्थित मान्यवरों के हाथों से किया गया। कार्यक्रम के दौरान योगा और दहीहंडी खेलों का प्रत्यक्ष प्रदर्शन भी प्रस्तुत किया गया।
इस अवसर पर जिलाधिकारी महोदय ने जिले की खेल उपलब्धियों तथा विभिन्न उपक्रमों की जानकारी दी और आज के युग में पढ़ाई के साथ-साथ खेलों के महत्व पर मार्गदर्शन किया। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि शासन की ओर से खिलाड़ियों को आवश्यक हर प्रकार की सहायता प्रदान की जाएगी। पालकमंत्री महोदय ने अपने भाषण में कहा कि मुंबई उपनगर जिले में आने वाले वर्षों में जिला क्रीड़ा अधिकारी कार्यालय अंतर्गत एक आधुनिक खेल संकुल विकसित किया जाएगा, जिसमें विभिन्न खेलों की सुविधाएँ उपलब्ध होंगी। साथ ही उन्होंने खिलाड़ियों को जिले का नाम रोशन करने के लिए विशेष धन्यवाद दिया।
इस कार्यक्रम का प्रस्तावना भाषण रश्मी आंबेडकर (जिला क्रीड़ा अधिकारी) ने किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में अभिभावक एवं खिलाड़ी उपस्थित थे। जिला क्रीड़ा अधिकारी कार्यालय ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए विशेष प्रयास किए। अंत में आभार प्रदर्शन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

दलीप ट्रॉफी: डबल सेंचुरी की तरफ बढ़े कप्तान अंकित कुमार

नॉथ जोन की बढ़त 550 रनों के पार

बेंगलुरु। दलीप ट्रॉफी के क्वार्टर फाइनल-1 में नॉर्थ जोन के लिए कप्तान अंकित कुमार ने धूम मचा दी है। खेल के तीसरे दिन की समाप्ति तक अंकित ने 264 गेंद में 168 रनों की नाबाद पारी खेली। अपनी इस पारी में उन्होंने 16 चौके और 1 छक्का भी लगाया। अंकित की इस दमदार पारी के कारण ही नॉर्थ जोन की टीम अपनी दूसरी पारी में 2 विकेट पर 388 रन बनाए लिए। इसके साथ टीम के पास अब 563 रन की विशाल लीड हो गई है। बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ग्राउंड में जारी इस मुकाबले में टॉस हारकर बल्लेबाजी करने उतरी नॉर्थ जोन की टीम ने पहली पारी में 405 रन बनाए। टीम के लिए कन्हैया वधावन ने 152 गेंदों में सर्वाधिक 76 रन बनाए। इनके अलावा आयुष बडोनी ने 60 गेंदों में 63 रन की पारी खेली थी। विपक्षी टीम की ओर से मनीषी ने 111 रन देकर सर्वाधिक 6 विकेट चटकाए, जबकि सूरज जायसवाल को 2 विकेट हाथ लगे। इसके जवाब में नॉर्थ जोन की टीम पहली पारी में महज 230 रन पर सिमट गई।
इसके जवाब में ईस्ट जोन की शुरुआत बहुत ही खराब रही। ईस्ट जो ने महज 66 के स्कोर तक अपने 3 विकेट गंवा दिए। यहां से कप्तान रियान पराग ने टीम को संभाला, लेकिन उसे विशाल स्कोर तक नहीं पहुंचा सके। ईस्ट जोन की ओर से विराट सिंह ने सर्वाधिक 69 रन बनाए। इनके अलावा, उत्कर्ष सिंह ने 38, जबकि रियान पराग ने 39 रन जुटाए।

एशिया कप के एक मैच में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड किसके नाम?

नई दिल्ली। एशिया कप के एक मैच में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड भारतीय दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली के नाम है. कोहली ने ये रिकॉर्ड पाकिस्तान के खिलाफ साल 2012 में बनाया था. कोहली का ये रिकॉर्ड पिछले 13 साल से कोई नहीं तोड़ पाया है. कोहली इस लिस्ट में इकलौते भारतीय हैं. वहीं इस लिस्ट में पाकिस्तान के तीन बल्लेबाज शामिल है, जबकि एक बल्लेबाज बांग्लादेश का है.

विराट कोहली

भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली एशिया कप के एक मैच में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं. कोहली ने साल 2012 में 330 रनों का पीछा करते हुए शानदार 183 रनों की पारी खेली थी. जिसकी वजह से भारतीय टीम ने ये मैच 13 गेंद रहते ही जीत लिया. कोहली ने अपने पारी में 22 चौके और एक छक्का जड़ा था.

बाबर आजम

पाकिस्तान के स्टार बल्लेबाज बाबर आजम इस लिस्ट में दूसरे स्थान पर हैं. बाबर ने नेपाल के खिलाफ साल 2023 में 131 गेंदों में 151 रनों की पारी खेली थी. इस पारी में बाबर ने 14 चौके और 4 छक्के लगाए थे. बाबर का इस दौरान 115.26 का स्ट्राइक रेट रहा था.

यूनिस खान

पाकिस्तान के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज यूनिस खान इस लिस्ट में चौथे स्थान पर हैं. यूनिस ने साल 2004 में हांगकांग के खिलाफ 122 गेंदों में 144 रनों की पारी खेली थी. यूनिस ने इस पारी में 8 चौके और तीन छक्के जड़े थे. यूनिस का स्ट्राइक रेट 118.03 का था.

मुशफिकुर रहीम

बांग्लादेश के विकटकीपर बल्लेबाज मुशफिकुर रहीम इस लिस्ट में चौथे स्थान पर हैं. रहीम ने साल 2018 में श्रीलंका के खिलाफ 150 गेंदों में 144 रनों की पारी खेली थी. रहीम ने इस पारी में 11 चौके और चार छक्के लगाए. रहीम का इस दौरान 96 का स्ट्राइक था.

घर में पधारे गजानन जी...

मंगेश जाधव के ऐरोली स्थित आवास पर विराजमान बाप्पा की आकर्षक मनमोहक प्रतिमा

जय भवानी क्रीडा मंडल, विठ्ठलवाड़ी आदर्श नगरचा विघ्नहर्ता

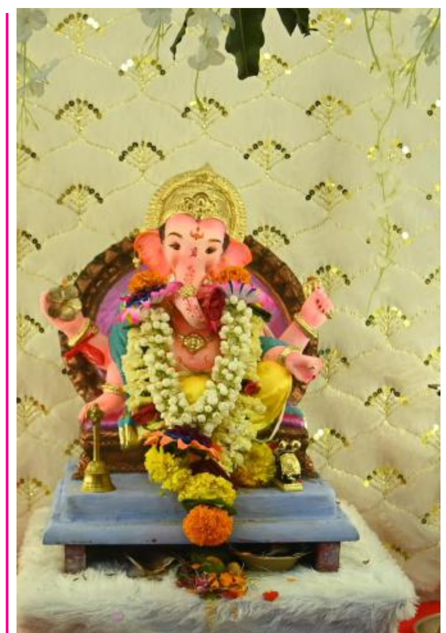
कौस्तूब राणे के निवास कानटिंटल हाइट्स माझगांव में स्थापित भगवान गणेश की मनमोहक मूर्ती

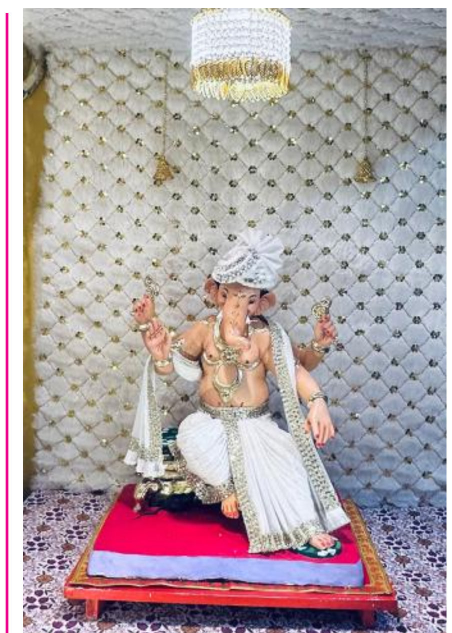
ओमकार मिंदे के आवास 108 न्यू हिंद मिल म्हाड़ा संकुल घोड़पदेव मांझगांव में स्थापित गणेश जी

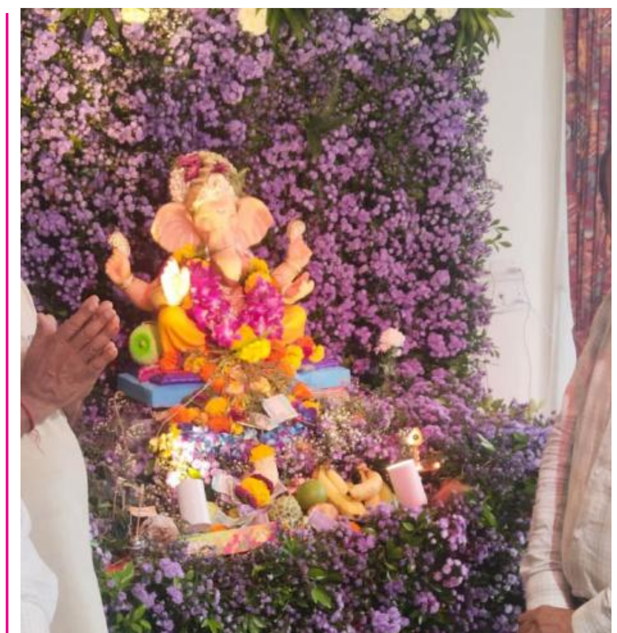
भारतीय जनता पार्टी महाराष्ट्र प्रदेश के कार्यालय मंत्री मुकुंद कुलकर्णी के घर (गोमती निवास) वरली में पधारे गणपति बप्पा

आर डी सिंह के निवास स्थान विलेपार्ले पश्चिम में विराजमान भगवान गणेश की प्रतिमा

कल्याण (पूर्व) के चक्की नाका श्री मलंग रोड स्थित ठाकुर सदन में अनिकेत वैकुंठ ठाकुर द्वारा स्थापित विघ्नहर्ता श्री गणेश जी की अलौकिक मूर्ति

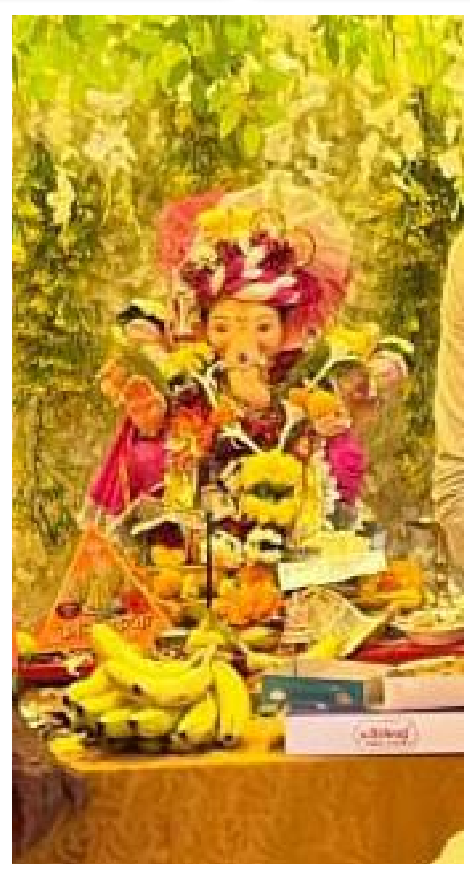
डोम्बिवली पूर्व रूनवाल गार्डन में ध्रुव दिनेश चौबे के घर पर विराजमान सुखकर्ता भगवान श्री गणेश जी।

अभिषेक रविंद्र चिटनिस के घर साई धाम को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी में विराजमान गणपति महाराज

ऋषिकेश तिवारी का आवास टैगोर नगर विक्रोली पूर्व में विराजमान गजानन की मनमोहक प्रतिमा

'बागी 4' का ट्रेलर रिलीज

टाइगर श्रॉफ की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'बागी 4' का ट्रेलर रिलीज हो चुका है. ऑडियंस इसका काफी वक्त से इंतजार कर रहे थे, कुछ दिन पहले ही फिल्म का टीजर भी रिलीज किया गया था. हालांकि, 3 मिनट 41 सेकेंड के इस ट्रेलर में खून-खराबा, मारधाड़ के साथ एक कंफ्यूज करने वाली लव स्टोरी भी है. फिल्म का ट्रेलर रणबीर कपूर की फिल्म एनिमल और मलयालम फिल्म मार्को की याद दिला रहा है. फिल्म में सभी किरदारों का खूंखार अवतार नजर आ रहा है. 5 सितंबर को 'बागी 4' सिनेमाघरों में दस्तक देने वाला है, फिल्म में टाइगर श्रॉफ, संजय दत्त, हरनाज संधू, सोनम बाजवा जैसे और भी कई किरदार शामिल हैं. इस फिल्म में एक्शन और हिंसा को एक अलग लेवल पर ले जाया गया है, जो कि रियल नहीं लगता. फिल्म के टीजर को भी देख कर लोग 'एनिमल' को ही याद कर रहे थे. वहीं ट्रेलर में भरपूर एक्शन और खून-खराबे के साथ डायलॉगबाजी का भी डबल डोज है. फिल्म के बारे में लोगों को मिली-जुली राय मिल रही है. बागी की चौथी किस्त को लेकर लोगों में एक्साइटमेंट थी, हालांकि अब इस फिल्म को इतने नेक्स्ट लेवल पर ले जाया गया है कि लोग इसको लेकर डाउट में हैं. ए हर्ष की डायरेक्शन में बनी इस फिल्म को सिनेमाघरों में आने में बस कुछ दिन बचा है. टाइगर और संजय दत्त के साथ ही फिल्म में हरनाज और सोनम भी गजब का एक्शन करते नजर आने वाली हैं. फिल्म के ट्रेलर के हिसाब से इसकी कहानी का अंदाजा लगाया जाए, तो इसमें एक आशिक अपनी प्रेमिका की तलाश में लोगों की जान लेता है।

4 बेटियां खोईं...4 बार फेल हुआ सनी लियोनी का IVF, मां बनने के लिए चुकाई बड़ी कीमत

सनी लियोनी ने अपनी मडरहुड जर्नी को लेकर हाल ही में खुलकर बात की. अपने पति डेनियल वेबर के साथ, सनी लियोनी तीन खूबसूरत बच्चों की मां हैं. सनी की एक बेटी निशा कौर वेबर और जुड़वां बेटे अशर और नोआ हैं. हालांकि सनी ने निशा को गोद लिया था, लेकिन उनके जुड़वां बच्चे सरोगेसी के ज़रिए हुए हैं. सनी ने सोहा अली खान के पॉडकास्ट पर कई चौंकाने वाले खुलासे किए. एक्ट्रेस ने बताया कि वो अपनी 4 बेटियों को खो चुकी हैं. सनी लियोनी ने आईवीएफ और सरोगेसी प्रक्रिया के बारे में खुलकर बात की. सनी ने कहा, "वास्तव में कोई प्लानिंग नहीं थी, लेकिन ऑरिजनल प्लान सरोगेसी के ज़रिए बच्चे पैदा करने का था, और फिर कुछ सालों बाद, हम अपने करियर को आगे बढ़ाना चाहते थे. उस समय सही समय नहीं था, लेकिन हमारे दिलों में यह सही समय था. यह किसी के साथ अपनी ज़िंदगी शेयर करने का सही समय था, बस यह शारीरिक रूप से मेरे ज़रिए नहीं आ रहा था।

"उन्होंने आगे कहा, "तो, हमने इस पर गौर करने और इसे आजमाने के बारे में सोचा. हमने मेरे अंडों को इकट्ठा किया और उनसे ये छह खूबसूरत भ्रूण बनाए हमारे चार लड़कियां और दो लड़के हुए. हमने हमेशा सोचा था कि पहले एक लड़की होगी. लेकिन बात नहीं बनी, चार लड़कियां चली गईं. फिर, हमने डॉक्टर बदले, और दो भ्रूण यानी दो लड़के मेरे पास हैं." सनी ने आगे बताया, "उस दौरान, हमने गोद लेने के लिए भी अप्लाई किया था क्योंकि आईवीएफ और सरोगेसी की प्रक्रिया तब बहुत निराशाजनक होती है जब चीज़ें आपके हिसाब से नहीं होतीं. यह एक बहुत लंबी प्रक्रिया भी बन सकती है. मुझे एक हफ़्ते के अंदर ही पता चल गया कि उनमें से चार ज़िंदा नहीं बच पाएंगे." सनी ने कहा, "डैनियल और मैं एक-दूसरे को इमोशनल सहारा देने के लिए हमेशा मौजूद थे. हमने किसी को कुछ नहीं बताया. हम पहले खुद ही इस बारे में बात करना चाहते थे. वह काफी सपोर्टिव है, और बच्चे के बारे में हमारी भी यही भावनाएं थीं."

अपनी बात करते हुए एक्ट्रेस ने बताया, "हमारी सरोगेट में एचसीजी का स्तर ऊंचा था, लेकिन थैली खाली थी. आईवीएफ की समस्या यह है कि जैसे ही भ्रूण अंदर जाता है, आप मनोवैज्ञानिक रूप से गर्भवती हो जाती हैं. आप बच्चे के कमरे की योजना बना रही होती हैं, और आपके दिमाग में कई तरह की बातें चलती रहती हैं. फिर अचानक, वह वहां नहीं होता, थैली खाली होती है. ऐसा एक ही डॉक्टर के साथ दो बार हुआ।

तीन बच्चे और साउथ में बसने का इरादा, जान्हवी का फ्यूचर प्लान

बॉलीवुड एक्ट्रेस जान्हवी कपूर इन दिनों जबरदस्त सुर्खियों में चल रही हैं. वजह है उनकी हालिया रिलीज फिल्म 'परम सुंदरी'. ये फिल्म 29 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है, जिसमें जान्हवी के साथ सिद्धार्थ मल्होत्रा दिखे हैं. ये रोमांटिक-ड्रामा फिल्म है, जिसे लोग पसंद कर रहे हैं. दोनों इस फिल्म के प्रमोशन में बिजी चल रहे हैं. इसी बीच जान्हवी ने अपने फ्यूचर प्लान पर बात की है. दरअसल, 'परम सुंदरी' के प्रमोशन के सिलसिले में सिद्धार्थ और जान्हवी कॉमेडियन कपिल शर्मा के शो 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' में पहुंचे. शो में कपिल ने इस बात का जिक्र किया कि जान्हवी का इरादा शादी के बाद साउथ में बसने का है. साथ ही वो चाहती हैं कि उनके तीन बच्चे हों. आगे कपिल ने जान्हवी से ये सवाल किया कि वो तीन बच्चे क्यों चाहती हैं. कपिल के सवाल का जवाब देते हुए जान्हवी ने कहा, "मुझे लगता है कि अच्छा होता है. तीन, पहले तो मेरे लिए लकी नंबर है. और दूसरी बात है कि लड़ाई-झगड़े अक्सर दो के बीच होते हैं. ऐसी हालत में एक का सपोर्ट जरूरी होता है. एक बहन या लड़का जो भी होगा, वो डबल ढोलकी होगा. दोनों तरफ से खेलेगा. दोनों को सपोर्ट मिलेगा. तो मैंने बहुत सोच समझकर ये प्लानिंग की है." जान्हवी ने एक एक पुराने इंटरव्यू में भी इस बारे में बात की थी। उन्होंने कहा था, "मेरी प्लानिंग शादी करके तिरुमला तिरुपति में बसने की है. हम केले के पत्ते पर खाना खाएंगे और हर रोज 'गोविंदा गोविंदा' सुनेंगे. मेरे बालों में मोगरा होगा और मैं मणिरत्नम का म्यूजिक सुनुंगी।"

सलमान खान का मजाक उड़ाना प्रणित मोरे को पड़ा भारी

सलमान खान का पॉपुलर टीवी रिएलिटी शो 'बिग बॉस 19' काफी चर्चा में बना हुआ है. हर सीजन की तरह इस सीजन में भी कंटेस्टेंट के बीच लड़ाई-झगड़े देखने को मिल रहे हैं. हालांकि, सलमान के तमाम चाहने वालों को इंतजार है 'वीकेंड का वार' का, जिसमें सलमान कंटेस्टेंट की क्लास लगाएंगे. सलमान स्टैंडअप कॉमेडियन प्रणित मोरे पर भी गुस्सा करते दिखेंगे. पहली झलक भी सामने आई है। दरअसल, प्रणित मोरे ने एक दफा अपने स्टैंडअप कॉमेडी के दौरान सलमान खान का मजाक उड़ाया था। वही चीज अब उनपर भारी पड़ी है। अब सलमान प्रणित की किस तरह क्लास लगाते हैं वो तो आज रात (शनिवार) 'वीकेंड का वार' एपिसोड में ही देखने को मिलेगा, लेकिन मेकर्स ने एक प्रोमो वीडियो शेयर किया है, जिसमें सलमान प्रणित पर काफी गुस्सा नजर आ रहे हैं।

भोर भईल छाईल उजियारा...
मिटल जगत के सब अंधियारा...
यूट्यूब क्वीन एवं सुपरस्टार **आम्रपाली दुबे** का यह गाना युट्यूबपर धूम मचा रहा है ।
देवयानी मूवीज भोजपुरी युट्यूब चॅनेलपर आप यह गाना जरूर सुनें । चॅनेल सबस्क्राईब करें । सभी विडीओ देखे, लाईक, कॉमेंट और शेअर करें ।

कलाकार : मच्छिंद्र चाटे, आम्रपाली दुबे, महेश कुमार, देव सिंह, प्रकाश जैन, मनोज टाइगर, अनूप अरोरा, संजय पांडे, रिंकू आयुषी, हीरा यादव, स्वीटी सिंह राजपूत और अनिल वर्मा ।
गीत - सभा वर्मा, **संगीत** - साजन मिश्रा, **DOP**-फिरोज खान
यह फिल्म बहुत जल्द देशभर के सिनेमा घरों मे प्रदर्शित होनेवाली है ।
Deoyani Movies Bhojpuri Youtube Channel

सुनील ग्रोवर ने कपिल शर्मा को कहा 'गंजा'!

कपिल शर्मा के 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' के कलाकार अक्सर एक-दूसरे के रूप-रंग को लेकर मज़ाक करते रहते हैं. वे एक-दूसरे पर दोस्ताना अंदाज़ में चुटकी लेने से नहीं हिचकिचाते, और अब सुनील ग्रोवर के मज़ाक ने सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया है. पॉपुलर कॉमेडी शो के दौरान सुनील ग्रोवर ने गंजे लोगों पर मज़ाक किया. एपिसोड के दौरान, सुनील ग्रोवर ने मज़ाक में कहा कि गंजे लोगों को शैम्पू की ज़रूरत नहीं होतीं. हालांकि, उन्होंने 'गंजे' शब्द का इस्तेमाल करने के लिए माफ़ी मांगी.जब दूसरों ने उन्हें आगे बढ़ने के लिए मोटीवेट किया, तो उन्होंने कहा, "हां, यह कौन सा बिलो द बेल्ट हैयह तो कॉलर के ऊपर है." उन्होंने फिर से गंजे लोगों का मज़ाक उड़ाया, लेकिन उन्हें गंजा कहने के लिए फिर माफ़ी भी मांगी. हालांकि, शो के इस सीन को रेडिट पर गलत तरीके से शेयर किया गया है. यह पल रेडिट पर वायरल हो गया है. एक यूज़र ने लिखा, "मैं अभी यह एपिसोड देख रहा था और सुनील ग्रोवर कहते हैं, 'गंजे लोगों (कपिल से सॉरी कहते हुए) को शैम्पू की क्या ज़रूरत है'." इस पोस्ट ने सबका ध्यान खींचा है और फैन्स कमेंट सेक्शन में अपनी राय दे रहे हैं. कुछ रेडिटर्स ने इस पल को गलत समझ लिया है कि सुनील कपिल के बालों के झड़ने पर मज़ाक कर रहे हैं।

एक व्यक्ति ने लिखा, "मैं शो नहीं देखता, लेकिन मम्मी इसे खाते समय देखती हैं और हम साथ में खाते हैं, और मैंने यह नोटिस किया, उस आदमी ने कपिल की आंखों में सीधे देखते हुए 3 बार इस पर ज़ोर दिया होगा, ऐसा लग रहा था कि वह स्क्रिप्ट से हट रहा था." एक अन्य ने लिखा, "सुनील पंगे तो लेता है कपिल से." एक कमेंट में लिखा था, "मुझे यह सीज़न बहुत पसंद आ रहा है. सभी बहुत मज़ेदार हैं, खासकर सुनील और कृष्णा." एक और यूजर ने लिखा, "कपिल शर्मा के शो का यह सीज़न कमाल का है और सुनील ग्रोवर इस बार वाकई बहुत बेबाकी से काम कर रहे हैं।"